

**राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1, छत्तीसगढ़
भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय**

पर्यावास भवन, सैकटर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला—रायपुर (छ.ग.)

ई-मेल : seacocg@gmail.com

विषय— राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1 (एस.ई.ए.सी.-1), छत्तीसगढ़ की दिनांक 05/03/2025 को संपन्न 584वीं बैठक का कार्यवाही विवरण

— 00 —

राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1 (एस.ई.ए.सी.-1), छत्तीसगढ़ की दिनांक 05/03/2025 को डॉ. प्रकाश बन्द यांडे, अध्यक्ष, राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1 की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में समिति की निम्नलिखित सदस्यों ने माग लिया—

1. डॉ. रवि प्रकाश मिश्रा, सदस्य, राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1
2. श्री विश्वन लिंग चूध, सदस्य, राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1
3. डॉ. मोहन लाल अश्वाल, सदस्य, राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1
4. श्री सुरेश चंद्रा साहो, सदस्य, राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1
5. श्री कलादियुस लिकी, सदस्य सचिव, राज्य स्तर विशेषज्ञ अंकन समिति-1

समिति द्वारा एजेंडा में तम्भिलित विषयों पर निम्नानुसार विचार किया गया—

एजेंडा आयटम क्रमांक-1:

परिवेश 1.0 पोर्टल से प्रकरणों (गौण/मुख्य खनिजों / अन्य परियोजनाओं संबंधी प्रकरणों) के प्रस्तुतीकरण उपरात पर्यावरणीय स्वीकृति / टीओआर/अन्य आवश्यक निषेध लिया जाना।

1. मेसर्स इयाम कुमार प्रजापति डिक्स (प्रो.— श्री इयाम कुमार प्रजापति), ग्राम—लौरमी, तहसील—लौरमी, जिला—मुगेली (संघिवालय का नम्बर क्रमांक 2387)
ऑफलाईन आवेदन — प्रपोजल नम्बर — एसआईए/ सीजी/ एमआईए/ 426218/2023, दिनांक 18/04/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्ति से लघातित मिट्टी उत्खनन (गौण खनिज) खदान है। यह खदान ग्राम—लौरमी, तहसील—लौरमी, जिला—मुगेली रिप्त सुसन्दर क्रमांक 5/2 एवं 6/7, कुल थोकफल—1532 हेक्टेयर में है। खदान की आवेदित मिट्टी उत्खनन क्षमता—1,000 घनमीटर (ईंट उत्पादन इकाई 10,00,000 घन) प्रतिवर्ष है।

निम्नानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 18/05/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठक का विवरण —



(अ) समिति की 467वीं बैठक दिनांक 24/05/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी इयाम कुमार प्रजापति, प्रोफराइटर उपस्थित हुए। समिति द्वारा नहीं, प्रस्तुत जानकारी का आवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धियाँ पाई गईं—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—

- i. पूर्व में गिट्टी उल्लंगन खसरा क्रमांक 5/2 एवं 6/7, कुल क्षेत्रफल—1,532 हेक्टेयर, क्षमता—1,000 घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु जिला शारीय पर्यावरण समाधान निधीरण प्राधिकरण जिला—मुगेली द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति दिनांक 22/01/2018 को जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष हेतु वैध थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, यन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 18/01/2021 अनुसार—

"9A. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना को अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक 21/01/2024 तक वैध होगी।

- ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई है।
- iii. निर्धारित शारीनुसार दृक्षारोपण नहीं किया गया है। समिति का मत है कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के अनुसार निर्धारित शारीनुसार दृक्षारोपण इसी मानसून में करते हुए धीधों में संख्याक्रम (Numbering) एवं धीधों के नाम का उल्लेख किया जाकर फोटोग्राफ्स राहित जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- iv. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मुगेली को ज्ञापन क्रमांक 352/खलि—2 उप./2023 मुगेली, दिनांक 21/03/2023 द्वारा जारी प्रगाण पत्र अनुसार पिंगल धीधों में किये गये उल्पादन की जानकारी गिम्मानुसार है—

| वर्ष | उल्पादन (घनमीटर) |
|-----------------------------|------------------|
| 06/04/2018 से 31/03/2019 तक | 560 |
| 01/04/2019 से 31/03/2020 तक | 962 |
| 01/04/2020 से 31/03/2021 तक | 970 |
| 01/04/2021 से 31/03/2022 तक | 970 |
| 01/04/2022 से 28/02/2023 तक | 800 |

दिनांक 28/02/2023 के उपरात किए गए उत्खनन की वास्तविक जाता ही अद्यतन जानकारी खनिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. नगर पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन के संबंध में नगर पंचायत लोरमी का दिनांक 16/10/2017 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्खनन योजना — कारी प्लान एलांग विध ज्वारी कलोजर प्लान एण्ड इन्हायरोमैट मैनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है जो वप संचालक (खनि प्रशासन), जिला—बलीदाबाजार—भाटापारा के झापन क्षमाक 1106/खलि/हीन—1/2017 बलीदाबाजार—भाटापारा, दिनांक 13/10/2017 हारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मुगेली के झापन क्षमाक 364/खलि—02/2023 मुगेली, दिनांक 21/03/2023 के अनुसार आयोदित खदान से 500 मीटर के भीतर अवरिधि अन्य खदानों की संख्या निरक्त है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/सरचनाएँ — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मुगेली के झापन क्षमाक 353/खलि—02/2023 मुगेली, दिनांक 21/03/2023 हारा ज्वारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे रेल लाईन, भवन, धार्मिक रथल, रक्कुल, पुल, कलवट, बांध, नल या योजना एवं राष्ट्रीय राजमार्ग जावादी क्षेत्र, अस्पताल, आदि प्रतिवर्धित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं। नदी 160 मीटर एवं मुकिताम 150 मीटर दूर है।
6. लोज का विवरण — लोज भी इयाम कुमार प्रजापति के नाम पर है। लोज डीड 30 वर्षों अर्थात् दिनांक 06/04/2016 से 05/04/2046 तक की अवधि हेतु कैप है।
7. भू—रूपगित्य — भूमि खाजारा क्षमाक 5/2 श्री इयाम कुमार प्रजापति व श्री दीपक प्रजापति एवं भूमि खासरा क्षमाक 6/7 श्री रामकुमार के नाम पर है। उत्खनन के संबंध में श्री रामकुमार का सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है। सुमिति ज्ञात है कि उत्खनन के संबंध में श्री दीपक प्रजापति का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
8. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट — वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
9. घन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र — लोज सीमा से निकटतम घन क्षेत्र की वास्तविक दूरी के संबंध में घन विभाग से ज्वारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
10. महत्वपूर्ण सरचनाओं की दूरी — निकटतम आवादी गाम—लोरमी 1.16 कि.मी., रक्कुल गाम—सोरमी 200 मीटर एवं अस्पताल गाम—लोरमी 1.53 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 19.05 कि.मी. एवं राजमार्ग 1.6 कि.मी. दूर है। मनियारी नदी 170 मीटर दूर है।
11. पारिस्थितिकीय/जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र — परियोजना प्रस्तावक हारा 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्राज्यीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण

11/03/2023

नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित हिंटिकली पौल्युट्रेट एसिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जीवविविधत क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिबोधित किया है।

12. खनन संघर्ष एवं खनन का विवरण — जियोलोजिकल रिजर्व 30,640 घनमीटर, माईनिंग रिजर्व 26,800 घनमीटर है। लीज की 1 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 670 वर्गमीटर है। ओपन कार्स्ट मैन्युअल चिह्न से उत्खनन किया जाता है। उत्खनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 2 मीटर है। बैच की ऊंचाई 1 मीटर एवं चौड़ाई 1 मीटर है। लीज क्षेत्र के भीतर चिमनी स्थापित है, जिसका क्षेत्रफल 1,000 वर्गमीटर है। इंट मिनांज हेतु मिट्टी के साथ 50 प्रतिशत फलाई ऐसा या उपयोग किया जाता है। खदान की राखावित आयु 28.6 वर्ष है। खदान में बायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल या छिङकाव किया जाता है। अनुमोदित खारी प्लान अनुसार वर्षावर प्रस्तावित उत्खनन का विवरण निम्नानुसार है—

| बर्थ | प्रस्तावित उत्खनन (घनमीटर) | बर्थ | प्रस्तावित उत्खनन (घनमीटर) |
|---------|----------------------------|-------|----------------------------|
| प्रथम | 1,000 | षष्ठम | 1,000 |
| द्वितीय | 1,000 | सप्तम | 1,000 |
| तृतीय | 1,000 | आठम | 1,000 |
| चतुर्थ | 1,000 | नवम | 1,000 |
| पঞ্চম | 1,000 | দশম | 1,000 |

13. जल आपूर्ति — परियोजना हेतु आवश्यक जल की नाप्ति 5 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति नगर पर्यावरण द्वारा टैकर के माध्यम से की जाती है। इस बावजूद ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्लान जल प्रस्तुत किया गया है।

14. वृक्षारोपण कार्य — लीज क्षेत्र की सीमा में छाती और 1 मीटर की पट्टी में 168 नग वृक्षारोपण किया जाएगा। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार पौधों के लिए राशि 12,768 रुपये, कैरिंग के लिए राशि 2,01,000 रुपये, खाद ले लिए राशि 1,260 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 1,50,000 रुपये एवं रख-रखाव आदि के लिए राशि 1,46,000 रुपये, इस प्रकार कुल राशि 5,11,028 रुपये प्रथम वर्ष हेतु एवं रख-रखाव हेतु कुल राशि 9,89,376 रुपये आगामी चार वर्षों हेतु घटकदार चाय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

15. गैर माईनिंग क्षेत्र — माईनिंग प्लान अनुसार लीज क्षेत्र में 1,000 वर्गमीटर क्षेत्र को चिमनी स्थापित होने एवं 350 वर्गमीटर क्षेत्र में वृक्ष होने के कारण गैर माईनिंग क्षेत्र रखा गया है।

16. प्रस्तुत माईनिंग प्लान में उल्लेखित अकांक्षा एवं देशांक के अधार पर गूगल के माध्यम से के एमएल फाईल में देखे जाने पर चिमनी भट्टा का कुछ भाग लीज क्षेत्र के अंदर एवं कुछ भाग लीज क्षेत्र के बाहर स्थापित होना पाया गया। जबकि प्रस्तुत माईनिंग प्लान में ही रिजर्व की गणना, सरफ़ेस प्लान आदि में चिमनी जल पूर्ण भाग लीज क्षेत्र के भीतर रखे जाने का उल्लेख है। समिति का मत है कि चिमनी भट्टा (फिल्स चिमनी) को डिस्मेटल कर, लीज क्षेत्र के भीतर 1 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र), जो छोड़ते हुये चिमनी स्थापित किये जाने हेतु रिजर्व की गणना कर संशोधित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

17. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना: पर्सनल एवं लोक सुरक्षा रोड़ेशर (Corporate Environment Responsibility) हेतु राशिति के सन्दर्भ में स्ट्रेटजिक अवधारणा निम्नलिखित प्रस्ताव अन्तर्गत | दिनांक: १५/५/२०२३ | दस्तावेज: पर्यावरण प्रस्ताव

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 55 | 2% | 1.10 | Following activities at, Nagar panchayat - Lorimi Pavitra Var Nirman Total | 8.51 |

सीईआर के लंतर्नत "पाइन ने नियोग" के पहले (नीया, पीपल, आम, करंज, छापड़, जामून, औला, अगलताशा, बरनाच वादि) बुद्धारपण हेतु प्रलेन लंतर्नत ८ लाख ५,८५० नये वैद्यों के लिए ८५५ लाख ६४,८०० रुपये लंतर्नत के लिए राशि ५५,००० रुपये, खाड़ के लिए राशि ५,३५० लाख, लंतर्नत के लिए ८५५ लाख १,२०,००० रुपये एवं रथ-उद्घाटन के लिए राशि १,५०,००० रुपये, इस प्रकार प्रश्न दर्शन में कुल राशि ३,३१,९९० ८०५५५ तथा अमा.नी ८ वधे गी कुल राशि ५,५३,६२० रुपये हेतु घटाकान्तर लाय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। सीईआर के द्वारा नदेश जन हेतु नगर पालिका नीया शालायवेश भूमि लालता इमारत २/१, शेत्रफल ०.३४ हेक्टेकर मूलमें वृक्षारोपण के लिए हेतु ग्राम लंतर्नत द्वारा राहस्यित नव प्रस्तुत किया गया है।

सनिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्धारित जियो गया या:-

- पूर्ण दें जायी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के द्वारा निर्धारित रातिकृत वृक्षारोपण लायी गान्धारू दें करो हुए वैद्यों में संख्याकाल (घटाकान्तर) एवं पौष्टि के नाम का लंतर्नत देया जाए. एवं वैद्यों की वालांडि दूषि के संबंध में वन विभाग से जारी अनाप्ति प्रमाण पत्र दूषि प्रति प्रस्तुत किया जाए।
- दिनांक 28/02/2023 के द्वारा हेतु लौ वास्तविक नाम की अदान लानलाई अनियंत्रित गिराव राम प्रगतिशील करालर प्रस्तुत किया जाए।
- जीव सीन से विकास दर्शन की वालांडि की दूषि के संबंध में वन विभाग से जारी अनाप्ति प्रमाण पत्र दूषि प्रति प्रस्तुत किया जाए।
- प्रस्तुत राइनिंग लान गी लहलेवित अदान एवं देशांश के अदान गर नाल के न लान से बोरभैल फैद्यो देखे जाने पर नेमनी गढ़ा. व) कुछ गांव लीज में के लंबर एवं कुछ भाग लीज द्वे रक्त के गांवर रथपित होने दाया गया। क्योंकि प्रस्तुत गाइनिंग लान गी दी रिजल गी नगन, रास्फर भाल आदि गी विभावी वा पूर्ण जीव लंबे के भीहर लंबे जाने का उल्लेख है। अतः चिमांगी भट्ठा (फिरस लेनांगी) की फेरैदल गी, लीज लीज की गीर १ गैटर गी रीया एद्दी (जूलन वं लिए जातीओंधीत कल) दो छोड़ते हुये चिमांगी रथापेत किये जाने हेतु रिलर्व की गणना लग रहीहोते नहींगिन प्लान प्रस्तुत किया जाए।

5. एक लाख ईट निर्माण हेतु कितने कोयले की आवश्यकता होगी के संबंध में गणना शाहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए। साथ ही कोयले के परिवहन एवं भज्जारण हेतु वी मई आवश्यक व्यवस्था की जानकारी भी प्रस्तुत किया जाए।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा भविष्य में पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त किये जिन उत्तमन नहीं करने एवं हामता से अधिक उत्तमन नहीं करने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवेदित क्षेत्र में दिनांक 16 नव दूसी वी प्रजातियों की जानकारी प्रस्तुत किये जाने साथ उक्त दूसी की आवश्यकता पड़ने पर कटाई स्तरम आधिकारी से अनुमति उपरान्त ही करने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. परियोजना प्रस्तावक द्वारा रीईआर को अंतर्गत किये जाने वाले वृद्धोरोपण का 5 वर्षी तक रख-प्रदाव किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवश्यक का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले कोयले एवं पलाई ऐस के उचित रख-प्रदाव के लिये हिन रोड का उपयोग किया जाएगा।
10. ईट को पकाने के लिए ईट नहरों में केवल जिन-जीन तकनीक या वर्टिकल शॉपट तकनीक का उपयोग किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. परियोजना रो जिन-जिन रथलों से पर्युषितिव ड्रेस्ट उत्तर्जन होगा उन रथलों पर नियमित जल छिकाव की रखावस्था किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. माईनिंग लीज क्षेत्र के अंदर साधन वृक्षारोपण किये जाने एवं रोपित पौधों का सरकाईवल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कम्सेशन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बारुण्डी पिल्लासे द्वारा सीमांकन का कार्य सुनिश्चित किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत सीमांकन कराकर आदान वी सीमा क्षेत्र में नियमानुसार स्तरम रखापित किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रवाह प्राकृतिक जल स्त्रील, तालाब, पोखर, नहर, नदी एवं अन्य जल निकायों में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण एवं संवर्द्धन किये जाने बाबत् शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
16. छत्तीसगढ़ आदान पुनर्वास नीति के तहत रखानीय लोगों को सौजन्यार दिये जाने हेतु शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

17. रक्षानीय लोगों को एवं निकटस्थ आशादी क्षेत्रों के निवासियों को रोजगार में प्राप्तमिकाता के आधार पर नियोजित किये जाने वाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
18. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से सत्यापित शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विलक्ष्म भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलधार्य परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना क्र.आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लिया नहीं है।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके विलक्ष्म इस खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत विस्तीर्णी भी न्यायालय में लिया नहीं है।
20. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके द्वारा साज्य स्तर पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राप्तिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा निहित छिट्ठे गए शहरों का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने की विधति में यह विधिवत वैधानिक एवं दण्डालभक कार्यवाही स्थीरकर करेगा।
21. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उन्हें भविष्य में पर्यावरण स्थीरता शहरों के उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर जो भी कार्यवाही लोगी गह उन्हें मान्य होगी तथा उनके द्वारा भविष्य में पर्यावरण नियमों एवं शहरों का पालन किया जाएगा।
22. ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले ईंधन (कोयला, कृषि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने वाले सातारांक अपशिष्ट और टायर/प्लास्टिक, पैट्रोल आदि का उपयोग नहीं किये जाने वाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
23. ईट निर्माण में अनुगोदित ईंधन (कोयला, कृषि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने तथा सातारांक अपशिष्ट और टायर/प्लास्टिक, पैट्रोल आदि का उपयोग नहीं किये जाने वाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
24. उत्तराखण के निगरानी के लिए कोन्वीय प्रदूषण बोर्ड द्वारा निर्धारित भाष्यदण्डी/सूपरेक्षा अनुसार ईट भट्टे में स्थाई सुविधा (पोर्ट होल्स एवं प्लॉटफॉर्म) का निर्माण किये जाने वाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
25. ईट भट्टे से निकलने वाले रासा का उपयोग इसी परिसर में पुनः काल्पे ईट निर्माण में किये जाने वाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
26. कच्चे माल/ईट परिवहन के दीनान याहनों को छक कर रखे जाने वाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 14/03/2024 को प्रस्तुत किया गया है। एता ई.एसी. छत्तीसगढ़ के एकेष्ट्रा पत्र दिनांक 28/02/2025 को माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(ब) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री श्वाम कुमार प्रजापति, प्रोपराइटर उपस्थित हुये। सनिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन हरे परीक्षण करने पर निम्न रिप्टि पाई गई-

- मूर्य में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के लकड़ी के अनुलग्न निर्धारित शतानुसार वृक्षाशोध इसी मानसून में करते हुए पीछों में संख्याक्रम (Numbering) एवं पीछे के नाम का लल्लेख किया जाकर फोटोग्राफर राहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
- कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मुरोली के ज्ञापन क्रमांक 203 / खति. -2 त.प. / 2025 मुरोली, दिनांक 05 / 03 / 2025 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार विमत बर्डी में किये गये उत्पादन की जानकारी निम्नानुसार है:-

| वर्ष | उत्पादन (घनमीटर) |
|-------------------------------------|------------------|
| 01 / 04 / 2023 से 31 / 03 / 2024 तक | 400 |
| 01 / 04 / 2024 से 30 / 09 / 2024 तक | निरंक |

- कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, मुरोली वनमण्डल, मुरोली के ज्ञापन क्रमांक/मा. वि. /61 / 2024 मुरोली, दिनांक 16 / 01 / 2024 से जारी अनापति प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित क्षेत्र वन की सीमा से 06 किमी, निकटतम वन्य जीव अन्याएष्टा (अचानकामार टाईगर रिजर्व) 07 किमी, एवं निकटतम राष्ट्रीय उद्यान कान्हा-किराली 110 किमी, जी दूरी पर है।
- सहायित मार्फतिग प्रान प्रस्तुत किया गया है जिसके अनुसार जियोलॉजिकल रिजर्व 30,640 घनमीटर, मार्फतिग रिजर्व 20,773 घनमीटर एवं रिक्लॉरेबल रिजर्व 19,734 घनमीटर है। लौज क्षेत्र को भीतर चिन्हनी स्थापित है, जिसका क्षेत्रफल 1,800 वर्गमीटर है। खदान की समाप्ति आयु 21 वर्ष है।
- एक लाला इंट निर्माण हेतु 10 टन कोयले की आवश्यकता होती है इस प्रकार से 10 लाला इंट बनाने के लिए 100 टन कोयले की आवश्यकता होगी कोयला लारपोलिन शीट से कबड्डी टूको के द्वारा एस इं जी एल कोरबा या लौकल विलासपुर के बैठक से खारीदी जाती है कोयले की लारपोलिन शीट से ढक कर लौज सीमा के अंदर रखा जाता है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा भविष्य में पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त किये दिना उत्त्खनन नहीं करने एवं समता से अधिक उत्त्खनन नहीं करने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवेदित क्षेत्र में स्थित 16 नग यूक्ति जी प्रजातियों की जानकारी प्रस्तुत किये जाने साथ उक्त यूक्ति की आवश्यकता पढ़ने पर कटाई सक्षम प्राधिकारी से अनुमति उपरान्त ही बनने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया नहीं गया है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा सी.इ.आर. के अंतर्गत किये जाने वाले वृक्षाशोध का 5 वर्षों तक रख-रखाय किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

9. ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले कौयले एवं पत्ताई ऐश के उचित रथा-रखाव के लिये टिन शीढ़ का उपयोग किये जाने को संबंध में शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
10. ईट को पकाने को लिए ईट भट्टे में केवल जिन-जीन सकनीक या बटिकल शीष्ठल तकनीक या उपयोग किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
11. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से पश्चिमित्र डस्ट उत्सर्जन होगा, उन स्थलों पर नियमित जल प्रभावकारी व्यवस्था की व्यवस्था किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. गाईनिंग लीज होत्र के अंदर सधन वृक्षाशोषण किये जाने एवं रोपित पौधों का सरकाईवास रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत तुनिशियत किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कन्सेंशन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बाटपानी पिल्लसी द्वारा सीमावन का कार्य तुनिशियत किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों को तहत सीमावन बनाकर खदान की सीमा क्षेत्र में नियमानुसार स्तंभ रखापित किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रपाह प्राकृतिक जल स्वातंत्र्य, तालाब, पौखर, नहर, नदी एवं अन्य जल निकायी में नहीं किये जाने एवं इसके संबंध एवं संबंधन किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्जीवन नीति के तहत स्थानीय लोगों को रोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. स्थानीय लोगों को एवं निकटस्थ आवादी क्षेत्रों के निवासियों को रोजगार में प्राप्तिकर्ता के आवाद पर नियोजित किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
18. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से सत्यापित शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विस्तृत भारत सरकार, पर्यावरण, उन और जलवायु परिवर्तन भंडालय की अधिसूचना का अ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके द्वारा राज्य सरकार पर्यावरण इमारत आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा निहित किये गए पाती का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने की विषय में वह विविक्त ईमानिक एवं दण्डात्मक कार्यवाही रखेंगे।
20. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके द्वारा राज्य सरकार पर्यावरण इमारत आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा निहित किये गए पाती का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने की विषय में वह विविक्त ईमानिक एवं दण्डात्मक कार्यवाही रखेंगे।

21. भविष्य में पर्यावरण स्वीकृति शर्ती के उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर जो भी कार्यवाही होगी वह उन्हें मान्य होगी तथा उनके द्वारा भविष्य में पर्यावरण नियमों एवं शर्ती का पालन किया जाएगा इस संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।
22. इट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले ईधन (कोशला) को रजिस्टर्ड कोल डिपो या कोल मार्फेन से खारीदे जाने वाले शब्द सापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
27. इट निर्माण में अनुमोदित ईधन (कोशला, बूढ़ि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने तथा खतरनाक अपशिष्ट लैने टायर/प्लास्टिक, पेटकोक आदि का उपयोग नहीं किये जाने वाले शब्द सापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
23. उत्तरार्जन के निगरानी के लिए केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित भाष्यदण्डी/संपरेखा अनुसार ईट भट्टे में स्थाई सुविधा (सोर्ट होल्ड एवं प्लेटफॉर्म) का निर्माण किये जाने वाले शब्द सापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
28. ईट भट्टे से निकलने वाले राख का उपयोग इसी परिसर में पुनः कच्चे ईट निर्माण में किये जाने वाले शब्द सापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
24. कच्चे माल/ईट परिवहन के दीरान वाहनों को ढके कर रखे जाने वाले शब्द सापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
25. समिति या भत है कि सी.ई.आर. एवं दृक्षारोपण कार्य के मॉनिटरिंग एवं पर्यावरण हेतु डि-पक्षीय समिति (प्रोपराइटर/प्रतिनिधि, घाम पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छल्लीसगढ़ पर्यावरण संचयन मण्डल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सी.ई.आर. एवं दृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत गठित डि-पक्षीय समिति से संतायापित वाराया जाना आवश्यक है।
26. माननीय एन.जी.टी. शिरिपल चेच, नई दिल्ली द्वारा सर्वोदय पार्केट विलद्व भारत सरकार, पर्यावरण, यन और जलवायु परिवर्तन बनाताय, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरिजनल एप्लिकेशन नं. 186 ओफ 2018 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को पारित आदेश ने मुख्य रूप से निम्नानुसार निर्देशित किया गया है:-
- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha. falling under category B-2 as per with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.
- समिति द्वारा विचार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया:-
- छद्दान की सीमा से 500 मीटर की परिधि में खीकूत/संचालित छद्दानों का कुल क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर या उससे कम होने के उत्तरण यह छद्दान बी-2 श्रेणी की मानी गयी।
 - परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवेदित क्षेत्र में विधि 16 नम यूक्ति की प्रजातियों की जानकारी प्रस्तुत किये जाने साथ उक्त यूक्ति की आवश्यकता पड़ने पर कटाई सहन

प्राधिकारी से अनुमति उपरान्त ही करने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।

3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले कोयले एवं फ्लाई एश के उपयोग रख-रखाय के लिये टिन शेव का उपयोग किया जाएगा। एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।
4. ईट को पकने के लिए ईट बट्टे में केवल चिंग-दीग तकनीक या बर्टिकल शौष्ठि तकनीक का उपयोग किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।
5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उन्हें भविष्य में पर्यावरण स्थीकृति शर्तों के उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर जो भी कार्रवाही होगी वह उन्हें मान्य होगी तथा उनके द्वारा भविष्य में पर्यावरण नियमों एवं शर्तों का पालन किया जाएगा। जानकारी प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।
6. ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले ईथन (कोयला) को रजिस्टर कोल हिपो या कोल माईन से खीरीदे जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।
7. ईट निर्माण में अनुमोदित ईधन (कोयला, कुपि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने तथा अतिराक अपशिष्ट जैसे टायर/प्लास्टिक, पेंटकोल आदि का उपयोग नहीं किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।
8. उत्तरांग के निगरानी के लिए केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदण्डों/स्फरेंसा अनुशास ईट बट्टे में स्वाहा सुधिधा (पोर्ट होल्स एवं प्लेटफॉर्म) का निर्माण किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।
9. ईट बट्टे से निकालने वाले राज्य का उपयोग इसी परिसर में पुनः कच्चे ईट निर्माण में किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।
10. कच्चे माल/ईट परियोजना के दौरान वाहनों को ढक कर रखे जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने की शर्त के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशर्त अनुशंसा की जाती है।

11. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा पूर्व में जारी ईट भट्टे एवं मिट्टी उत्खनन हेतु जल एवं गायु संचालन समिति की प्रति एसईआईएए. छत्तीसगढ़ ने आवश्यक रूप से प्रस्तुत करने वाली की अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति की सशात् अनुशासा की जाती है।

12. आवेदक – मेसर्स इयाम कुमार प्रसापति शिक्षा (प्रो- श्री इयाम कुमार प्रजापति) को गाम-लोरगी, लहरील-लौरनी, जिला-मुगेली के खदान क्रमांक 5/2 एवं 6/7 में स्थित मिट्टी उत्खनन (गौण खनिज) खदान, कुल क्षेत्रफल-1.532 हेक्टेयर, क्षमता-21,000 घनमीटर (ईट उत्खनन हक्काई 10,00,000 नग) प्रतिवर्ष हेतु परिशिष्ट-01 में वर्णित जलों के अधीन पर्यावरणीय स्थीकृति दिए जाने की अनुशासा की गई।

राज्य उत्तर पर्यावरण समाधान निधीरण प्राधिकारण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ को तदानुसार सूचित किया गया।

2. मेसर्स भितधरा आडिनरी स्टोन माईन फौर मेकिंग मिट्टी (प्रो- श्री गजेन्द्र जैन), गाम-भितधरा, लहरील-बगीचा, जिला-जसापुर (साधिकालय का नस्ती क्रमांक 1715) और नलाईन आवेदन – प्रपोजल नम्बर – एसआईए /सीजी /एमआईएन / 217297 /2021, दिनांक 29 / 06 / 2021।

प्रस्ताव का विवरण – यह प्रस्तावित साधारण पत्थर (गौण खनिज) खदान है। खदान गाम-भितधरा, लहरील-बगीचा, जिला-जसापुर स्थित खस्ता क्रमांक 307 / 1, कुल क्षेत्रफल-0.75 हेक्टेयर है। खदान की आवेदित उत्खनन क्षमता-34,468.2 टन (13,257 घनमीटर) प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक वो एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन एवं ई-मेल दिनांक 26 / 07 / 2021 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठकों का विवरण –

(अ) समिति की 382वीं बैठक दिनांक 30 / 07 / 2021:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री ब्रह्मानन्द शर्मा, अधिकृत प्रतिनिधि विदेशी कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपरिथत हुए। समिति द्वारा नस्ती प्रस्तुत जानकारी का अबलोकन एवं परीक्षण करने पर गिर्म स्थिति घास गई।

- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति संबंधी विवरण— इस खदान को पूर्व में पर्यावरणीय स्थीकृति जारी नहीं की गई है।
- गाम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन के संबंध में गाम पंचायत भितधरा का दिनांक 18 / 06 / 2020 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
- उत्खनन योजना — क्षारी प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो उप संचालक (ए.प.), जिला-रायगढ़ के ज्ञापन क्रमांक का /975, ख.लि-2 / 2021 रायगढ़, दिनांक 03 / 06 / 2021 द्वारा अनुमोदित है।

4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान – कार्यालय कलेक्टर (खानिज शाखा), जिला-जशपुर के ज्ञापन क्रमांक/57/खा.शा./2021 जशपुर, दिनांक 14/06/2021 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की भीतर 3 खदानों को ब्रेकफल 4 हेक्टेयर होना चाहया गया है, जिसमें केवल विचाराधीन खदान के लीज सीमा से 500 मीटर की परिधि में अवस्थित खदानों का विवरण दिया गया है। उक्त प्रमाण पत्र से यह स्पष्ट नहीं हो रहा है कि उक्त खदानों के 500 मीटर की भीतर अन्य खदान हैं अथवा नहीं? इआईए नोटिफिकेशन, 2006 (यथा संशोधित) में परिभाषित कलस्टर अनुसार “कोई कलस्टर उस समय बनाया जाएगा, जब एक लीज को परिसरों के बीच दूरी उस सदृश खानिज क्षेत्र में अन्य पट्टे को परिसर से 500 मीटर से कम है।” अर्थात् कलस्टर हेतु होनीजिनियस मिनरल क्षेत्र में विचाराधीन खदान के लीज सीमा से 500 मीटर की भीतर आने याले रामी खदानों को शामिल करते हुए तथा इस प्रकार शामिल खदानों के लीज सीमा के 500 मीटर की भीतर आने याले अन्य सभी खदानों को (कलस्टर में खदानों को यही तक शामिल किया जाए, जहाँ तक 500 मीटर की दूरी में कोई खदान अवस्थित न हो) शामिल किया जाना चाहिए।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाएँ – कार्यालय कलेक्टर (जनि शाखा), जिला-जशपुर के ज्ञापन क्रमांक/58/खा.शा./2021 जशपुर, दिनांक 14/06/2021 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे महिर, मस्तिष्ठ, मरघट, अस्पताल, स्थूल, पुल, बांध, राष्ट्रीय राजमार्ग, राजमार्ग, एनीकट एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिबंधित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं।
6. भूमि एवं एलओआई संबंधी विवरण – यह जासक्तीय भूमि है। एलओआई कलेक्टर, जिला-जशपुर के ज्ञापन क्रमांक 435/खा.शा./2021 जशपुर, दिनांक 10/02/2021 द्वारा जारी की गई, जिसकी वैधता जारी दिनांक से 2 वर्ष की अवधि तक है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) यी प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. घन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय उनमण्डलाधिकारी, जशपुर उनमण्डल, जिला-जशपुर के ज्ञापन क्रमांक/मार्गि/2021/260 जशपुर, दिनांक 23/01/2021 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
9. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – मिलाउराम आबादी ग्राम-भिलधरा 1 कि.मी., सकूल ग्राम-भिलधरा 1 कि.मी. एवं अस्पताल बगीचा 9 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 25.5 कि.मी. एवं राजमार्ग 32.5 कि.मी. दूर है। ढोरकी नदी 1.25 कि.मी. दूर है।
10. पारिस्थितिकीय/जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अतराज्जीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, जम्यारच्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित क्रिटिकली पॉल्यूटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
11. स्थनन संधदा एवं स्थनन का विवरण – जियोलॉजिकल रिजर्व 2,04,750 टन, माईनेबल रिजर्व 68,936 टन एवं रिकार्बरेबल रिजर्व 62,042 टन हैं। लीज की 7.5

मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्तरनन के लिए प्रतिवर्षित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 2,625 वर्गमीटर है। ओपन कार्स रोमी मेकेनाइज्ड विधि से उत्तरनन किया जाएगा। उत्तरनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 10.5 मीटर है। लीज क्षेत्र में ऊपरी मिट्टी की भूमिका 0.5 मीटर है। इस मिट्टी की सीमा पट्टी (7.5 मीटर) में फैलाकर बृक्षाशोषण के लिए उपयोग किया जाएगा। बैच की ऊंचाई 1.5 मीटर एवं छोड़ाई 2 मीटर है। खदान की संभावित आयु 2 वर्ष है। लीज क्षेत्र में हाइट रखापित किया जाना प्रस्तावित नहीं है। जैक हेमर से हिस्सिंग एवं कंट्रोल ब्लास्टिंग किया जाएगा। खदान में यायु इन्दूषण नियंत्रण हेतु जल का छिड़काव जाएगा। वर्षावार प्रस्तावित उत्तरनन का विवरण निम्नानुसार है:-

| वर्ष | प्रस्तावित उत्तरनन (टन) |
|---------|-------------------------|
| प्रथम | 34,466 |
| द्वितीय | 34,466 |

नोट: तालिका में दशमलव के बाद के अंकों को शारण्हजारी किया गया है।

12. जल आपूर्ति - परियोजना हेतु आवश्यक जल की आवा 2.5 घनमीटर प्रतिदिन होगी। खदान ने विधिन क्रियाकलापों (जल छिड़काव, बृक्षाशोषण) हेतु जल की आपूर्ति आसपास स्थित मिथिय खदानों में एकत्रित जल एवं पैदल जल की आपूर्ति टैकर हारा राम पंचायत के नाम्यम से की जाएगी। इस बाबत ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पड़ प्रस्तुत किया जाए।
13. बृक्षाशोषण कार्य - लीज क्षेत्र की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी एवं पहुंच मार्ग में 600 नग बृक्षाशोषण किया जाएगा।
14. खदान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्तरनन - लीज क्षेत्र की चारों ओर 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्तरनन कार्य नहीं किया गया है।
15. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) - परियोजना प्रस्तावक हारा सी.ई.आर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के समल विस्तार से चारों उपरांत निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|---|--|---|---|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| Following activities at Government Middle School, Village - Bhitghara | | | | |
| 40 | 2% | 0.80 | Rain Water Harvesting System | 0.60 |
| | | | Running water facility for flushing and washing | 0.20 |

| | | Toilets | |
|--|-------|---------|--|
| | Total | 0.00 | |

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से गिम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. माईनिंग विभाग से कलस्टर क्षेत्र में 500 मीटर के भीतर अवस्थित अन्य खदानों की जानकारी उपरोक्त प्रस्तुत किये जाने के लिए निर्देशित किया जाए।
2. लौज सीमा से निकटतम घन क्षेत्र एवं बादलखोल अभ्यारण की वास्तविक दूरी संबंधी जानकारी हेतु घन विभाग से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की अद्यतन प्रति प्रस्तुत किया जाए।
3. ऊपरी मिट्टी (Top Soil) की मात्रा एवं चमके भंडारण की उपयुक्त व्यवस्था को समाहित करते हुए संशोधित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाए।
4. जल आपूर्ति हेतु याम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।
5. उपरोक्त समस्त पूर्ण जानकारी / दस्तावेज प्रस्तुत किये जाने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी।

तदानुसार एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ की 382वीं बैठक दिनांक 30/07/2021 के परिपेक्ष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक 16/08/2021 को प्रस्तुत किया गया है।

(ब) समिति की 385वीं बैठक दिनांक 31/08/2021:

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिध्दि पाइ गई—

1. कार्यालय कस्टकटर (खनिज शास्त्र), जिला-जशपुर के झापन क्रमांक 171/ख.सा. /2021 जशपुर, दिनांक 02/08/2021 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित 3 खदान, क्षेत्रफल 4 हेक्टेयर हैं।
2. कार्यालय बनमण्डलाधिकारी, जशपुर बनमण्डल, जिला-जशपुर के झापन क्रमांक/मा. वि./2021/3173 जशपुर, दिनांक 10/08/2021 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित क्षेत्र की सीमा घन भूमि से 1 किमी. एवं बादलखोल अभ्यारण से 5 किमी. दूर है।
3. लौज क्षेत्र में ऊपरी मिट्टी (Top Soil) की मात्रा 2.437.5 घनमीटर है। ऊपरी मिट्टी (Top Soil) के उपयोग एवं भंडारण की उपयुक्त व्यवस्था को समाहित करते हुए संशोधित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत नहीं किया गया है।
4. परियोजना हेतु खदान में विभिन्न क्रियाकलापों (जल छिड़काव, बृक्षारोपण) हेतु जल की आपूर्ति बोरवेत के माध्यम से की जाएगी। भू-जल वी उपयोगिता हेतु सेन्ट्रल ग्राउण्ड बौटर अध्योरिटी से अनुमति लिया जाना प्रस्तावित है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को ऊपरी मिट्टी (Top Soil) के उपयोग एवं भंडारण की उपयुक्त व्यवस्था को समाहित करते हुए संशोधित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया जाए।

तदानुसार एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 27/09/2021 के परिणेत्र में परियोजना प्रस्तावक द्वारा जानकारी/दस्तावेज दिनांक 17/11/2021 को प्रस्तुत किया गया है।

नवीन गठित राज्य रत्तीय विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति, छत्तीसगढ़ के आदेशानुसार, परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 06/01/2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(स) समिति की 393वीं बैठक दिनांक 11/01/2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी गजेन्द्र जैन, प्रोप्राइटर उपरिषित हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाई गई:-

1. रिवाईज़ल कारी प्रान प्रस्तुत किया गया है, जो उप संचालक (अ.प.), जिला-रायगढ़ के पृ. ज्ञापन क्रमांक 2240ए/ख.लि.-2/2021 रायगढ़, दिनांक 08/11/2021 द्वारा अनुमोदित है, जिसके अनुसार जिपोलीगिकल रिजर्व 2,04,750 टन (78,750 घनमीटर), माईनेबल रिजर्व 58,550 टन (21,750 घनमीटर) एवं रिक्वरेबल रिजर्व 50,895 टन है। ऊपरी मिट्टी (Top Soil) के भूद्वारण की उपगुक्त व्यापकता संबंधी जानकारी प्रस्तुत की गई है जिसके अनुसार लीज क्षेत्र में ऊपरी मिट्टी की मीट्री 0.6 मीटर है तथा कुल मात्रा 2,056 घनमीटर है। उक्त कफरी मिट्टी को लीज क्षेत्र के परिचमी दिशा के 665 घर्गमीटर क्षेत्र में एवं उत्तरी दिशा के 100 घर्गमीटर क्षेत्र में 268 मीटर की ऊंचाई तक संरक्षित करे रखा जाएगा।
2. समिति के संझान में यह तथ्य आया कि परियोजना प्रस्तावक की हीज़ शेत्र का विनांकन एवं सीमांकन कराकर खनिज विभाग से प्रभाण पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. समिति द्वारा यह भी निर्देशित किया गया कि रिक्वरेबल रिजर्व के अनुसार ही उत्खनन कार्य करने हेतु नोटरी से सत्यापित कराकर राष्ट्रीय पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. ऊपरी मिट्टी कर्जारवेशन प्रान को परियोजना लागत में समिलित कर कुल परियोजना व्यय प्रस्तुत किया जाए।
2. लीज क्षेत्र का विनांकन एवं सीमांकन कराकर खनिज विभाग से प्रभाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।
3. रिक्वरेबल रिजर्व के अनुसार ही उत्खनन कार्य करने हेतु नोटरी से सत्यापित कराकर राष्ट्रीय पत्र प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 17/10/2024 को प्रस्तुत किया गया है। एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ को एजेण्ट पत्र दिनांक 28/02/2025 को नायम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(द) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाई गई:-

- खादान रो निकलने वाली कृषकी मिट्टी की मात्रा 2055 घनमीटर है। उक्त कृषकी मिट्टी को लीज क्षेत्र के पश्चिमी दिशा के 665 घरमीटर क्षेत्र में एवं उत्तरी दिशा में 100 घरमीटर क्षेत्र में 1 मीटर की ऊचाई एवं 28 डिग्री स्लोप में ढम्प किया जायेगा। इस 1290 घनमीटर कृषकी मिट्टी को लीज क्षेत्र के बाहर सहमति प्राप्त भूमि खासरा क्रमांक 848/3 रक्का 6070 घरमीटर में 1 मीटर की ऊचाई एवं 28 डिग्री में ढम्प किया जायेगा।
- म्यावालय नायब तहसीलदार, बगीचा, जिला—जशपुर के आपन क्रमांक 420/वाचक/2024 बगीचा दिनांक 10/10/2024 द्वारा लीज क्षेत्र का छिन्हांकन एवं सीमांकन बाबत प्रस्तुत किया गया है।
- रियलरेल रिजर्व के अनुसार ही उत्कर्ष कार्य करने हेतु नौटरी से सत्यापित करकर शापथ पत्र प्रस्तुत किया गया है।
- एलओआई, कलोकटर, जिला—जशपुर के आपन क्रमांक 435/स्था./2021 जशपुर, दिनांक 10/02/2021 द्वारा जारी की गई, जिसकी वैधता जारी दिनांक से 2 वर्ष की तक वैध थी। अतः एलओआई, की वैधता वृद्धि समाप्त हो गई है।

समिति द्वारा विचार गिरफ्त उपरात सर्वसम्मति से गिरानुसार निर्णय लिया गया—

- एलओआई की वैधता वृद्धि समझा जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
- आयेदित क्षेत्र से निकटतम राष्ट्रीय खादान, बन्धजीव अभ्यारण्य तथा धीरित धीर विधित क्षेत्र की दूरी बाबत जानकारी, संबंधित गत विवाह से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाइट जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने तुरंत डागारी कार्यकारी त्रै जाएगी। परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सुचित किया जाए।

- मेसरो ओके लिकर एण्ड ट्रान्सपोर्ट (प्रो.— श्री यतीन्द्र कुमार खन्ना), ग्राम—तुलसाधाट, तहसील—लोरमी, जिला—मुगेली (संविधालय का नस्ती क्रमांक 2379) ऑनलाईन आयेदन — प्रधानमन्त्री — एसआईए/ सीजी/ एमआईएन/ 425-143/2023, दिनांक 10/04/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति हेतु आयेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संचालित मिट्टी उत्खनन (ग्रीन खनिज) खदान है। खदान ग्राम—तुलसाधाट, तहसील—लोरमी, जिला—मुगेली स्थित खासरा क्रमांक 61/1/अ कूल क्षेत्रफल—2.31 में है। खदान की आयेदित मिट्टी उत्खनन क्षमता—1,500 घनमीटर (15,00,000 बिल्स) प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के आपन दिनांक 18/05/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

बैठक का विवरण —

- समिति की 466वीं बैठक दिनांक 23/05/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी जारीन्द कुमार खानी, प्रोफराईटर उपस्थित हूए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत प्रानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाई गई—

१. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—

- i. पूर्व में निटटी उत्खनन (गोप खनिज) खदान स्थान क्रमांक ६१/१/अ, कुल क्षेत्रफल—२.३१ हेक्टेयर, क्षमता—१,५०० घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जिला सचिव पर्यावरण समाधान निवारण प्राधिकरण, जिला—मुगेली द्वारा दिनांक २२/०१/२०१८ को जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से ५ वर्ष अर्थात् दिनांक २१/०१/२०२३ तक की अवधि हेतु जारी की गई थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवाया परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक १८/०१/२०२१ अनुसार—

'9A. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid.'

उपरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक २१/०१/२०२४ तक यैष होगी।

- ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के जाती के पालन में की गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई है।
- iii. निचीरित शतांशुसार वृक्षारोपण नहीं किया गया है।
- iv. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मुगेली के ज्ञापन क्रमांक ३४७ / खालि—२ त.प. / २०२३ मुगेली, दिनांक २१/०३/२०२३ द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार विवरण यथा में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है—

| वर्ष | उत्पादन (घनमीटर) |
|-----------------------------|------------------|
| ०६/०४/२०१८ से ३१/०३/२०१९ तक | ८२८ |
| २०१९—२०२० | १,३९६ |
| २०२०—२०२१ | १,४३९.२ |
| २०२१—२०२२ | १,३८३ |
| २०२२—२०२३ | ७६६ |

समिति का नत है कि दिनांक ३१/०३/२०२३ के उपरांत किए गए उत्खनन की वास्तविक मात्रा की अद्यतन जानकारी खनिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाना अवश्यक है।

2. शाम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन के संबंध में शाम पंचायत बुधवार का दिनांक ०४/०३/२०१७ का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

3. उत्थनन योजना – कार्यालय प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो उप-लंगालक (खनि प्रशासन) कार्यालय कलेक्टर जिला-बलीदाबाजार-भाटापारा के द्वापन क्रमांक 1108/ख.लि/तीन-1/2017 बलीदाबाजार, दिनांक 13/10/2017 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान – कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मुंगेली के द्वापन क्रमांक 365/ख.लि-02/2023 मुंगेली, दिनांक 21/03/2023 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर के भीतर उचित अवधि खदानों की संख्या निम्नके हैं।
5. 200 मीटर की परिधि ने स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/हारचनाएँ – कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मुंगेली के द्वापन क्रमांक 348/ख.लि-02/2023 मुंगेली, दिनांक 21/03/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे मंदिर, मरिजद, मरघट, पुल, रेल लाइन, अस्पताल, स्कूल, एनोकट एवं बाघ आदि प्रतिबन्धित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं। नदी लगभग 83 मीटर दूर है।
6. लीज का विवरण – लीज श्री यतीन्द्र कुमार खानी के नाम पर है। लीज श्रीड 30 वर्षों अन्तर दिनांक 06/04/2018 से 06/04/2048 तक वी अवधि हेतु वैध है।
7. मू-स्वामित्व – मृगी श्री औकार खानी के नाम पर है। उत्थनन हेतु मृगी स्वामी का सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है।
8. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – कर्व 2010 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
9. बन विभाग बन अनापत्ति प्रमाण पत्र – प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक हास्त चढ़ाया गया कि लीज सीमा से निकटतम बन होते की यास्तविक दूरी को संबंध में बन विभाग में आवेदन किया गया है, जो प्रक्रियाधीन है। समिति का नस्त है कि लीज सीमा से निकटतम बन होते की यास्तविक दूरी को संबंध में बन विभाग से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
10. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटतम आवादी गाम-लोरमी 1 किमी, स्कूल गाम-लोरमी 1.5 किमी, एवं अस्पताल लोरमी 1 किमी, जी दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 59 किमी, एवं राज्यमार्ग 1 किमी, दूर है। मणियारी नदी 136 मीटर दूर है।
11. पारिस्थितिकीय/जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्राजनीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड द्वारा घोषित क्रिटिकली पॉल्युलेट एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
12. खनन संपदा एवं खनन का विवरण – जियोलॉजिकल रिजर्व 46,200 घनमीटर, माझनेवल रिजर्व 41,318 घनमीटर है। लीज की 1 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्थनन के लिए प्रतिबन्धित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 701 वर्गमीटर है। ओपन कास्ट मैनुअल विधि से उत्थनन किया जाता है। उत्थनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 2 मीटर है। चौथ की ऊंचाई 1 मीटर एवं चौड़ाई 1 मीटर है। लीज क्षेत्र के भीतर 1,500 वर्गमीटर होते में ईट निर्माण हेतु भठ्ठा स्थापित है। ईट निर्माण हेतु मिट्टी के साथ 50

प्रतिशत पल्टाई ऐसा का संपर्कोग किया जाता है। खादान की समाप्ति आयु 27.5 वर्ष है। एक लाख ईंट निर्माण हेतु 10 टन बलेवले की आवश्यकता होती है। खादान में आयु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का छिक्काव किया जाता है। अनुमोदित क्षारी प्लान अनुसार चर्चावार प्रस्तावित उत्थानन का विवरण निम्नानुसार है:-

| वर्ष | प्रस्तावित उत्थानन (घनमीटर) | वर्ष | प्रस्तावित उत्थानन (घनमीटर) |
|---------|-----------------------------|---------|-----------------------------|
| प्रथम | 1,500 | एष्टम | 1,500 |
| द्वितीय | 1,500 | तेस्तम् | 1,500 |
| तृतीय | 1,500 | अष्टम | 1,500 |
| चतुर्थ | 1,500 | नवम | 1,500 |
| पंचम | 1,500 | दशम | 1,500 |

13. जल आपूर्ति - परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 5 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति गाम पंचायत द्वारा टेकर के माध्यम से किया जाता है। इस बाबत गाम पंचायत का अनावरित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
14. वृक्षारोपण कार्य - लीज शेत की सीमा में बांधी और 1 मीटर की पट्टी में कुल 350 नग वृक्षारोपण किया जाना प्रस्तावित है। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार पौधों को लिए राशि 46,600 रुपये, फैसिंग को लिए राशि 70,200 रुपये, खाद के लिए राशि 2,640 रुपये, सिंचाई एवं रख-रखाव आदि को लिए राशि 2,16,000 रुपये, इस प्रकार युल राशि 3,35,440 रुपये प्रथम वर्ष हेतु एवं रख-रखाव हेतु कुल राशि 8,75,720 रुपये आगामी चार वर्षों हेतु घटकावार बाय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
15. गैर माईनिंग शेत - लीज शेत के भीतर 180 वर्गमीटर शेत को युक्त होने के कारण एवं 60 वर्गमीटर शेत की इलेक्ट्रोक पोल होने के कारण गैर माईनिंग शेत रखा गया है, जिसका उल्लेख अनुमोदित क्षारी प्लान में किया गया है।
16. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) - परियोजना प्रवर्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के अंतर्गत गाम-तुलसाघाट तहसील-लौरमी के जासकीय भूमि में वृक्षारोपण या मित्रवन गार्डन (रक्कूल के किनारे/मुखियाम के किनारे/हालाह के किनारे) के लिए जासकीय भूमि का शेत और खारारा क्रमांक उपलब्ध कराने वाले गाम पंचायत तुलसाघाट को आवेदन किया जाना बताया गया है। समिति का मत है कि सीईआर (Corporate Environment Responsibility) के तहत वृक्षारोपण हेतु गाम पंचायत या साइमित उपरांत भूमि के खारारा क्रमांक एवं रक्कूल का उल्लेख करते हुए जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
17. परियोजना प्रवर्तावक द्वारा खादान के बांधी तरफ 7.5 मीटर बांड्डी छोड़ी गयी है, उस वर फैसिंग कराकर वृक्षारोपण का कार्य कराने तथा लीज शेत की सीमा में बांधी और 7.5 मीटर की पट्टी एवं सीईआर के तहत नियोजित कार्यों की जानकारी जियोटेग (Geotag) फोटोग्राफ्स सहित अर्धवर्षिक रिपोर्ट में समाहित करते हुए प्रस्तुत किये जाने वाले शास्त्रीय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
18. परियोजना प्रवर्तावक द्वारा समिति द्वारा निहित किये गये शाँती का पालन करने वाले शास्त्रीय पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा भविष्य में पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त किये जाने उत्तमन नहीं करने एवं बासता से अधिक उल्लंघन नहीं करने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
20. परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवेदित क्षेत्र में स्थित 16 नग युक्तों की प्रजातियों की जानकारी प्रस्तुत किये जाने साथ उक्त युक्तों की आवश्यकता पड़ने पर कटाई समझ प्राधिकारी से अनुमति उपरान्त ही करने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
21. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर के अंतर्गत किये जाने वाले दृश्योरीपण का 5 वर्षीय तक रख-रखाव किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
22. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि आवेदित लौज क्षेत्र से 800 मीटर की दूरी में चाम/आचारी क्षेत्र एवं 1 किमी की दूरी में लोहे पिण्डी/किल्न स्थापित है अथवा नहीं की जानकारी दी जावेगी।
23. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि ईट नियम से उपयोग किये जाने वाले कोयले एवं पताङे ऐश के उचित रख-रखाव के लिये टिन रोड का उपयोग किया जाएगा।
24. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों को तहत सीमावंत कराकर खदान की सीमा क्षेत्र में नियमानुसार सांग स्थापित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
25. ईट को पकाने के लिए ईट भट्टे में केवल जिग-डीग तकनीक या वर्टिकल शॉपट राकनीक का उपयोग किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
26. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से पहुंचिटिव हस्ट उत्सर्जन होगा, उन स्थलों पर नियमित जल छिड़काव की व्यवस्था किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
27. माईनिंग सीज क्षेत्र को अंदर सम्पन्न दृश्योरीपण किये जाने एवं संप्रित पीढ़ी का सारायाईल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
28. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कन्सेशन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बाह्यकी पिल्लरी द्वारा सीमावंत का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
29. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दृष्टित जल का प्रवाह प्राकृतिक जल रबोत, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
30. उत्तीर्णगढ़ आवश्यक पुनर्वास नीति के तहत स्थानीय लोगों को बोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

31. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से संलग्न पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विलक्ष भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय वर्ती अधिसूचना का अ.आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 को अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लबित नहीं है।
32. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलक्ष इस उदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लबित नहीं है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वेसम्मति से निमानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के अनुरूप निर्धारित शर्तानुसार पृष्ठारोपण इसी मानसून में करते हुए पांचों में संख्याक्रम (Numbering) एवं पौधे के नाम का उल्लेख किया जाकर पौटीयापस सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
2. दिनांक 31/03/2023 के उपरांत किए गए उल्लंघन की वास्तविक मात्रा की अद्यतन जानकारी सुनिज गिराव द्वारा प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
3. लौज सीमा से निकटतम बन होते की वास्तविक दूरी के संबंध में उन घिराव से जारी अनापत्ति प्रभाव पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
4. कलेकटर सुनिज गिराव से 1 कि.मी. की विविध में अन्य कोई लौज/इंट भट्टा संचालित है अथवा नहीं? को संबंध में प्रभाव पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके द्वारा आज्य स्तर पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राप्तिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा निहित किये गए शर्तों का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने की रिक्षति में वह विधिवत वैधानिक एवं दण्डात्मक कार्यवाही स्वीकार करेंगे।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उन्हें भविष्य में पर्यावरण स्वीकृति शर्तों के उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर उसे भी कार्यवाही होगी वह उन्हें मान्य होगी तथा उनके द्वारा अधिकार में पर्यावरण नियमों एवं शर्तों का पालन किया जाएगा।
7. इंट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले इधन (कोयला) को चिरिस्टल बोल डिपो या बोल माईन से खींदे जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. इंट निर्माण में अनुमोदित इधन (कोयला, कृषि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने तथा खतरनाक अपशिष्ट जैसे टायर/प्लास्टिक, पैटकोक आदि का उपयोग नहीं किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. उत्सर्जन के नियमों के लिए केन्द्रीय छद्मवेष नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदण्डों/रूपरेखा अनुसार इंट भट्टे ने रखाई गयी (पोर्ट होल्ड एवं प्लेटफॉर्म) का नियम किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. इंट भट्टे से निकलने वाले तात्काल उपयोग बुझी परिसर में पुनः काढ़ी इंट निर्माण में किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

11. कल्पे माल/ईंट परिवहन के दीर्घन वाहनों को दूक कर रखे जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया।

परिवहनाना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 14/08/2024 को प्रस्तुत किया गया है। एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के एजेंट्स पत्र दिनांक 28/02/2025 के मध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(द) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री यतीन्द्र कुमार खड़ी, प्रोपराइटर उपरिचित हुये। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अद्वाकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाइ गई—

- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीलति के शर्तों के अनुसर निर्धारित शानुसार वृक्षारोपण इसी मानसून में करते हुए पौधों में संख्यांकन (Numbering) एवं पौधे के नाम का उल्लेख किया जाकर कौटीशाप्स सहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
- वायात्य कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मुरोली के ज्ञापन दिनांक 202/ख.सि.-2 छ.प. /2025 मुरोली, दिनांक 05/03/2025 द्वारा जारी प्रभाण पत्र अनुसार विवरण यहाँ में किये गये उल्लेखन की जानकारी निम्नानुसार है—

| दर्दी | उत्पादन (घनमीटर) |
|-----------------------------|------------------|
| 01/04/2023 से 31/03/2024 तक | 60 |
| 01/04/2024 से 30/09/2024 तक | निरक्ष |

- कार्यालय बनमण्डलाधिकारी, मुरोली बनमण्डल जिला-मुरोली के ज्ञापन क्रमांक/मा. पि./62/2024 मुरोली, दिनांक 16/01/2024 से जारी अनापत्ति प्रभाण पत्र अनुसार आवेदित क्षेत्र निकटतम बन क्षेत्र की सीमा से 06 कि.मी. निकटतम बन्ध सीधे अध्यारण्य (अचानकान टाईगर रिजर्व) 07 कि.मी. एवं निकटतम राष्ट्रीय रुद्धान कान्हा-पिसली 110 कि.मी. की दूरी पर है।
- कलेक्टर खनिज शाखा से 1 कि.मी. की परिधि में अन्य क्षेत्र सीज/ईंट भट्टा रोबालित है अथवा नहीं? के संबंध में प्रभाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- राज्य स्तर पर्यावरण प्रभात आकलन प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा निहित किये गए शर्तों का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने की रिपोर्ट में वह विधिवत वैधानिक एवं दण्डात्मक कार्यवाही स्थीकार किया जायेगा इस बाबत् शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- भविष्य में पर्यावरण रवीकृति शर्तों के उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर जो भी कार्यवाही होगी वह उन्हे मान्य होगी तथा उनके द्वारा भविष्य में पर्यावरण विधानी एवं शर्तों का पालन किया जाएगा इस बाबत् शपथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।
- ईंट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले ईंधन (कोयला, लूपि अपरिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने लाया खतरनाक अपरिष्ट जैसे टायर/प्लास्टिक, पेटकोक आदि का उपयोग नहीं किया गया है।
- ईंट निर्माण में अनुमोदित ईंधन (कोयला, लूपि अपरिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने लाया खतरनाक अपरिष्ट जैसे टायर/प्लास्टिक, पेटकोक आदि का उपयोग

नहीं किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।

9. उत्सर्जन के निगरानी के लिए केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड द्वारा निर्धारित नापदण्डों/स्लपरेश्या अनुसार ईट भट्टे में स्थाई सुधिष्ठि (पोर्ट होल्स एवं प्लेटफॉर्म) का निर्माण किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
10. ईट भट्टे से निकलने वाले रास्ते उपर्योग इसी परिसर में पुनः कच्चे ईट निर्माण में किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
11. कच्चे माल/ईट परिवहन के दौरान वाहनों को ढक कर रखे जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा विचार यितरी उपरोक्त सर्वसामूहिक से निर्मानुसार निर्णय लिया गया—

1. सी.ई.आर् (Corporate Environment Responsibility) के तहत वृक्षारोपण हेतु शाम पश्चात्य वन संरक्षण भूमि के छासरा ज़राक एवं रकबा का उल्लेख करते हुए जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
2. कलेक्टर खनिज शाखा से 1 किमी की परिधि में अन्य कोई सौज/ईट भट्टा संचालित है अथवा नहीं? के संबंध में प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
3. राज्य स्तर पर्यावरण प्रभाव आकलन प्रार्थिकरण छल्लीसामग्र द्वारा निर्दिष्ट किये गए शर्तों का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने वाले नियमों में वह विधिवत कैशानिक एवं दण्डात्मक कार्यवाही खीकार किया जाएगा इस वाला शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाए।
4. नविष्य ने पर्यावरण स्वीकृति शर्तों के उल्लंघन का दोषी पारो जाने पर जो भी कार्यवाही होगी वह उन्हें मान्य होगी तथा उनके द्वारा भविष्य में पर्यावरण नियमों एवं शर्तों का पालन किया जाएगा इस वाला शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाए।
5. ईट निर्माण में उपर्योग किये जाने वाले ईंधन (कोयला) को रपिस्टड कोल घिया या कोल माझन से खरीदे जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
6. ईट निर्माण में अनुमोदित ईंधन (कोयला, कूपि अपरिष्ट आदि) का उपर्योग किये जाने तथा खतरनाक अपरिष्ट जैसे टायर/प्लास्टिक, पेटकोक आदि का उपर्योग नहीं किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
7. उत्सर्जन के निगरानी के लिए केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड द्वारा निर्धारित नापदण्डों/स्लपरेश्या अनुसार ईट भट्टे में स्थाई सुधिष्ठि (पोर्ट होल्स एवं प्लेटफॉर्म) का निर्माण किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. ईट भट्टे से निकलने वाले रास्ते उपर्योग इसी परिसर में पुनः कच्चे ईट निर्माण में किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. कच्चे माल/ईट परिवहन के दौरान वाहनों को ढक कर रखे जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।


Mr.


S.R.P.


S.R.P.

NOS
30.

उपरोक्त वाचित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने के उपरांत आगामी कलाईयाही की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सुचित किया जाए।

4. मैसर्स कैशरवानी डिव्स (प्रो.- श्री विनय कैशरवानी), ग्राम-जमुनाही, तहसील-लोरमी, ज़िला-मुंगेली (साधिवालय का नस्ती क्रमांक 2380)

ऑनलाइन आवेदन - प्रपोजल नम्बर - एसआईए/ सीजी/ एमआईएन/ 425146 / 2023, दिनांक 10 / 04 / 2023 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण - यह पूर्व से संधालित मिट्टी उत्थनन (गौण खनिज) खदान है। खदान ग्राम-जमुनाही, तहसील-लोरमी, ज़िला-मुंगेली स्थित रहसरा क्रमांक 49/2, 49/3, 49/5, 47/4 एवं 63/6, जुल हेक्टेयर में है। खदान की आवेदित मिट्टी उत्थनन क्षमता-1,000 घनमीटर (इंट मिलियन हकाई 10,00,000 नग) प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ को इचापन दिनांक 18 / 05 / 2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

बैठक का विवरण -

(अ) समिति की 465वीं बैठक दिनांक 23 / 05 / 2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री विनय कैशरवानी, प्रौपराइटर उपस्थित हुए। समिति द्वारा नवीनी प्रक्रृत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर भिन्न सिध्दि पाई गई-

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण-

1. पूर्व में मिट्टी उत्थनन (गौण खनिज) खदान, रासरा क्रमांक 49/2, 49/3, 49/5, 47/4 एवं 63/6, जुल हेक्टेयर, क्षमता-1,000 घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जिला स्तरीय पर्यावरण समाधान निधीरण प्राधिकरण, ज़िला-मुंगेली द्वारा दिनांक 22 / 01 / 2018 को जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष अवधि दिनांक 21 / 01 / 2023 तक की अवधि हेतु जारी की गई थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई वित्ती द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 18 / 01 / 2021 अनुसार-

"9A. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

लापरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की गैंडला जारी दिनांक से दिनांक 21/01/2024 तक छेद होगी।

- i. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की जानकारी प्रस्तुत की गई है।
- ii. निर्धारित शर्तानुसार घृणारोपण नहीं किया गया है। लमिटि का मत है कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के अनुरूप निर्धारित शर्तानुसार घृणारोपण इसी मानसून में करते हुए पीछे में संख्याक्रम (Numbering) एवं पौधे के नाम का उल्लेख किया जाकर पोटोग्राफ्स सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- iii. कार्यालय कलेक्टर (खनि शाखा), जिला-मुरोली के झापन क्रमांक/349/खलि-2 उ.p./2023 मुरोली, दिनांक 21/03/2023 द्वारा विभिन्न बष्ठों में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है:-

| क्र. | दर्शनार | कुल उत्पादन (घ.मी.) |
|------|-----------------------------|---------------------|
| 1 | 06/04/2018 से 31/03/2019 तक | 560 |
| 2 | 01/04/2019 से 31/03/2020 तक | 920 |
| 3 | 01/04/2020 से 31/03/2021 तक | 960 |
| 4 | 01/04/2021 से 31/03/2022 तक | 672 |
| 5 | 01/04/2022 से 31/03/2023 तक | 768 |

दिनांक 31/03/2023 के पश्चात् किए गए उत्खनन की वास्तविक साचा की अद्यतन जानकारी खनिज विभाग से प्रभागित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन के संबंध में ग्राम पंचायत विधानसभा का दिनांक 22/07/2016 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्खनन योजना — क्षारी प्लान अलॉग विथ रूपारी क्लोजर प्लान एम्ड इन्हायरेंगेट ऐमेजमेट प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो उप-संचालक (खनि प्रशासन) वास्ते कलेक्टर, जिला-बलीदाबाजार-भाटापाला के झापन क्रमांक 1107/ख.लि/ठीन-1/2017 बलीदाबाजार, दिनांक 13/10/2017 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मुरोली के झापन क्रमांक 381/खलि-02/2023 मुरोली, दिनांक 21/03/2023 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की भीतर अवस्थित अन्य खदानों की संख्या निर्दित है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाएँ — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मुरोली के झापन क्रमांक 350/खलि-02/2023 मुरोली, दिनांक 21/03/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे मदिर, मसिजद, मरम्पट, पुल, रेल लाईन, अस्पताल, एनीफाट एवं बांध आदि प्रतिवर्षित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं। नदी खदान से 80 मीटर एवं सकूल 126 मीटर दूर हैं।

6. लीज का विवरण— लीज मेसर्सी कंशरवानी लिक्स प्री.— श्री विनय कंशरवानी के नाम पर है। लीज लीक 30 वर्षी अर्थात् दिनांक 06/04/2018 से 05/04/2048 तक की अवधि हेतु बैच है।
7. भू-स्वामित्व — भूमि खसरा क्रमांक 49/2, 49/3, 49/5 एवं 63/6 श्री विनय कुमार के नाम पर तथा खसरा क्रमांक 47/4 श्रीमती जानकी चाई के नाम पर है। उत्थनन हेतु भूमि स्वामी के सहमति पत्र द्वारा प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट — वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
9. बन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र — कार्यालय बनमंडलाधिकारी, मुगेली बनमंडल, जिला—मुगेली के जापन छामोक/राजस्व/613 मुगेली, दिनांक 07/03/2014 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
10. नहत्खपूर्य संरचनाओं की दृशी — निकटतम आबादी ग्राम—लोरमी 7 किमी., रकूल ग्राम—लोरमी 7 किमी. एवं अस्पताल लोरमी 7 किमी. की दृशी पर रिष्ट है। राष्ट्रीय राजमार्ग 60 किमी. एवं राजमार्ग 7 किमी. दूर है। नगियारी नदी 100 मीटर दूर है।
11. पारिस्थितिकीय/जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र — परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 किमी. की परिधि में अंतर्राज्यीय सीमा, राष्ट्रीय उद्धान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित किटिकली पॉल्यूटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र रिष्ट नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
12. खनन संपदा एवं खनन का विवरण — जियोलॉजिकल रिजर्व 26,000 घनमीटर, गाइनेकल रिजर्व 23,374 घनमीटर है। लीज की 1 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्थनन के लिए प्रतिशेषित क्षेत्र) पर क्षेत्रफल 643 वर्गमीटर है। ओपन बास्ट मैनुअल विहि रो उत्थनन किया जाता है। उत्थनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 2 मीटर है। देश की ऊंचाई 1 मीटर एवं चौड़ाई 1 मीटर है। लीज क्षेत्र के भीतर विभिन्न रथायित हैं, जिरका क्षेत्रफल 500 वर्गमीटर है। इंट निर्माण हेतु मिट्टी की साप्त 50 प्रतिशत पलाई ऐसा का उपयोग किया जाता है। खदान की संमावित आयु 23.37 वर्ष है। एक लाख इंट निर्माण हेतु 10 हेक्टेयरों की आवश्यकता होती है। खदान ने वामु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का छिनकाव किया जाता है। अनुमोदित कार्राई प्लान अनुसार वर्षवार प्रस्तावित उत्थनन का विवरण निम्नानुसार है—

| वर्ष | प्रस्तावित उत्थनन (घनमीटर) | वर्ष | प्रस्तावित उत्थनन (घनमीटर) |
|---------|----------------------------|-------|----------------------------|
| प्रथम | 1,000 | षष्ठम | 1,000 |
| द्वितीय | 1,000 | सप्तम | 1,000 |
| तृतीय | 1,000 | अष्टम | 1,000 |
| चतुर्थ | 1,000 | नवम | 1,000 |
| पंचम | 1,000 | दशम | 1,000 |

13. जल आपूर्ति — परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 6 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति ग्राम पंचायत द्वारा टैकर के माध्यम से की जाती है। इस बाबत ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
14. वृक्षारोपण कार्य — लीज क्षेत्र की सीमा में बांसों और 1 मीटर की पट्टी में कुल 322 नग वृक्षारोपण किया जाना जाएगा। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार पौधों के लिए राशि

49,472 रुपये, कॉलिंग के लिए राशि 1,50,000 रुपये, खाद के लिए राशि 2,430 रुपये, सिंचाई एवं रख-रखाव आदि के लिए राशि 2,16,000 रुपये, इस प्रकार कुल राशि 4,17,902 रुपये प्रथम वर्ष हेतु एवं रख-रखाव हेतु कुल राशि 8,74,688 रुपये आगामी बार वर्षों हेतु घटकन्वार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

15. गैर माईनिंग क्षेत्र – माईनिंग प्लान अनुसार 120 वर्गमीटर क्षेत्र को ऑफिस एवं 50 वर्गमीटर क्षेत्र को लेबर हाउस हीमे के कारण गैर माईनिंग क्षेत्र रखा गया है। जिसका उल्लेख अनुमोदित क्यामी प्लान में किया गया है।
16. प्रस्तुत माईनिंग प्लान में उल्लेखित अकाश एवं देशांश के आधार पर गृहाल के माध्यम से कैमएल फाइल में टेक्स पाने पर चिमनी भट्टा का आधा भाग लीज क्षेत्र के अंदर एवं आधा भाग लौज क्षेत्र को बाहर रखापित होना पाया गया। जबकि प्रस्तुत माईनिंग प्लान ने ही रिजर्व की गणना, सरफेस प्लान आदि में चिमनी का पूरी भाग लीज क्षेत्र के भीतर रखे जाने का उल्लेख है। समिति का मत है कि चिमनी भट्टा (फिल्स चिमनी) को डिस्मेटल कर लीज क्षेत्र के भीतर 1 मीटर छोड़ी लीजा पट्टी (उत्थान के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र) को छोड़ते हुए चिमनी रखापित किये जाने हेतु रिजर्व की गणना कर संशोधित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

साथ ही अदान से मनियारी नदी 80 मीटर दूर है। समिति का मत है कि नदी से नूनतम 100 मीटर की दूरी रखी जाने हेतु माईनिंग प्लान में नदी की तरफ 20 मीटर लंबाई के क्षेत्र को गैर माईनिंग क्षेत्र रखा जाना आवश्यक है। अतः मनियारी नदी की तरफ को गैर माईनिंग क्षेत्र रखते हुए, रिजर्व की गणना कर संशोधित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

17. कौपीरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environmental Responsibility) हेतु समिति के समक्ष यित्तार से चर्चा चलाई निम्नानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 30 | 2% | 0.60 | Following activities at, Village- Jamunahil | |
| | | | Pavitra Van Nirman | 7.90 |
| | | | Total | 7.90 |

18. सीईआर के अंतर्गत 'खिल उन निर्माण' के तहत (नीम, पीपल, आम, करंज, कढम, जामुन, आबला, अमलताता, बरयद आदि) बृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 405 नग पीढ़ी के लिए राशि 80,780 रुपये, कॉलिंग के लिए राशि 45,300 रुपये, खाद के लिए राशि 3,030 रुपये, सिंचाई एवं रख-रखाव के लिए राशि 2,16,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 3,45,110 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 4,45,664 रुपये हेतु घटकन्वार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया

है। सीईआर के तहत परियोजना का नाम जमुनाही की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 50 के 40 डिसमिल रुकड़ा भूमि में गृहारोपण करने हेतु ग्राम पंचायत द्वारा सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है।

19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर के तहत निर्धारित कार्यों की जानकारी जियोटेग (Geotag) फोटोग्राफ्स सहित अर्धवार्षिक रिपोर्ट में समाहित करते हुए प्रस्तुत किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
20. परियोजना प्रस्तावक द्वारा भविध में पर्यावरणीय रक्षणार्थी प्राप्त किये दिना उत्त्खनन नहीं करने एवं क्षमता से अधिक उत्त्खनन नहीं करने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
21. परियोजना प्रस्तावक द्वारा आवेदित होते हैं तिथि 10 नग यूक्तों की प्रजातियों की जानकारी प्रस्तुत किये जाने वाले शापथ पत्र की आवश्यकता पढ़ने पर कठाई संकाम प्राधिकारी से अनुमति उपरान्त ही करने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
22. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर के अलगत किये जाने वाले शुभोरोपण का 5 वर्षीय तक रख-रखाव किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
23. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि अपेक्षित लौज होते से 800 मीटर की दूरी में ग्राम/आबादी होते एवं 1 किमी की दूरी में कोई चिमनी/फिल्म रखायित ही अवश्य नहीं की जानकारी ही जावेगी।
24. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि इट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले कोयले एवं फलाई एवं उपयोग के लिये इन बोड का उपयोग किया जाएगा।
25. ईट को पकाने के लिए ईट भट्टे में केवल जिग-जैग तकनीक या वर्टिकल रॉफट तकनीक का उपयोग किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
26. परियोजना से जिन-जिन रूपों से फ्युजिटिव डस्ट उत्पादन होगा, उन रूपों पर नियमित जल छिङ्काव की व्यवस्था किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
27. माईनिंग लौज होते के अंदर राघन गृहारोपण किये जाने एवं रोपित पौधों का सरवाईवल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
28. परियोजना प्रस्तावक द्वारा मिनरल्स कन्सेशन नियम (Minerals Concession Rule) के तहत बारुण्डी पिल्सस द्वारा सीमांकन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
29. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत तीमांकन कराकर खदान की सीमा होते हैं नियमानुसार सभी रखायित किये गए वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

30. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दृष्टिकोण का प्रवाह प्राप्ति का अलंकृत, सांख्यिकीय, पौखर, नहर, नदी एवं अन्य जल निष्ठायी में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण एवं संरचना किये जाने बाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
31. उत्तीर्णगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के लहर स्थानीय लोगों को रोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
32. स्थानीय लोगों को एवं निकटस्थ आबादी क्षेत्रों के निवासियों को रोजगार में ज्ञातमिकरण के आधार पर नियोजित किये जाने बाबत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
33. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से संवाधित शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विलक्षण भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना का आ. 804(3), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लेखन का प्रकरण लंबित नहीं है।
34. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलक्षण इस खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देख के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय रीड्यूल्टिक के शर्तों के अनुरूप निर्धारित शारीरिक संरक्षण इसी मानसून में कमते हुए पौधों में संख्यातान (Numbering) एवं पौधों के नाम का उल्लेख किया जाकर फोटोग्राफ्स सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
2. दिनांक 31/03/2023 के पश्चात् किए गए उल्लेखन की पास्तविक मात्रा की अद्यतन जानकारी खनिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत की जाए।
3. प्रस्तुत माईनिंग प्लान में उल्लंघित अकांश एवं देशांश के आधार पर गूगल के माध्यम से के.एम.एल.फैशन में टेक्सी जाने पर विमनी घटटा या आधा भाग लीज क्षेत्र के अंदर एवं आधा भाग लीज क्षेत्र के बाहर स्थापित होना पाया गया। जबकि प्रस्तुत माईनिंग प्लान में ही रिजर्व की गणना सरकेस प्लान आदि ने विमनी या पूर्ण भाग लीज क्षेत्र के भीतर रखे जाने का उल्लंघन है। अतः विमनी भट्टा (फिल्स चिमनी) को डिस्ट्रिक्ट कर लीज क्षेत्र के भीतर 1 मीटर चौड़ी सीला पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिवर्षित क्षेत्र) को छोड़ते हुये विमनी स्थापित किये जाने हेतु रिजर्व की गणना या संशोधित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाए। साथ ही खदान से ननियारी नदी 80 मीटर दूर है। नदी से नूनराम 100 मीटर की दूरी रखे जाने हेतु माईनिंग प्लान में नदी की तरफ 20 मीटर लबाई के क्षेत्र को गैर माईनिंग क्षेत्र रखा जाए। अतः मनियारी नदी की तरफ को गैर माईनिंग क्षेत्र रखते हुए रिजर्व की गणना कर संशोधित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाए।
4. एक लाख इंट विमान हेतु कितने कोयले की आवश्यकता होनी के संबंध में गणना सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए। साथ ही कोयले के परिवहन एवं भण्डारण हेतु की गई आवश्यक व्यवस्था की जानकारी भी प्रस्तुत किया जाए।

5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके द्वारा सभी स्तर पर्यावरण प्रमाण आकलन प्राप्तिकरण छल्लीसगढ़ द्वारा निहित किये गए शाती का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने की स्थिति में वह विधिवत वैधानिक एवं दण्डालयक कार्यवाही स्वीकार बताएगे।
6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उन्हे भविष्य में पर्यावरण स्वीकृति शाती के उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर उसे भी कार्यवाही होगी वह उन्हे मान्य होगी तथा उनके द्वारा भविष्य में पर्यावरण नियमों एवं शाती का पालन किया जाएगा।
7. ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले ईच्छन (कोयला, कूपि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने सभा खसरनाक अपशिष्ट जीरो टायर/स्लास्टिक, पेटबोक आदि का सुपयोग नहीं किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. ईट निर्माण में अनुमोदित इच्छन (कोयला, कूपि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने सभा खसरनाक अपशिष्ट जीरो टायर/स्लास्टिक, पेटबोक आदि का सुपयोग नहीं किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. उल्लंघन के निगरानी के लिए केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड द्वारा नियोजित ग्राफटगड़ी/लपरेखा अनुसार ईट बट्टे में स्थाई सुलिला (पोर्ट होल्स एवं प्लेटफॉर्म) का निर्माण किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. ईट बट्टे से निकलने वाले रख्त का उपयोग इसी परिसर में पुनर्कल्पे ईट निर्माण में किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. कच्चे माल/ईट परिवहन के दोरान बाहनों को डंक कर रखे जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 14/08/2024 को प्रस्तुत किया गया है। एस.ई.ए.सी., छल्लीसगढ़ के एजेंट पत्र दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 564वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(b) समिति की 564वीं बैठक दिनांक 05/03/2025

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री दिनेश केशवरामाणी, प्रोप्राइटर चुपसिप्त हुये। समिति द्वारा नस्ती प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाई गई:-

1. पूर्व में जाती पर्यावरणीय स्वीकृति के शाती के अनुसार नियोजित शातीनुसार युक्तारीपण इसी मानसून में करते हुए पौधों ने संख्यांकन (Numbering) एवं पैले के नाम का उल्लेख किया जाकर फोटोग्राफ्स सहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
2. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मुंगोली के ज्ञापन क्रमांक 201/खालि-2 उ.प. /2025 मुंगोली, दिनांक 05/03/2025 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार यिन तरीकों में किये गये उत्पादन की जानकारी निम्नानुसार है:-

| वर्ष | उत्पादन (धनमीटर) |
|-----------------------------|------------------|
| 01/04/2023 से 31/03/2024 तक | 240 |
| 01/04/2024 से 30/09/2024 तक | निरक |

3. संशोधित माईनिंग इलान प्रस्तुत किया गया है जिसके अनुसार जियोलॉजिकल रिजर्व 26,000 घनमीटर, माईनेशल रिजर्व 18,590 घनमीटर एवं रिकवरेशल रिजर्व 15,761 घनमीटर है। लीज लोअर के भीतर दिमानी स्थापित है, जिसका क्षेत्रफल 1,800 वर्गमीटर है। खदान की सेवाएँ आगे 17 वर्ष हैं।
4. एक लाख ईंट निर्माण हेतु 10 टन कोयले की आवश्यकता होती है इस प्रकार से 10 लाख ईंट बनाने के लिए 100 टन कोयले की आवश्यकता होगी कोयला तारपोलिन हीट से कवर्ड ट्रकों के द्वारा एसडूसीएल कोरबा वा लोकल बिलासपुर के बैंकर से खरीदी जाती है कोयले को तारपोलिन हीट से ढक कर लीज सीमा के अंदर रखा जाता है।
5. राज्य स्तर पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राप्तिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा निहित किये गए शर्तों का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने की स्थिति में यह विविधता वैधानिक एवं दण्डाधारक कार्यवाही स्वीकार करने वाले शापथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।
6. भविधा में पर्यावरण रणनीति शर्तों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने पर जो भी कार्यवाही होगी वह उन्हें मान्य होगी तथा उनके द्वारा भविष्य में पर्यावरण नियमों एवं शर्तों का पालन करने वाले शापथ पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।
7. ईंट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले ईंधन (कोयला) की रजिस्टर्ड कोल लिपो या कोल माईन से खरीदे जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
8. ईंट निर्माण में अनुमोदित ईंधन (कोयला, कृषि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने वाला खतरनाक अपशिष्ट जैसे टायर/प्लास्टिक, पेटकोक आदि का उपयोग नहीं किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
9. उल्लंघन के नियमों के लिए कोन्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण योग्दं द्वारा नियांरित मापदण्डों/रूपरेखा अनुसार ईंट भट्टे में स्थाई सुविधा (पोर्ट होल्स एवं प्लैटफॉर्म) उन निर्माण किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
10. ईंट भट्टे से निकलने वाले रात्य का उपयोग इसी परिवर्त में पुनः काढ़े ईंट निर्माण में किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।
11. कच्चे माल/ईंट परिवहन के दौरान चाहनों की ढक कर रखे जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा विवार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. आवेदित लोअर से निकटतम राष्ट्रीय रुक्तान्, बन्घजीव अभ्यासण्य तथा धोक्षित जैव विविधता लीज की दूरी वाले जानकारी, सबधित बन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जल के निर्गमित मार्ग से डिजिटल बॉटर पलो भीटर स्थापित कर लौग बूक को मैनेन किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।



3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा राज्य स्तर पर्यावरण प्रमाण आकलन प्राप्तिकरण उत्तीर्णगढ़ द्वारा निहित किये गए शर्तों का पालन किया जाएगा एवं ऐसे न किये जाने जी नियमों में वह विधिवत् वैधानिक एवं दण्डात्मक कार्यवाही स्वीकार करेंगे इस आवाय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
4. परियोजना प्रस्तावक द्वारा भविष्य में पर्यावरण स्वीकृति शर्तों के उल्लंघन का दोषी पाये जाने पर जो भी कार्यवाही होगी वह उन्हें मान्य होगी तथा उनको द्वारा भविष्य में पर्यावरण नियमों एवं शर्तों का पालन किया जाएगा। इस आवाय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
5. ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले इंधन (कोयला) को रजिस्टर्ड बोल डिपो या कौल बाइन से खरीदे जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
6. ईट निर्माण में अनुमोदित इंधन (कोयला, कृषि अपशिष्ट आदि) का उपयोग किये जाने तथा खातरनाक अपशिष्ट जैसे टायर/प्लास्टिक, पेटकोक आदि का उपयोग नहीं किये जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
7. उत्तराखण के निगरानी के लिए केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मापदण्डों/फलाईशा अनुसार ईट बट्टे में स्थाई सुविधा (पोर्ट होल्स एवं प्लोटफोर्म) का निर्माण किये जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. ईट बट्टे से निकलने वाले सब्ज का उपयोग इसी परिसर में पुनः कर्वे ईट निर्माण में किये जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. कच्चे माल/ईट/कोयला/फलाईशा परिवहन के दौरान जाहनों को ढंका चार रखे जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. ईट निर्माण में उपयोग किये जाने वाले कोयले एवं पलाई ऐसा के उचित रख-रखाव के लिए टिन शैड का उपयोग किये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. आवेदित खदान में विद्युतान घिननी किट्टन को जिग-जीग पढ़वा ने प्रतिस्थापित किये जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खानिज नियमों के विरुद्ध सीमाकांन काशकर खदान भी सीमा हेत्र में नियमानुसार लूप्त स्थापित किये जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जल के निर्गमित मार्ग में हिमिट्स बीटर पलो बीटर स्थापित कर लौंग बुक को मेन्टेन किये जाने वावत् शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाडित जानकारी/प्रस्तावज प्राप्त होने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए।

5. मेसर्स सिरखोला क्लॉन ब्यासी (प्रो.— श्रीमती चंदकांता मिश्रा), ग्राम—सिरखोला, तहसील—भरतपुर, जिला—कोरिया (वर्तमान में जिला—मनेदगढ़—चिरमिही—भरतपुर) (संचिवालय का नम्रता क्रमांक 2559)

ऑनलाइन आवेदन — प्रपोजल नम्बर — एसआईए/ श्रीजी/ एमआईएन/ 435453/ 2023, दिनांक 06/07/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संबलित पत्तार (ग्रीष्म वर्षानिज) खादान ग्राम—सिरखोला, तहसील—भरतपुर, जिला—कोरिया (वर्तमान में जिला—मनेदगढ़—चिरमिही—भरतपुर) स्थित खासरा क्रमांक 140, कुल क्षेत्रफल—2 हेक्टेयर में है। खादान की आवेदित क्षमता—40,045.2 टन (15,402 घनमीटर) प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.इ.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ड्राफ्ट दिनांक 04/09/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुचित किया गया।

वैठक का विवरण —

(अ) समिति की 486वीं बैठक दिनांक 13/09/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री राजेश कुमार मिश्रा, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अधिलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न लिखित पाइ गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—

i. पूर्व में पत्तार खादान क्षमता 140, कुल क्षेत्रफल—2 हेक्टेयर, क्षमता—15,402 घनमीटर (40,045.2 टन) प्रतिवर्ष हेतु जिला पर्यावरण नामांदाता निर्धारण प्राधिकरण, जिला—कोरिया द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति दिनांक 10/01/2017 को जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष अर्थात् 09/01/2022 तक वैध थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, राज और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 18/01/2021 अनुसार—

"9A. Notwithstanding anything contained in this Notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this Notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना को अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक 09/01/2023 तक वैध थी।

ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति को शर्तों के पालन में की गई कार्रवाही की जानकारी फोटोयाक्स सहित प्रस्तुत ही गई है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत कोशीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त वर्त प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

- iii. निर्माणित शहीनुसार दृक्षारोपण नहीं किया गया है।
- iv. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), ज़िला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिशी—मरतापुर के ड्वारा छापन क्रमांक 119/खनिज/उ.प./2023, एम.सी.बी., दिनांक 13/06/2023 द्वारा विशेष वर्षों में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है:-

| वर्ष | उत्पादन (घनमीटर) |
|---------|------------------|
| 2018–19 | 408.00 |
| 2019–20 | 1020.00 |
| 2020–21 | 268.00 |
| 2021–22 | 25.00 |
| 2022–23 | 26.00 |

समिति का मत है कि वर्ष 2022–23 के उपरांत खदान में उत्खनन का कार्य किया गया है अथवा नहीं? के संबंध में खनिज विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. याम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन के संबंध में याम पंचायत चौटी का दिनांक 10/06/2023 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। समिति द्वारा नोट किया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्तार उत्खनन हेतु याम पंचायत (याम रमा) चौटी की कार्यवाही विवरण, दिनांक की प्रति प्रस्तुत नहीं किया गया है।
3. उत्खनन योजना — योर्सी प्लान एलाग विध क्यारी कलोजर प्लान किंव इन्हारोमेट मेनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो खनि अधिकारी, ज़िला— लौरिया द्वारा अनुमोदित है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत अनुमोदित क्यारी प्लान में जावक क्रमांक एवं दिनांक का उल्लेख नहीं है। अतः अनुमोदित रिवाईज्ड क्यारी प्लान के कहरिग लेटर (जावक क्रमांक एवं दिनांक सहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), ज़िला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिशी—मरतापुर के ड्वापन क्रमांक 118/खनिज/उ.प./2023 एम.सी.बी., दिनांक 13/06/2023 के अनुसार अधेयित खदान से 500 मीटर अवधियत अन्य खदानों की संख्या निम्नक है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाएँ — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), ज़िला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिशी—मरतापुर के ड्वापन क्रमांक 118/खनिज/उ.प./2023 एम.सी.बी. दिनांक 13/06/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे मंदिर, मसिजिद, मरम्बद, पुल, नदी, रेल लाईन, अस्पताल, स्कूल, एनीकट वांछ एवं जल बापूर्ति आदि प्रतिबन्धित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं।
6. भूमि एवं लौज का विवरण — यह शासकीय गृहि है। लौज श्रीमती चंद्रकाला मिश्रा के नाम पर है। लौज खीड़ 10 वर्ष अधीत दिनांक 26/03/2007 से 19/02/2018 तक की अवधि हेतु वैध थी। तत्पश्चात लौज खीड़ 20 वर्षों अधीत दिनांक 20/02/2018 से 25/03/2037 तक की अवधि हेतु विस्तारित की गई है।

7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. यम विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय बनमण्डलाधिकारी, रामगढ़ बनमण्डल, मनेनदगढ़ को इंप्रेन्ट क्रमांक/मा.वि./2005/1529, दिनांक 29/09/2005 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुतीकरण के दौरान के एमएल से अवलोकन करने पर आवेदित होते से यम मूमि की दूरी 620 मीटर है।
9. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटतम आबादी गाम—सिरखोला 400 मीटर, स्थूल निरखोला 1 किमी की दूरी पर स्थित है। शब्दानामी 39 किमी दूर है। बनास नदी 6 किमी, नहर 2 किमी, एवं बटदीन नाला 350 मीटर दूर है।
10. पारिस्थितिकीय/जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्राज्यीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण विवरण बोर्ड द्वारा घोषित किटिकली पॉल्यूटेंड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या प्रोत्तिप्रियवात क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
11. खनन संपदा एवं खनन का विवरण – जियोलोजिकल रिजर्व 6,73,198 टन, नाईनेवल रिजर्व 4,61,611 टन एवं रिक्वरेल रिजर्व 4,15,450 टन है। लीज की 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिवित होते) का क्षेत्रफल 3,679 वर्गमीटर है। ओपन कास्ट रोमी एकेनाइज्ड विधि से उत्खनन किया जाता है। उत्खनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 14 मीटर (7.5 मीटर हिलर्सॉक एवं 6 मीटर गहराई) है। लीज होते में कृषी मिट्टी/ओक्हरबर्नन की मोटाई 0.5 मीटर है। वेता की ऊमाई 1.5 मीटर एवं चौड़ाई 1.5 मीटर है। खदान की संनायित आयु 12 वर्ष है। लीज होते में कृषी रसायित नहीं है एवं इसकी रसायना का प्रस्ताव नहीं किया गया है। जैक हैमर से ड्रिलिंग एवं कंट्रोल ब्लास्टिंग किया जाता है। खदान में पायु प्रदूषण विवरण हेतु जल का छिक्काव किया जाता है। वर्षावार प्रस्तावित उत्खनन का विवरण निम्नानुसार है—

| वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) | वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) |
|---------|------------------------|-------|------------------------|
| प्रथम | 36,014.20 | पाटम | 39,093.60 |
| द्वितीय | 39,000.00 | तीसरम | 39,109.20 |
| तृतीय | 39,046.60 | अष्टम | 39,156.00 |
| चतुर्थ | 39,062.40 | नवम | 39,327.60 |
| पंचम | 39,078.00 | दशम | 40,045.20 |

12. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 10 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति गाम पचायत द्वारा टैक्स के माध्यम से की जाती है। इस बाबत गाम पचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
13. वृक्षारोपण कार्य – प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित खदान पहाड़ी होने की कारण लीज होते में 7.5 मीटर की पट्टी में वृक्षारोपण किया जाना कामघ नहीं है। अतः प्रस्तावित रथल के समीप पूर्व से संचालित खदान श्री दुर्गाशक्ति मिथा (खसरा क्रमांक 121, क्षेत्रफल - 1.3) एवं

परियोजना प्रस्तावक (शीमली घटकाला मिश्र) द्वारा जासकीय भूमि में संयुक्त रूप से कृषारोपण कार्य किया जाने वालत् अनुशेष किया गया है।

समिति का मत है कि कृषारोपण कार्य हेतु प्रस्तावित जासकीय भूमि में पौधों का रोपण, फॉरिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकालाव्य का विवरण विस्तृत प्रस्ताव (छात्रा क्रमांक, दोनोंफल) बाहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

14. खदान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्खनन – प्रस्तुतीकरण के दोरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि लीज लैंड (सातही भूमि) के चारों ओर 7.5 मीटर का कूल लैंडफल 3,677 वर्गमीटर है, जिसमें से कुछ भाग उत्खनित है, जिसका उल्लेख अनुमोदित मार्फनिंग प्लान में किया गया है। प्रतिवर्षित 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में उत्खनन किया जाना पर्यावरणीय स्थीकृति की शर्तों का उल्लंघन है। अतः जीव उपरांत निम्नानुसार आवश्यक कार्यपाली किया जाना आवश्यक है।

15. उल्लेखनीय है कि भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन बजारालय, नई दिल्ली द्वारा नीन कोल मार्फनिंग प्रोजेक्टम हेतु मानक पर्यावरणीय शर्तें जारी की गई हैं। शर्त छमांक VIII (i) के अनुसार—

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

उक्त मानक शर्त के अनुसार मार्फन लीज लैंड के अंदर 7.5 मीटर चौड़ी सेपटी जौन में कृषारोपण किया जाना आवश्यक है।

16. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) — परियोजना प्रस्तावक द्वारा रीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के समक्ष विस्तार से चर्चा उपरांत निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 20 | 2% | 0.4 | Following activities at, Village- Chanti | |
| | | | Pavitra Van Nirman | 2.9875 |
| | | | Total | 2.9875 |

17. रीईआर के अतीत "परिवर्तन निर्णय" के तहत (आपला, बड़ीपल, नीम, आम, आमुन, करंज, सीसू, बोहर, सीतापाल, बेत आदि) कृषारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव

अनुसार 475 नग पीड़ी के लिए राशि 23,750 रुपये, कॉर्सिंग के लिए राशि 40,000 रुपये, खाद के लिए राशि 50,000 रुपये, सिंधाई एवं रख-रखाव के लिए राशि 25,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 1,38,750 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,80,000 रुपये हेतु घटकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। सीईआर के तहत परिव्रज बन हेतु याम पचायत चौटी के तहमारी उपरात खायोग्य रखान (खासरा क्रमांक 136, शेत्रफल 0.19 हेक्टेयर) के सबूत में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

18. संचालित खदान राज्यमार्ग से 39 मीटर दूर है। समिति का मत है कि राज्यमार्ग से खदान की न्यूनतम 100 मीटर की दूरी को गैर माईनिंग बेंज रखते हुए संशोधित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उत्प्रयत्न सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. एकीकृत शेत्रीय कार्यालय भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन नियंत्रण, नवा रायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय रिपोर्ट का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. जारी पर्यावरणीय रिपोर्ट के छाती के अनुसार कि ए गए बृक्षारोपण (पीड़ी में संख्याकान्ति Numbering) एवं नाम, फोटोग्राफ्या तहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
3. वर्ष 2022-23 के उपरात खदान में उत्प्रयत्न का कार्य किया गया है अथवा नहीं? के संबंध में खानिज विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
4. पत्थर उत्खनन हेतु याम पचायत (याम सभा) जनुवा की वार्षिकाही विवरण, दिनांक की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
5. अनुमोदित रिपोर्टपूर्वक व्यारी प्लान के कल्परिंग लेटर (जाइक ग्रामांक एवं दिनांक सहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
6. संचालित खदान राज्यमार्ग से 39 मीटर दूर है। राज्यमार्ग से खदान की न्यूनतम 100 मीटर की दूरी को गैर माईनिंग बेंज रखते हुए संशोधित अनुमोदित माईनिंग प्लान प्रस्तुत किया जाए।
7. ऊपरी मिट्टी/ओर्करबर्डन की मात्रा एवं प्रक्रियन योजना प्रस्तुत किया जाए।
8. बृक्षारोपण कार्य हेतु प्रस्तावित शासकीय नुस्खे में पीड़ी का रोपण, कॉर्सिंग, खाद एवं सिंधाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकवार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव (खासरा क्रमांक, शेत्रफल) सहित प्रस्तुत किया जाए।
9. माईन लैज शेत्र के घारों ओर 7.5 मीटर छोड़ सेपटी जौन के कुछ भाग में किये गये उत्खनन के कारण इस शेत्र के उपचारी उपायों (Remedial Measures) के संबंध में तथा तीज शेत्र के अंदर माईनिंग कियाकरनार्थी के कारण उत्पन्न प्रदूषण नियन्त्रण हेतु आवश्यक उपायों यथा बृक्षारोपण आदि के लिये समूचित उपायों को क्रियान्वित करने साथ संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावही नदन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर (उत्तीर्णसगढ़) को लेख किया जाए।
10. प्रतिनिधित्व 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी में अपेक्षित उत्खनन किया जाना पाये जाने पर परियोजना प्रस्तावक के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म को एवं पर्यावरण को लिये पहुंचाने

हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, नवा रायपुर अटल नगर को नियमानुसार
वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु लेख किया जाए।

11. आवेदित खदान हेतु प्रस्ताव अनुसार राशि का उपयोग करते हुए घटारोपण किया
जाएगा। रीपिट पीघो का 5 वर्ष तक उचित देखभाल व रख-रखाव करते हुए
न्यूनतम 90 प्रतिशत जीवन संरक्षित सुनिश्चित किया जाएगा। इस आशय का शपथ
पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त हो जाने के पश्चात् प्रथम बर्ष के अन्दर सीईआर
प्रपोजल की राशि का प्रस्तावित कार्य में उपयोग करते हुए माननीय समिति के समझ
प्रस्तुत किये गए प्रपोजल में ही खर्च किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized
undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. ब्लास्टिंग का कार्य बी.जी.एम.एस. द्वारा अधिकृत विस्कोटक लाइसेंस वारक
(Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized
undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत् स्थानीय लोगों को रोजगार दिये जाने हेतु
शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
15. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से पर्यावरण डस्ट उत्सर्जन होगा, उन स्थलों पर
नियमित जल छिकाव की व्यवस्था किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized
undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत् बालुष्टी मिलनसे द्वारा सीमावन
का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत
किया जाए।
17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा विसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव जल का प्रवाह प्राप्तिक जल
स्त्रोत, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संबंधित कोई व्यायालयीन प्रकरण देश के
अंतर्गत किसी भी व्यायालय में लंबित नहीं है।
18. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया
जाए कि उनके विलक्ष इस खदान से संबंधित कोई व्यायालयीन प्रकरण देश के
अंतर्गत किसी भी व्यायालय में लंबित नहीं है।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से सत्यापित अंडरटेकिंग
(Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विलक्ष भारत सरकार, पर्यावरण, बन
और जलवायु परिवर्तन बंजारय की अधिसूचना का.अ. 804(अ), दिनांक
14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लंबित नहीं है।
20. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/03/2017 को common cause vs. Union
of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जाएगा।
इस वाले अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
21. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil
No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. ने दिये गये दिशा निर्देशों
का पालन किया जाएगा। इस वाले अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा संपरीक्तानुसार जानकारी दिनांक 01/08/2024 को प्रस्तुत किया गया है। एसईएसी, छत्तीसगढ़ के एजेंट्स पर दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 06/03/2025 को सखा गया है।

(ब) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 06/03/2025:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री राजेश कुमार मिश्रा, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा नसी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाई गई:-

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता के बाबत की जांच में एकीकृत कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन नेत्रालय, नवा सायपुर अटल नगर एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्थाण गड्ढ में आवेदन किया गया है, जो कि अप्राप्त है। भारत सरकार पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन नेत्रालय, नई दिल्ली के ऑफिस मेमोरेंडम दिनांक 08/06/2022 में अमरा विस्तार के प्रकरणों हेतु श्री सी.आर. चौधर्यलक्ष्मा के संबंध में दिशा निर्देश जारी किया गया है। समिति द्वारा पाया गया कि आवेदित प्रकरण अमरा विस्तार का नहीं है। अतः आवेदित प्रकरण हेतु श्री सी.आर. चौधर्यलक्ष्मा नहीं है।
- जारी पर्यावरणीय स्थीरता के बारी के अनुलम्ब किए गए बृहासीपण (पीसी में संख्यांकन (Numbering) एवं नाम) फोटोग्राफ सहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।
- कार्यालय कलेक्टर (खनिज खाद्य), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—भरतपुर के ज्ञापन क्रमांक 674/खा लि-2/2024-25 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 06/08/2024 अनुसार वर्ष 2022-23 के बाद खदान में किसी भी प्रकार का सत्खनन कार्य नहीं किया गया है।
- पर्यवर्तन उत्खनन हेतु याम पंचायत (याम समा) चाटी की कागांवाही विवरण, दिनांक 09/03/2011 की प्रति प्रस्तुत किया गया है।
- मीडिकार्ड बवारी घ्लान एलांग विध बवारी ब्लॉकर घ्लान विध इन्हारोमेट मेनेजमेंट घ्लान प्रस्तुत किया गया है, जो खनि अधिकारी, जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—भरतपुर के ज्ञापन क्रमांक 483/खनिज/उत्खयोअनु/2024-25 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 08/07/2024 द्वारा अनुमोदित है।
- भृशोधित अनुमोदित माईनिंग घ्लान अनुसार जियोलॉजिकल रिजर्व 5,65,070 टन, माईनेबल रिजर्व 1,39,223 टन एवं रिक्वरेबल रिजर्व 1,25,301 टन है। लीज की 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिबंधित छोड़ा) का क्षेत्रफल 2031.88 वर्गमीटर है। खदान की राशियां आयु 05 वर्ष हैं। राशियां से खदान की न्यूनतम 100 मीटर की दूरी हेतु 8495.62 वर्गमीटर क्षेत्र को गैर माईनिंग छोड़ रखा गया है। वर्षदार प्रस्तावित उत्खनन का विवरण निम्नानुसार है—

| वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) |
|---------|------------------------|
| प्रथम | 18,928.61 |
| द्वितीय | 40,045.20 |
| तृतीय | 24,068.91 |
| चतुर्थ | 12,721.13 |
| पचम | 12,721.13 |

7. ऊपरी मिट्टी/ओक्सीजन की मात्रा 1,357.54 मानमीटर है, जिसे 7.5 मीटर की परिधि में प्रस्तुत किया जाना प्रस्तुत किया जाएगा।
8. लीज क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण सीख की सीमा में आठे और 7.5 मीटर की पट्टी के स्थान पर साम पंचायत द्वारा सहमति प्राप्त भूमि (0.37 हेक्टेयर) पर 925 नग यूक्सारोपण किया जाएगा। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार यूक्सारोपण के लिए राशि 92,000 रुपये, खाव के लिए राशि 15,000 रुपये, सिचाई के लिए राशि 15,000 रुपये, कॉसिंग तथा रख-रखाव आदि के लिए राशि 150,000 रुपये तथा अन्य खर्च के लिए राशि 1,11,000 रुपये, इन प्रकार प्रधम बर्ष में कुल राशि 3,83,000 रुपये तथा आगामी 4 बर्ष में कुल राशि 4,94,800 रुपये हेतु घटकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
9. आवेदित स्थान हेतु प्रस्ताव अनुसार राशि का उपयोग करते हुए यूक्सारोपण किया जाएगा। रोपित पैदली का 5 बर्ष तक उपलब्ध देखभाल व रख-रखाव बारते हुए न्यूनतम 90 प्रतिशत जीवन सुनिश्चित सुनिश्चित किया जाएगा। इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त हो जाने के पश्चात् प्रधम बर्ष के अन्दर रीईआर प्रौद्योगिक समिति का प्रस्तावित कार्य में उपयोग करते हुए मानवीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गए प्रौद्योगिक में ही आर्थ किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. ब्लास्टिंग का कार्य डी.जी.एम.एस. द्वारा अधिकृत विस्कोटक लाईसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत् स्थानीय सोनों को रोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से फ्युजिटिव डस्ट उत्पन्न होगा, उन स्थलों पर नियमित जल छिक्काव की व्यवस्था किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत् बाहुण्डी विलास द्वारा सीमाकान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दुष्कृति जल का प्रवाह प्राकृतिक जल स्रोत, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का अडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विकास इस स्थान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है।
17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से सत्यापित अडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विकास भारत सरकार, पर्यावरण, बन

और जलवायु परिवर्तन मन्त्रालय की अधिसूचना का आ 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लबित नहीं है।

18. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन पिला जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
19. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No. 114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विचार विभार्ष उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. आवेदित क्षेत्र से निकटतम राष्ट्रीय खदान बन्धजीव आमयारण्य तथा घोषित जीव विकिप्रता क्षेत्र की दूरी बाबत जानकारी, संबंधित वन विभाग रो अनापलि प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
2. तीज क्षेत्र को चारी ओर 7.5 मीटर की चौड़ी तीव्र पट्टी में किये गये उत्तरान्ति क्षेत्र का पुनर्भव किये जाने हेतु रेस्टोरेशन प्लान प्रस्तुत किया जाए।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा जल के निर्मित मार्ग में डिजिटल बॉटर पत्रों मीटर स्थापित एवं लौग सूक को मेन्टेन किये जाने बाबत शापद्य पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त लिखित जानकारी/दस्तावेज़ प्राप्त होने उपरांत आगामी कार्यवाही की जाएगी। परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए।

6. मेसर्स मरखोही क्रान्ति स्टोन बदारी (प्रो.- श्री दुर्गाशंकर मिश्र), ग्राम-मरखोही, तहसील-भरतपुर, जिला-कोरिया (वर्तमान में जिला-मनेदगढ़-विरभिरी-भरतपुर) (संधिकालय का नस्ती क्रमांक 2558)

ऑनलाईन आवेदन - प्रपोजल नंबर - एसआईए/ सीजी/ एमआईए/435370/2023, दिनांक 06/07/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संचालित पत्थर (गोण खनिज) खदान है। खदान ग्राम-मरखोही, तहसील-भरतपुर, जिला-कोरिया (वर्तमान में जिला-मनेदगढ़-विरभिरी-भरतपुर) स्थित खसरा क्रमांक 121, कुल क्षेत्रफल-1.3 हेक्टेयर में है। खदान की आवेदित उत्तरानन क्षमता-23;314.2 टन प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसआईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञानन दिनांक 04/09/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठक का विवरण —

(अ) समिति की 486वीं बैठक दिनांक 13/09/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री राजेश कुमार मिश्र, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाई गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—

- i. पूर्व में पत्थर खदान द्वारा क्रमांक 121, कुल क्षेत्रफल—1.3 हेक्टेयर, क्षमता—8,967 घनमीटर (23,314.2 टन) प्रतियार्थ हेतु जिला सतरीय पर्यावरण समाधान निधारण प्राधिकरण, जिला—कोरिंग द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति दिनांक 10/01/2017 को जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष अर्थात् 09/01/2022 तक वैध थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 18/01/2021 अनुसार—

"**A. Notwithstanding anything contained in this Notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this Notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid.**"

उपरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक 09/01/2023 तक वैध थी।

- ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन में की गई कार्रवाई की जानकारी कोटीयापस सहित प्रस्तुत की गई है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- iii. निर्धारित शार्तनुसार इकाईयां नहीं किया गया है।
- iv. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिही—भरतपुर के झापन क्रमांक 117/खनिज/स.प. /2023, एम.सी.बी. दिनांक 13/06/2023 द्वारा विगत वर्षों में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है—

| वर्ष | उत्खान (घनमीटर) |
|---------|-----------------|
| 2018–19 | 478 |
| 2019–20 | 712 |
| 2020–21 | 451 |
| 2021–22 | 30 |
| 2022–23 | 25 |

समिति का मत है कि वर्ष 2022–23 के उत्खान द्वारा जानकारी का कार्य किया गया है अथवा नहीं? के संबंध में खनिज विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

2. ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन एवं क्षेत्र की व्यापना के संबंध में ग्राम पंचायत जनुआ का दिनांक 10/06/2023 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत

किया गया है। समिति द्वारा नोट किया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा पत्थर उत्खनन एवं क़हार के संघातन हेतु याम पंचायत (याम सभा) जनुवा की कार्यवाही विवरण दिनांक की प्रति प्रस्तुत नहीं किया गया है।

3. उत्खनन योजना — यारी प्लान एलांग विश्व क्यारी क्लौजर प्लान किये हुन्हारीमेट मेनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो खनि अधिकारी, जिला—कोरिया द्वारा अनुमोदित है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत अनुमोदित क्यारी प्लान में जावक क़मांक एवं दिनांक वा चलानेवा नहीं है। अतः अनुमोदित रिवाईज़ब क्यारी प्लान के क़ल्हरिंग लेटर (जावक क़मांक एवं दिनांक सहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—भरतपुर के झापन क़मांक 116/खनिज/उ.प./2023 एम.सी.बी., दिनांक 13/06/2023 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर के भीतर आवस्थित अन्य खदानों की संख्या निर्धक है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाएँ — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—भरतपुर वा झापन क़मांक 116/खनिज/उ.प./2023, एम.सी.बी. दिनांक 13/06/2023 द्वारा यारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे गांडेर, नस्तिल, भरठट, पुल, नदी, रेल लाइन, अफ्पताल, रक्कूल, एनीकट बाघ एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिबन्धित क्षेत्र निर्मित नहीं है।
6. भूमि एवं लीज का विवरण — यह शासकीय भूमि है। लीज श्री दुर्गा शक्ति मिशन के नाम पर है। लीज डीड 5 वर्ग अर्थी दिनांक 20/02/2013 से 19/02/218 तक की अवधि हेतु ऐप थी। तत्पश्चात लीज डीड 25 वर्ग अर्थी दिनांक 20/02/2018 से 19/02/2043 तक की अवधि हेतु विस्तारित की गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट — वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. बन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र — कार्यालय बनमण्डलाधिकारी, सामान्य बनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ वा पू. झापन क़मांक/मालि/2005/451 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 17/03/2005 से यारी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
9. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी — निकटतम आवादी याम—मरखोही 1 कि.मी. एवं रक्कूल याम—मरखोही 1.5 कि.मी. या दूरी पर स्थित है। बनास नदी 3.5 कि.मी. दूर है।
10. पारिस्थितिकीय/जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र — परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अतर्थाल्कीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अम्यारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित किटिकली पौल्युटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
11. खनन संपदा एवं खनन का विवरण — यियोलाजिकल रिजर्व 4,87,879 टन, माइनेवल रिजर्व 3,64,818 टन एवं रिक्वरेवल रिजर्व 3,28,336 टन है। लीज की 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पदटी (उत्खनन के लिए प्रतिबन्धित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 3,776 वर्गमीटर है। औपन कास्ट रोगी नेक्साइज़ब विधि से उत्खनन किया जाता है।

उत्तराखण्ड की प्रस्तावित अधिकलान गहराई 15 मीटर (9 मीटर हिललौक एवं सरफेस से 6 मीटर महराई) है। लीज क्षेत्र में जलपरी मिट्टी/ओक्हरबर्डन की मोटाई 0.5 मीटर है। बैच की कंपाई 1.5 मीटर एवं छोड़ाई 1.5 मीटर है। खदान की सम्भावित आयु 15 वर्ष से अधिक है। लीज क्षेत्र में इशार स्थापित है जिसका क्षेत्रफल 343 घर्मीटर है। जैक हैमर से ड्रिलिंग एवं कंट्रोल इलास्टिंग किया जाता है। खदान में यायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का छिक्काव किया जाता है। वर्षावार प्रस्तावित उत्तराखण्ड का विवरण निम्नानुसार है—

| वर्ष | प्रस्तावित उत्तराखण्ड (टन) | वर्ष | प्रस्तावित उत्तराखण्ड (टन) |
|---------|----------------------------|--------|----------------------------|
| प्रथम | 12,776.4 | बाष्टम | 16,380.0 |
| द्वितीय | 13,501.8 | साप्तम | 17,791.8 |
| तृतीय | 14,040.0 | अष्टम | 20,553.0 |
| चतुर्थ | 14,898.0 | नवम | 21,309.6 |
| पंचम | 15,600.0 | दशम | 23,314.2 |

12. जल आपूर्ति — परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 10 घर्मीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति ग्राम पंचायत के माध्यम से की जाती है। इस बाबत ग्राम पंचायत का अनावर्ती प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
13. बृक्षारोपण कार्य — प्रस्तुतीकरण की दौरान परियोजना प्रस्तावके द्वारा बताया गया कि प्रस्तावित खदान पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण लीज क्षेत्र में 7.5 मीटर की पट्टी में बृक्षारोपण किया जाना संभव नहीं है। अतः प्रस्तावित रथल के समीप पूर्व से संचालित खदान शीमती चंदकाता निशा (खासा क्रमांक 140, क्षेत्रफल-2) एवं परियोजना प्रस्तावक (श्री दुर्गादासकर निशा) द्वारा शासकीय भूमि में सायुज्य रूप से बृक्षारोपण कार्य किये जाने बाबत अनुरोध किया गया है।

समिति का मत है कि बृक्षारोपण कार्य हेतु प्रस्तावित शासकीय भूमि में 950 नग पीढ़ी का सेपण, फैसिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रखाव के लिए 5 वर्षीय का स्टक्कावार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव (खासा क्रमांक, क्षेत्रफल) सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

14. खदान की 7.5 मीटर की छोड़ी सीमा पट्टी में उत्तराखण्ड — प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर का कुल क्षेत्रफल 3,776 घर्मीटर है, जिसमें से रातही भूमि से 333 घर्मीटर क्षेत्र 6 मीटर की गहराई तक उत्तराखित है। समिति द्वारा पाया गया कि उक्त का उल्लेख अनुमोदित क्षयारी प्लान में नहीं किया गया है। अतः लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी में किये गये उल्लेख करते हुये अद्यतन रिपोर्ट में रिजर्व की गणना और नाशोधित अनुमोदित क्षयारी प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। प्रतिबंधित 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी में उत्तराखण्ड किया जाना पर्यावरणीय त्वचीकृति की हाती का उल्लंघन है। अतः जीव उपरांत नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। साथ ही उक्त उत्तराखित क्षेत्र को पुनर्जनाव किये जाने हेतु रेस्टोरेशन प्लान प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

15. उल्लेखनीय है कि भारत सरकार, पर्यावरण, इन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा नीन कोल मार्गिनिंग प्रोजेक्टसे हेतु मानक पर्यावरणीय शर्तें जारी की गई हैं। रार्ट क्रमांक VIII (i) के अनुसार—

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

उक्त मानक शर्त के अनुसार नाईन लीज क्षेत्र के अंदर 7.5 मीटर चौड़ी सैफटी जीन में बृक्षारोपण किया जाना आवश्यक है।

16. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) — परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत किये गये परियोजना को लागत में ड्राइवर स्थापना की ताकि समिलित नहीं है। अतः समिलित का भल है कि परियोजना लागत का हेक्सप किया जाना आवश्यक है। साथ ही परियोजना लागत अनुसार सीईआर (Corporate Environment Responsibility) का उपग्रह विस्तृत प्रस्ताव किया जाना आवश्यक है।

समिलित द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था—

- एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय भारत सरकार, पर्यावरण, इन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीरता का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- जारी पर्यावरणीय स्थीरता के फलों के अनुसार किए गए बृक्षारोपण (पीठों में संख्याकान (Numbering) एवं नाम) फोटोग्राफ्स तहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- वर्ष 2022–23 के उत्तरात खदान में उत्खनन का कार्य किया गया है अथवा नहीं के संबंध में खानिज विभाग से जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- पाल्यत उत्खनन एवं क्रांत के संचालन हेतु याम पंचायत (याम समाज) जनुया की कार्यवाही विवरण, दिनांक की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
- अनुमोदित रिपार्टर्जड क्षारी प्लान के कार्यरिग लेटर (जाकका क्रमांक एवं दिनांक तहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
- लीज क्षेत्र के बारी और 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में किये गये उत्खनित क्षेत्र का उल्लेख करते हुये अद्यतन स्थिति में रिजर्व की गणना संशोधित अनुमोदित क्षारी प्लान प्रस्तुत किया जाए।
- लीज क्षेत्र के बारी और 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में किये गये उत्खनित क्षेत्र का पुनर्माव किये जाने हेतु रेस्टोरेशन प्लान प्रस्तुत किया जाए।
- खदान से महत्वपूर्ण संरचना जैसे—अस्पताल, राष्ट्रीय संजगमार्ग एवं राज्यमार्ग आदि वी दूरी संबंधी जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
- कृपया मिट्टी की मात्रा एवं प्रबन्धन योजना प्रस्तुत किया जाए।

10. वृक्षारोपण कार्य हेतु प्रस्तावित सांस्कृति भूमि मे 950 नग पीछो का रोपण, कंसिंग खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षो का घटकवार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव (खारा कमाक, बोनफल) रहित प्रस्तुत किया जाए।
11. परियोजना लागत का ब्रेकअप किया जाए। साथ ही परियोजना लागत अनुसार सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) का उपयुक्त विस्तृत प्रस्ताव किया जाए।
12. मार्झन लीज शेव के चारों ओर 7.5 मीटर छोड़ सेफ्टी जोन के कुछ भाग मे किये गये उत्खनन के कारण इस क्षेत्र के उपचारी उपायों (Remedial Measures) के संबंध मे तथा लीज शेव के अंदर मार्झनिंग कियाकलापों के कारण उत्पन्न प्रदूषण नियंत्रण हेतु आवश्यक उपायों एवा वृक्षारोपण आदि के लिये समुचित उपायों को लियान्वित कराने वाले संघालक, संघालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावती भवन, नदा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर (छत्तीसगढ़) को लेखा किया जाए।
13. प्रतिवर्षित 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी मे अवैध उत्खनन किया जाने पाये जाने पर परियोजना प्रस्तावक के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने हेतु संघालक, संघालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म को एवं पर्यावरण की सति पहुंचाने हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, भवा रायपुर अटल नगर को नियमानुसार ऐप्लानिक वार्त्यवाही किये जाने हेतु लेखा किया जाए।
14. आवेदित खदान हेतु प्रस्ताव अनुसार राहि का उपयोग करते हुए वृक्षारोपण किया जाएगा। रोपित पीछो का 5 वर्ष तक उचित देखभाल व रख-रखाव करते हुए न्यूनतम 90 प्रतिशत जीवन संरक्षित भुग्निश्चित किया जाएगा। इस आवश्यक का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
15. पर्यावरणीय स्थीर्यता प्राप्त हो जाने के पश्चात प्रथम वर्ष के अन्दर सी.ई.आर. प्रधोजल की राशि का प्रस्तावित कार्य मे उपयोग करते हुए माननीय समिति के समक्ष प्रस्तुत किये गए प्रधोजल मे ही खर्च किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
16. ब्लास्टिंग का कार्य डी.जी.एम.एस. द्वारा अधिकृत विस्पोटक हाईसेंस भारत (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
17. छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत स्थानीय लोगों को सेवानार दिये जाने हेतु शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
18. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से प्रयुक्तिपूर्ण डर्ट उत्तरार्जन होगा, उन स्थलों पर नियमित जल छिकाव की लावस्था किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत बाढ़पूरी यिलार्स द्वारा सीमाकान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

20. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रबाह प्राकृतिक जल स्त्रोत, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाचत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
21. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उनके विरुद्ध इस खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है।
22. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से सत्यापित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसंचयन का अ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है।
23. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा। इस वाचत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
24. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस वाचत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 01/03/2024 एवं 05/03/2025 को प्रस्तुत किया गया है। एसडब्ल्यूसी, छत्तीसगढ़ के एजेंट्स पत्र दिनांक 28/02/2025 के मुख्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(ब) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025:

प्रस्तुतीकरण हेतु वी राजेश कुमार मिश्र, अधिकृत प्रतिनिधि उपसिध्त हुए। समिति द्वारा नरती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न सिद्धि पाई गई—

1. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन के संबंध में एकीकृत कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल में आवैदन किया गया है, जो कि अप्राप्त है। भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के औफिस मेमोरांडम दिनांक 08/06/2022 में तामता विस्तार के प्रकरणों हेतु सी.सी.आर. की आवश्यकता के संबंध में दिशा निर्देश जारी किया गया है। समिति द्वारा याद गया कि आवैदित प्रकरण तामता विस्तार का नहीं है। अतः आवैदित प्रकरण हेतु सी.सी.आर. की आवश्यकता नहीं है।
2. जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के अनुसर किए गए वृक्षारोपण (पौधों में संख्यांकन (Numbering) एवं नाम) कोटोधारा सहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।

3. कार्यालय कलेकटर (खणिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—विरागी—मरतापुर के डापन क्रमांक 676/बलि-2/2024-25 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 06/08/2024 अनुसार वर्ष 2022-23 की बाद खदान में किसी भी प्रकार का उत्थानन कार्य नहीं किया गया है।
4. पश्चार उत्थानन एवं कलार के सचालन हेतु आम पदायत (आम सभा) जनुवा की कार्यवाही विवरण, दिनांक 27/11/2009 की प्रति प्रस्तुत किया गया है।
5. अनुमोदित रियाईज़ड क्षारी प्लान खानि अधिकारी, जिला—कोरिया के डापन क्रमांक 1720/खणिज/खलि2/2016 कोरिया, बैकुण्ठपुर दिनांक 09/11/2016 द्वारा अनुमोदित है।
6. लीज क्षेत्र के घारों और 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी के उत्तर पूर्वी दिशा में उत्थानित क्षेत्र रक्षा 333 वर्गमीटर पूर्व से था। वर्तमान में परियोजना प्रस्तावक द्वारा उक्त उत्थानित क्षेत्र का पुनर्निर्माण कर लिया गया है। अतः रिजर्व की गणना में सहोधन की आवश्यकता नहीं होना बताया गया है।
7. लीज क्षेत्र के घारों और 7.5 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी में किये गये उत्थानित क्षेत्र का पुनर्निर्माण कर लिया गया है। अतः ऐस्टोरेशन प्लान की आवश्यकता नहीं है।
8. निकटतम आवादी ग्राम—मरठोही 1 कि.मी. एवं अस्पताल ग्राम—हरधोका 12 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राज्यमार्ग 16 कि.मी. दूर है। बनास नदी 3 कि.मी. दूर स्थित है।
9. उपरी मिट्टी की मात्रा 2,967.5 घनमीटर है जिसे लीज क्षेत्र 7.5 सीमा पट्टी में मण्डारित किया जाएगा।
10. लीज क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण लीज क्षेत्र की सीमा में घारों और 7.5 मीटर की पट्टी के स्थान पर आम पदायत द्वारा सहभागि प्राप्त नुमि (0.38 हेक्टेयर) पर 950 नग दुकारीयण किया जाएगा। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार दुकारीयण के लिए राशि 95,000 रुपये, स्थान के लिए राशि 15,000 रुपये, सिंचाइ के लिए राशि 15,000 रुपये, फेरिंग तथा रख—रखाय आदि के लिए राशि 1,50,000 रुपये तथा अन्य खर्च के लिए राशि 1,11,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 3,86,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 4,96,000 रुपये हेतु घटकचार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
11. परियोजना की कुल लागत का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है। साथ ही परियोजना लागत अनुसार बी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) का उपयुक्त विस्तृत प्रस्ताव किया गया है—

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|---|--------------------------------------|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 20 | 2% | 0.40 | Following activities at Village-Markhohi | |

| | | | | |
|--|--|-------------------|-----|-------|
| | | Pavitra Nirman | van | 7,495 |
| | | Total | | 7,495 |

सीईआर के अंतर्गत ग्राम—मरखोही के शासकीय भूमि में बुलारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 525 नग पीछो के लिए राशि 52,500 रुपये, खाद के लिए राशि 20,000 रुपये, सिंघाई के लिए राशि 15,000 रुपये, फॉसिंग तथा रख—रखाव आदि के लिए राशि 75,000 रुपये तथा अन्य खर्च के लिए राशि 1,08,000 रुपये, इस प्रकार प्रश्नम वर्ष में कुल राशि 2,70,500 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 4,79,000 रुपये हेतु घटकदार आव का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ग्राम पमावत जनुवा (आवित ग्राम मरखोही) के सहमति उपर्यात यथायोग्य स्थान (खसरा डमाक 122, दोजफल 0.21 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

12. आवेदित खदान हेतु प्रस्ताव अनुसार राशि का उपयोग करते हुए बुलारोपण किया जाएगा। रोपित पीछो कर 5 वर्ष तक उचित देखभाल व रख—रखाव करते हुए न्यूनतम 90 प्रतिशत जीवन संरक्षित सुनिश्चित किया जाएगा। इस आवाय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त हो जाने के पश्चात पथम वर्ष के अन्दर सीईआर प्रपोजल की राशि का प्रस्तावित कार्य में उपयोग करते हुए माननीय सभिति के सम्म प्रस्तुत किये गए प्रपोजल में ही खर्च किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. ब्लास्टिंग का कार्य की जीएनएस हाला उचिकृत विस्फोटक लाईसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
15. छत्तीसगढ़ आदशी पुनर्वास नीति के तहत रथानीय लोगों वो सौजन्य दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. परियोजना से जिन—जिन स्थलों से पर्युजितिव फस्ट उत्सर्जन होगा, उन स्थलों पर नियमित जल छिक्काव की व्यवस्था किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खानिय नियमों के तहत बाहुण्डी पिल्लरी द्वारा तीमाकन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
18. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रवाह प्राकृतिक जल स्रोत, तालाब, नदी, नाला ने नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विलक्ष्य इस खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण दैश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लाभित नहीं है।
20. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवाय का नोटरी से सत्यापित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विलक्ष्य भारत सरकार, पर्यावरण,

बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना का आ.आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लेखन का प्रकरण लंगित नहीं है।

21. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
22. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 की writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विचार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. आवेदित क्षेत्र से निकटतम राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य राष्ट्र घोषित जैव विविधता क्षेत्र की दूरी बाबत जानकारी, संबंधित बन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत विलया जाए।

उपरोक्त वाधित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने उपरांत आगामी कार्यवाही की जाएगी। परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सुधित किया जाए।

7. नेसरा खगरीय क्षेत्र स्टोन वर्करी (प्रो.— श्री राजेश कुमार मिश्र), ग्राम—खगरीय, तहसील—भरतपुर, ज़िला—कोरिया (संचिवालय का नस्ती क्रमांक 2567)

ऑनलाईन आवेदन — प्रपोजल नम्बर — एसआईए/ सीजी / एमआईएन/438241/2023, दिनांक 06/07/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संचालित सत्त्वारण पत्थर (ग्रीष्म खनिज) खदान है। खदान ग्राम—खगरीय, तहसील—भरतपुर, ज़िला—कोरिया रिश्तत खसरा क्रमांक 717, कुल क्षेत्रफल—1.75 हेक्टेयर में है। खदान वी आवेदित उत्थनन कामता—7,398.3 टन प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी छत्तीसगढ़ के ड्राफ्ट दिनांक 04/09/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सुधित किया गया।

बैठक का विवरण —

(अ) समिति की 485वीं बैठक दिनांक 12/09/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रोप्रोजेक्टर सुपरिचित हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अयोक्तान एवं परीक्षण करने पर निम्न विवरण पाइ गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति संबंधी विवरण—

- i. पूर्व में पत्थर खदान खसरा क्रमांक 717, कुल क्षेत्रफल—1.75 हेक्टेयर, कामता—2,845.5 घनमीटर (7,398.3 टन) प्रतिवर्ष हेतु ज़िला पर्यावरण समाधात निधारण प्राधिकरण, कोरिया द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति दिनांक 10/01/2017 को जारी की गई। यह स्थीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष अर्थात् दिनांक 09/01/2022 तक वैध थी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 16/01/2021 अनुसार—

"B.A. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक 09/01/2023 तक फैल थी।

- i. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति को शहरी के पालन में की गई कार्यवाही ली जानकारी प्रस्तुत की गई है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत होशीर कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- ii. निम्नांकित शारीनुसार खुआखोपण नहीं किया गया है।
- iii. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-बनेन्द्रगढ़-चिरगिरी-भरतपुर के ज्ञापन क्रमांक 115/खनिज/उ.प./2023 एम.सी.बी. दिनांक 13/06/2023 द्वारा दिग्गत दर्शी में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है—

| वर्ष | उत्खनन (घनमीटर) |
|---------|-----------------|
| 2018-19 | 775.00 |
| 2019-20 | 1,454.00 |
| 2020-21 | 505.00 |
| 2021-22 | 28.00 |
| 2022-23 | 28.00 |

2. ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन एवं काशर स्थापना को संबंध में ग्राम पंचायत समरीप का दिनांक 10/06/2023 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। समिति का मत है कि ग्राम पंचायत की कार्यवाही विवरण ली प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. उत्खनन योजना — क्षारी प्लान एलाइ दिव्य बदारी बलोजर प्लान लिथ इन्स्हारोमेंट मेनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो खनि अधिकारी, जिला-कोरिया के पु. ज्ञापन क्रमांक 875-6/खनिज/खलि.2/2016 कोरिया, बैकुण्ठपुर दिनांक 03/08/2016 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला बनेन्द्रगढ़-चिरगिरी-भरतपुर के ज्ञापन क्रमांक 114/खनिज/उ.प./2023 एम.सी.बी. दिनांक 13/06/2023 के अनुसार आयोगित स्थान से 500 मीटर की भीतर अवरिधि खदानों की संख्या निरक्त है।

5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाएँ – कायोलय कलेक्टर (खण्ड फाला), जिला-मनोहरगढ़-विरमी-भरतपुर की ज्ञापन क्रमांक 114/खण्ड/उ.प./2023 एवं सी.बी., दिनांक 13/06/2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे मंदिर, मस्जिद, ग्रामपाल, पुल, नदी, रेल लाइन, अस्पताल, रक्षाल, एनीकट बाधा एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिबन्धित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं।
6. भूमि एवं शीज का विवरण – यह शासकीय भूमि है। लौज और राजेश कुमार मिश्र के नाम पर है। लौज की 5 बड़ी अधिकारी दिनांक 07/03/2013 से दिनांक 06/03/2018 तक की अधिक हैं तु यैथ थी। तत्पश्चात लौज की 25 बड़ी अधिक दिनांक 07/03/2018 से दिनांक 06/03/2043 तक की अधिक हैं तु विश्वारित थी गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. बन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – बनविशेष अधिकारी, बहरासी के ज्ञापन क्रमांक/622, दिनांक 17/10/2011 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित क्षेत्र से बन की दूरी 1.5 कि.मी. या उससे अधिक है। समिति का मत है कि आवेदित क्षेत्र की निकटतम बन क्षेत्र से दूरी का उल्लेख करते हुए बन मण्डलाधिकारी से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। साथ ही आवेदित क्षेत्र की निकटतम शासकीय उद्यान एवं अम्यारण्य से दूरी का उल्लेख करते हुए कायोलय उप-संचालक (वन्यप्राणी) से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
9. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटतम आबादी शाम-खमरीद 1.5 कि.मी., रक्षाल खमरीद 1.5 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। नेहर नदी 4 कि.मी. दूर है। लौज क्षेत्र के अंदर मंदिर स्थित है। समिति का मत है कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवश्यक जल शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है कि उक्त खनन प्रक्रिया से मंदिर को कोई आहत नहीं होगी।
10. पारिस्थितिकीय/जैवविविक्ता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्याजीय सीमा, साढ़ीय उद्यान, अम्यारण्य, केन्द्रीय प्रदृश्य नियन्त्रण कोई द्वारा घोषित किटिकरी बॉल्टुटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविक्ता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिबंधित किया है।
11. खनन संपदा एवं खनन का विवरण – जियोलोजिकल रिजर्व 4,77,750 टन, माईनेबल रिजर्व 83,517 टन एवं रिकवरेबल रिजर्व 75,165 टन है। समिति का मत है कि उत्तमान स्थिति में जियोलोजिकल रिजर्व, माईनेबल रिजर्व एवं रिकवरेबल रिजर्व की गणना किया जाना आवश्यक है। लौज की 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्तमान के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 3,639 वर्गमीटर है। ओपन कारस्ट सेमी मेक्सिनाइज़र विधि से उत्तमान किया जाता है। उत्तमान की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 11 मीटर (4.5 मीटर हिललीक एवं 6 मीटर गहराई) है। चर्टमान स्थिति में लौज क्षेत्र में ऊपरी मिट्टी नहीं है। बैच की ऊमाई 1.5 मीटर एवं चौड़ाई 1.5 मीटर है। खदान की समाप्ति आयु 20 वर्ष से अधिक है। लौज क्षेत्र में छापर स्थापित है पिस्का क्षेत्रफल 1,398 वर्गमीटर है। जैक हैमर से ड्रिलिंग एवं कंट्रोल

ब्लास्टिंग किया जाता है। खदान में बायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का डिफ़्लोव किया जाता है। वर्षवार प्रस्तावित उत्थनन का विवरण निम्नानुसार है:-

| घर्ष | प्रस्तावित उत्थनन (टन) | घर्ष | प्रस्तावित उत्थनन (टन) |
|---------|---------------------------|-------|---------------------------|
| प्रथम | 6,474.00 | चौथम | 7,042.10 |
| द्वितीय | 6,585.80 | सप्तम | 7,075.50 |
| तृतीय | 6,649.50 | अष्टम | 7,121.40 |
| चतुर्थ | 6,687.20 | नवम | 7,195.50 |
| पंचम | 6,942.00 | दशम | 7,398.30 |

12. जल आपूर्ति - परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा, स्रोत एवं अनुमति संलग्न जानकारी/ दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
13. वृक्षारोपण वर्ष - परियोजना प्रस्तावक का कथन है कि पहाड़ी होते होने के कारण लीज होते की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी में वृक्षारोपण किया जाना चाहिए नहीं है। समिति का नत इसे कि ग्राम पंचायत द्वारा राहनाति प्राप्त शाशकीय भूमि में वृक्षारोपण हेतु पौधों का रोपण, फसिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकातर व्यव का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
14. खदान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्थनन - लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्थनन वर्ष नहीं किया गया है।
15. गैर माईनिंग होते - प्रस्तुतीकरण के दौसन परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि लीज होते के भीतर 1,829 वर्गमीटर होते को अन्य लीज होते होने एवं 7,447 वर्गमीटर होते को भवित गैर माईनिंग होते रखा गया है, जिसका उल्लेख माईनिंग प्लान में किया गया है।
16. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) - परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्बन्ध विस्तार से चर्चा उपरात विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपर्युक्त विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उल्लंगय सर्वेक्षण से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. एकीकृत कांत्रीय कार्यालय भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतियोगिता प्रस्तुत किया जाए।
2. उत्थनन एवं क्रांत रक्षणा के संबंध में प्रस्तुत ग्राम पंचायत खमींघ का अनापत्ति प्रमाण पत्र की कार्यवाही विवरण की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
3. आवेदित होते की निकटतम वन होते से दूरी का उल्लेख करते हुये यह नपड़लाधिकारी से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया एवं आवेदित होते की निकटतम राष्ट्रीय संघान एवं अभ्यारण्य से दूरी का उल्लेख करते हुए कार्यालय उप-लंगालक (वन्यज्ञानी) से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।

4. वर्तमान स्थिति में प्रियोलीजिकल रिजर्व, मार्गनेश्वल रिजर्व एवं विकाशनरेल रिजर्व की पर्याप्ति किया जाए।
5. परियोजना हेतु आवश्यक जल की भाजा, चौपाई एवं अनुमति साबंधी जानकारी / दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
6. लीज क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण लीज क्षेत्र की सीमा में घारों और 7.5 मीटर की पट्टी में बृक्षारोपण के स्थान पर घाम पंचायत द्वारा सहमति प्राप्त शासकीय नूनि में बृक्षारोपण हेतु पौधों का रोपण, फैसिंग, खाद एवं सिंथेटिक तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकावार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव राहित प्रस्तुत किया जाए।
7. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपयुक्त विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
8. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उक्त खनन प्रक्रिया से धार्मिक रथल को होई आहत नहीं होगी।
9. पर्यावरण डस्ट चलार्जन के नियंत्रण हेतु नियमित जल छिक्काव किये जाने वावत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. माझेनिंग लीज क्षेत्र के अंदर सहन बृक्षारोपण छिये जाने एवं रोपित पौधों का सरणाईयल रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वावत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत स्थानीय लोगों को रोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत बाह्याण्डी पिल्लसे द्वारा सीधाकान का कार्य सुनिश्चित किये जाने वावत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए, कि उसके विरुद्ध इस परियोजना/खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लाभित नहीं है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए, कि उसके विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवाया परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना कानू. 804(3), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई तत्वाधार का प्रकारण लाभित नहीं है।
15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए, कि खदान की सोक सुनवाई के दौरान जो भी आपत्ति, सुझाव या नुदवे उठाए गए हैं उसके संबंध में द्वारा प्रस्तुत किये गये जवाब और जानकारियों के अनुसार निशाकरण किया जाएगा।
16. मानवीय सुधीम कोट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को Common Cause Vs. Union Of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए विवाद निवेश का पालन करने वावत शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

17. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को Writ Petition (S) Civil No. 114/2014 Common Cause Vs. Union Of India & Ors. में पिए गए दिला निर्देश का पालन करने वाले उपचार पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा सुपरीक्षणानुसार जानकारी दिनांक 06/08/2024 एवं 27/01/2025 को प्रस्तुत किया गया है। एसडीएसी छत्तीसगढ़ के एजेंट्स पत्र दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(ब) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री राजेश कुमार मिश्रा, डीपराइटर उपरिख्यत हुए। समिति द्वारा भरती प्रस्तुत जानकारी का अदलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिप्टि पाई गई—

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन के संबंध में एकीकृत कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल भगव एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संश्लण नड़त में आवेदन किया गया है, जो कि अप्राप्त है। भारत सरकार पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ऑफिस में रोगड़गढ़ दिनांक 06/06/2022 में अमला विस्तार के प्रकरणों हेतु श्री.सी.आर. वी आवश्यकता के संबंध में दिला निर्देश जारी किया गया है। समिति द्वारा पाया गया कि आवेदित प्रकरण शामता विस्तार का नहीं है। अतः आवेदित प्रकरण हेतु श्री.सी.आर. की आवश्यकता नहीं है।
- उत्खनन एवं कूदार स्थानों के संबंध में प्रस्तुत ग्राम पंचायत दुष्कारी का दिनांक 15/04/2011 का अनापत्ति प्रमाण पत्र (कार्यवाही दिवरण सहित) प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि पूर्व में ही वर्तमान ग्राम पंचायत शमरीय दिनांक 10/06/2023 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है।
- कार्यालय घनमंडलाधिकारी, (सा.) मनेन्दगढ़ बनमंडल, शिला-मनेन्दगढ़ के ज्ञापन क्रमांक /स.अ./ 2024/ 1705 मनेन्दगढ़, दिनांक 19/07/2024 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के अनुसार आवेदित क्षेत्र बन क्षेत्र की सीमा से 1.5 ये 2 कि.मी. की दूरी पर है। 10 फिल्मी वी परिधि में कोई नेशनल पार्क एवं बन्धजीय अभ्यारण रिप्टि नहीं है।
- वर्तमान रिप्टि में जियोलॉजिकल रिजर्व 4,70,496 टन, माईग्रेल रिजर्व 76,263 टन एवं रिकार्डेल रिजर्व 68,637 टन उपलब्ध है।
- परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 10 घनमीटर उत्तिविन होगी। जल की आपूर्ति टैक्स के माध्यम से की जायेगी। इस बाबत ग्राम पंचायत शमरीद (पूर्व ग्राम पंचायत दुष्कारी) का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
- लीज क्षेत्र पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण लीज क्षेत्र की सीमा में घारों और 7.5 मीटर की पट्टी के स्थान पर ग्राम पंचायत द्वारा सहमति प्राप्त भूमि (0.3 हेक्टेयर) पर 700 नग बृक्षान्वयन किया जाएगा। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार बृक्षान्वयन के लिए राशि 70,000 रुपये, खाद के लिए राशि 15,000 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 15,000

रुपये, फॉलिंग तथा रख-रखाव आदि के लिए राशि 1,00,000 रुपये तथा अन्य खर्चों को लिए राशि 98,000 रुपये, इस प्रकार प्रधम वर्ष में कुल राशि 2,98,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 4,64,000 रुपये हेतु घटकवार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्बन्ध में चर्चा उपरान्त निम्नानुसार प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|---|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| Following activities at, Village-Khamroudh | | 0.40 | | |
| 20 | 2% | | Pavitra van Nirman | 6.23 |
| | | | Total | 6.23 |

सीईआर के अंतर्गत ग्राम-खगरीव के शासकीय भूमि में बृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 300 नग पीठों को लिए राशि 30,000 रुपये, खाद के लिए राशि 10,000 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 15,000 रुपये, फॉलिंग तथा रख-रखाव आदि के लिए राशि 50,000 रुपये तथा अन्य खर्च के लिए राशि 98,000 रुपये, इस प्रकार प्रधम वर्ष में कुल राशि 2,01,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 4,22,000 रुपये हेतु घटकवार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ग्राम पंचायत खगरीव के सहमति उपरान्त याचायोग्य स्थान (बसरा बाजार 716, क्षेत्रफल 0.12 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके खिलाफ प्रतिक्रिया से धार्मिक स्थल को बोहू आहत नहीं होगी।
- पद्धतिगत डर्ट उत्तरार्जन के नियंत्रण हेतु नियमित जल छिन्डकाव किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
- माझिंग सीज बोर्ड के अंदर सहन बृक्षारोपण किये जाने एवं रोपित पीठों का सारणीयत रेट (Survival rate) 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
- छत्तीसगढ़ ग्रामीण नीति के तहत रक्षानीय लोगों को संरक्षण दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
- परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत बाउण्डी पिल्लरी द्वारा सीमावन्ध का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विरुद्ध इस परियोजना/खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रवर्तन देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लबित नहीं है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भौत्तात्पर्य की अधिसूचना का आ. 804(ज), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई साल्लधन का प्रकरण लबित नहीं है।
15. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की Common Cause Vs. Union Of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए विश्व निर्देश का पालन करने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 की Writ Petition (S) Civil No. 114 /2014 Common Cause Vs. Union Of India & Ors. में दिए गए विश्व निर्देश का पालन करने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. समिति का नियम है कि सीईआर एवं वृक्षारोपण कार्य के मौजिटारिंग एवं पर्यावरण ऐतु विप्र-पक्षीय समिति (प्रोफराईटर/प्रतिनिधि, राम पर्यावरण के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संचालन के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। राम ही सीईआर एवं वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरान्त गठित विप्र-पक्षीय समिति से संलग्नापित जनाया जाना आवश्यक है।
18. माननीय एन.जी.टी., फिसिपल बैच, नई दिल्ली द्वारा राज्येत्र पाण्डेय विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भौत्तात्पर्य, नई दिल्ली एवं अन्य (ओरिजिनल एप्लिकेशन नं. 186 अंक 2016 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018 को पारित आदेश में गुरुत्व रूप से निर्देशित किया गया है:-
- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha, falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.
- समिति द्वारा विचार विमर्श उपरान्त सर्वसम्मति से निर्मानुसार निर्णय लिया गया:-
- खदान की सीमा से 500 मीटर की परिधि में स्थीकृत / संचालित खदानों का कुल क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर या उससे कम होने के कारण यह खदान ग्री-2 श्रेणी की मानी गयी।
 - आवेदक - मैसारी खगड़ीघ छात्र स्टोन यवारी (प्रो- श्री राजेश कुमार निशां) को याम-खगड़ीघ, तहसील-भरतपुर, जिला-कोरिया के खासरा छातांक 717 में लिखा पर्यावरण (ग्रीण खनिज) खदान, कुल क्षेत्रफल-1.75 हेक्टेयर, कमता-7,398.3 प्रतिवर्ष हेतु परिशिष्ट-02 में वर्णित शर्तों के अंतर्गत पर्यावरणीय स्थीकृति दिए जाने की अनुशासा भी नहीं।
- राज्य स्तर पर्यावरण समाधान निवारण प्राधिकारण (एस.ई.आई.ए.ए.), हस्तीसगढ़ की तदानुसार सुधित किया जाए।

८. नेशनल लौहराकोट डोलोमाइट नाईन (प्रो.— श्री द्वारिका गुप्ता), प्राम—लौहराकोट, तहसील—जैजैपुर, जिला—सावर्णी (संचयितात्व को नस्ती क्रमांक 2736)

| विषय वरता | आवेदित प्रकरण से संबंधित विवरण | समिति द्वारा नोट किया गया कि |
|-------------------------------------|--|---|
| ऑनलाईन आवेदन | ई.सी. — 448860 एवं 01 / 11 / 2023 | |
| खदान का प्रकार | डोलोमाइट (शीर्ष खनिज) खदान | संचालित (सामता प्रिस्टार) |
| कोरफल एवं तामता | 4,747 हेक्टेयर एवं 2,00,014 टन प्रतिवर्ष | |
| खसरा क्रमांक | 406, 407 / 1, 407 / 2, 407 / 3, 408, 411, 413, 414 / 2, 415 / 1, 415 / 2, 416, 417, 418, 419, 420, 421 / 1, 421 / 2, 423 / 1, 423 / 2 एवं 423 / 3 | |
| मू—स्थानित्व | निम्न मूर्मि खसरा क्रमांक 406 एवं 423 / 1 श्री औकार सिंह, खसरा क्रमांक 407 / 1, 415 / 1 एवं 421 / 2 श्री मधुरा पूर्व, खसरा क्रमांक 421 / 1 श्री चंद्रिलाल, खसरा क्रमांक 419 श्री दिलीप कुमार, खसरा क्रमांक 420 श्रीमती भगवीतिन एवं श्रीमती जीरा, सरारा क्रमांक 418, 423 / 2 एवं 423 / 3 श्री लक्ष्मीचंद मरावी, खसरा क्रमांक 415 / 2 श्रीमती सुकमनी, श्री श्वीकराम, श्री सुनीतराम, श्री अनीतराम, श्रीमती गोमती बाई, श्रीमती सुनीता बाई एवं श्रीमती अनिता बाई, खसरा क्रमांक 414 / 2 श्रीमती किरन, खसरा क्रमांक 407 / 2 श्री गुहासिंह एवं श्री महालाल, खसरा क्रमांक 407 / 3 श्री हरीसिंह, खसरा क्रमांक 408 श्री प्यारेलाल, खसरा क्रमांक 411 एवं 413 श्री भानीरथी छोटेलाल, खसरा क्रमांक 418 श्री लक्ष्मीचंद, खसरा क्रमांक 417 श्री लक्ष्मीचंद को नाम पर है। | उत्खानन हेतु साहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है। खसरा क्रमांक 416 का बटाफल उपरांत आवेदित खदान हेतु खसरा क्रमांक 416 में से खसरा क्रमांक 416 / 2 के अंतर्गत रामिल ही गया है। अतः उक्त खसरा क्रमांक का श्री—1, पी—2 की प्रति एवं मूर्मि रूपांती का साहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है। |
| बैठक का विवरण | 506वीं बैठक दिनांक 09 / 01 / 2024 | प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 03 / 01 / 2024 |
| प्रस्तुतीकरण हेतु उपस्थित प्रतिनिधि | | श्री विकास केळिया, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। अधिकृत प्रतिनिधि का साहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है। |
| पूर्व में जारी ई.सी. | खदान का प्रकार — डोलोमाइट (शीर्ष खनिज) खसरा क्रमांक — 406, 407 / 1, 407 / 2 एवं अन्य कोरफल — 4,747 हेक्टेयर | श्री इ.आर्द्र.ए.ए. जिला—जांजगीर—चापा पर्यावरणीय स्थीरता की वैधता दिनांक 22 / 02 / 2048 तक है। |

| | | |
|---|--|---|
| | कामता - 99,960 टन प्रतिवर्ष दिनांक - 09 / 12 / 2016 | |
| पूर्व में जारी ई.सी. का पालन प्रतिवेदन | स्व-प्रमाणित - हों कामता विस्तार के तहत - एकीकृत होशीय कार्यालय, भारत सरकार पर्यावरण बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर - अप्राप्त। | निर्धारित शारीनुसार छूटावौधारण - 500 नग चूंकि यह कामता विस्तार का प्रकारण है। अतः परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत होशीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। |
| विशेष तथा में किये गये उल्लेखन | दिनांक 08 / 01 / 2024 2018-19 में निरक 2019-20 में 32,000 टन 2020-21 में 99,000 टन 2021-22 में 93,880 टन 2022-23 में 52,850 टन 2023-24 (सितम्बर तक) में 300 टन | अक्टूबर 2023 से किये गये उल्लेखन की वास्तविक मात्रा की अद्यतन जानकारी खानिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। |
| ग्राम पंचायत एन.ओ.सी. | ग्राम पंचायत लोहराकोट दिनांक 12 / 07 / 2008 | |
| उल्लेखन योजना अनुमोदन | दिनांक 29 / 09 / 2023 | |
| 600 मीटर | दिनांक 21 / 07 / 2023 | खदानी की संख्या निरक है। |
| 200 मीटर | दिनांक 21 / 07 / 2023 | प्रतिबंधित होते निर्मित नहीं मायनर नहर 30 मीटर दूर है। |
| लीज खीड़ | वर्तमान लीज भारक - भी द्वारिका मुफ्ता, अद्यति - दिनांक 23 / 02 / 2018 से 22 / 02 / 2068 तक। | |
| बन विभाग एन.ओ.सी. | | आवेदित होते की निकटतम बन होते से दूरी का उल्लेख करते हुए कार्यालय बनमण्डलाधिकारी से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। |
| महायपूर्ण संरचनाओं की दृष्टि | आवादी ग्राम - लोहराकोट 350 मीटर स्कूल ग्राम - लोहराकोट 380 मीटर अस्पताल - सकरी 11 कि.मी. राष्ट्रीय राजमार्ग - 7.7 कि.मी. राज्यमार्ग - 8.8 कि.मी. | घोर्ट नदी - 4.5 कि.मी. नाला - 1 कि.मी. तालाब - 770 मीटर नहर - 30 मीटर |

| | | |
|---|---|--|
| पारिस्थितिकीय/ जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र | 5 कि.मी. की परिधि में अतराज्जीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, कौन्दीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित किटिकली पीलुटेल एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं है। | |
| खनन संपदा एवं खनन का क्रियरण | उत्खनन विधि – औपन वारस्ट गेकेनाईज़न्ड डिलिंग एवं कन्ट्रोल ब्लास्टिंग – ही रिजर्व्स – जियोलॉजिकल 14,99,750 टन माईनेशल 8,29,727 टन रिक्वरेबल 7,46,754 टन प्रस्तावित माहराई 22 मीटर बेच की ऊंचाई 3 मीटर बेच ली ऊंचाई 3 मीटर संभावित आयु 5 वर्ष राधापित क्षेत्र – नहीं वर्तमान में प्रस्तावित क्षेत्र – नहीं | वर्षावार उत्खनन प्रथम 99,950 टन द्वितीय 1,46,732 टन तृतीय 1,00,013 टन चतुर्थ 2,00,003 टन पाँच 2,00,014 टन |
| उत्खनन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र | लौज की 7.5 मीटर की दूरीफल – 4,981 घनमीटर | उत्खनित – नहीं |
| गैर माईनिंग | सेतफल – 1,560 घनमीटर क्षेत्र छोड़ने का कारण – नहर 30 मीटर की दूरी में होने के कारण | माईनिंग घाम में उत्सर्जन – ही |
| कृषी भिट्टी/ ओड़र बर्फन प्रबंधन योजना | मोटाई – 2 मीटर मात्रा – 10,518 घनमीटर | 2,766 घनमीटर – 7.5 मीटर (माईन बाउच्ही) क्षेत्र में फैलाकर वृक्षारोपण के लिए उपयोग। इष 7,752 घनमीटर – गैर माईनिंग क्षेत्र में भण्डारित बाव संरक्षित। |
| जल आपूर्ति | मात्रा – 7 घनमीटर स्रोत – झू-जल एवं पूर्व से उत्खनित पिट में संग्रहित जल | सेन्ट्रल ग्राउण्ड वॉटर अधीरिटी से अनुमति प्राप्त है। |
| वृक्षारोपण कार्य | लौज क्षेत्र की 7.5 मीटर ऊँची सीमा पट्टी के खारी और वृक्षारोपण – 1,570 नग वर्तमान वृक्षारोपण – 500 नग शेष प्रस्तावित वृक्षारोपण – 1,070 नग | प्रस्तावित कार्य हेतु 5 वर्ष की राशि – 21,74,000 रुपये |
| परियोजना से संबंधित हापथ पत्र | परियोजना प्रस्तावक द्वारा कृषी भिट्टी के भंडारण एवं रस्तागम, डी.जी.एम.एस. द्वारा कन्ट्रोल ब्लास्टिंग, फ्युजिटिंग डस्ट उत्सर्जन नियंत्रण, सघन वृक्षारोपण एवं 90 प्रतिशत जीवन स्तर सुनिश्चित, एत्तीरामद आदर्श मुनाफास नीति के तहत शोधार, स्थानिक नियमों के तहत | परियोजना प्रस्तावक द्वारा निम्न इष्यू पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किये गये हैं:- 1. हमारे द्वारा उत्खनन हेतु आवेदित भूमि के भूमि स्थानियों की भूमि से संबंधित रामरत्न हितों की रक्षा, भारत सरकार के समर्त नियमों |

| | | |
|-----|---|---|
| | <p>शीमांकन, प्रावृत्तिक जल संवर्धन को संरक्षण एवं संवर्धन हेतु रोई आर के तहत प्रस्तावित कार्य एवं संबंधित सम्बन्ध से कार्य पूर्ण प्रतिवेदन किओटेंग फोटोग्राफ राहित जानकारी अधीकारिक रिपोर्ट में समाहित करने वाले उपराज पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।</p> | <p>के अंतर्गत पालन की जिम्मेदारी हमारी रहेगी।</p> <p>2. परियोजना प्रस्तावक के विचल्प इस परियोजना/खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है।</p> <p>3. परियोजना प्रस्तावक के विचल्प भारत सरकार, पर्यावरण, यन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना कांता, 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है।</p> <p>4. मानवीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए दिला निर्देशों का मेरे द्वारा पालन किया जाएगा।</p> <p>5. मानवीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. ने दिये गये दिला निर्देशों का पालन किया जाएगा।</p> <p>6. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपराज पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि हमारे द्वारा भारत सरकार के पर्यावरण, यन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 28/04/2023 को जारी ऑफिस नेमोरेज्मेंट में दिये निर्देश का विन्दुवार पालन किया जाएगा।</p> |
| ओणी | वी2 | आवायित खदान का कुल क्षेत्रफल 4.747 हेक्टेयर है। |

1. कौपरिट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा समिति के सम्मानित रूप से चारों उपराज मिन्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

| Capital Investment (in Lakh) | Percentage of Capital Investment | Amount Required for CER | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) |
|---------------------------------|----------------------------------|-------------------------|--|
|---------------------------------|----------------------------------|-------------------------|--|

| Rupees) | to be Spent | Activities (in Lakh Rupees) | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
|---------|-------------|-----------------------------------|--|---|
| 56.95 | 2% | 1.13 | Following activities at Nearby, Village- Lohrakot | |
| | | | Plantation around village pond | 1.55 |
| | | | Total | 1.55 |

2. सीईआर के अंतर्गत सालाब के बारी और वृक्षारोपण (आम, कटाहल एवं जामुन) हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार कुल 120 नग पौधों के लिए राशि 12,000 रुपये, पोसिंग के लिए राशि 18,000 रुपये, खाद के लिए राशि 6,000 रुपये, सिंचाई तथा रखा-रखाब आदि के लिए राशि 15,000 रुपये एवं अन्य कार्य हेतु राशि 8,000 रुपये इस प्रकार प्रधम रर्च में कुल राशि 59,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 96,000 रुपये हेतु छटकनार व्यय जा विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह प्रधान लोडारकोट के सहस्रों उपरात यथायोग्य स्थान (छासरा क्रमांक 245, कटाहल 0.534 हेक्टेयर में स्थित सालाब) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

समिति द्वारा तत्कालीन सम्बन्धित से निम्नानुसार विवरण लिया गया था:-

- एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत नरसराव, पर्यावरण, बन एवं जलवाया परिवर्तन मत्रालय, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- अक्टूबर 2023 से किये गये उल्लेखन की वास्तविक मात्रा की अद्यतन जानकारी दर्शनिज विभाग से प्रमाणित कराकर प्रस्तुत किया जाए।
- आवेदित क्षेत्र की बन क्षेत्र एवं अभ्यासण की सीमा से दूरी का उल्लेख करते हुए कार्यालय दनमण्डलाधिकारी से जारी अनापरित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 25/07/2024 को प्रस्तुत किया गया है। एसईएसी, छत्तीसगढ़ के एजेंडा पत्र दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(ब) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री विकास कंदिया, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा नस्ती प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाई गई-

- सादरव रायव छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, नवा रायपुर डाटल नगर, जिला-रायपुर की झापन क्रमांक 3366, दिनांक 19/07/2024 द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्रेषित किया गया है। क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा प्रेषित अभिमत में खदान परिसर में पद्मजिटिव हस्ट नियन्त्रण हेतु जल छिड़काव की पर्याप्त व्यवस्था की गयी है। खदान परिसर के उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण किया गया है। खदान परिसर में वायु प्रदूषण की स्थिति सामान्य पायी गयी है।

2. कार्योलय कलेक्टर (चानिल भाषा), जिला-सरकी के द्वापन क्रमांक /918/ख.लि-
/उत्पा./2024-25 सरकी, दिनांक 24/07/2024 द्वारा अक्टूबर 2023 से किये
गये उत्पन्न की जानकारी निम्नानुसार है:-

| वर्ष | उत्पादन (टन) |
|--------------|--------------|
| अक्टूबर 2023 | 100 |
| नवम्बर 2023 | 100 |
| दिसम्बर 2023 | निरक्ष |
| जनवरी 2024 | निरक्ष |
| फरवरी 2024 | 100 |
| मार्च 2024 | 150 |
| अप्रैल 2024 | 150 |
| मई 2024 | 200 |
| जून 2024 | 200 |

3. कार्योलय उनमण्डल जिलेकारी, जालगीर-चाम्पा के द्वापन क्रमांक/तकांडि-
/1135 चाम्पा, दिनांक 06/01/2024 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार
आयोगित होते यन हेतु की रीता से 1.4 किमी की दूरी पर है। 10 किमी की
परिधि में कोई नेशनल पाहा एवं अभ्यारण स्थित नहीं है।
4. समिति का मत है कि रीड्डीआर, एवं बृक्षारोपण कार्य के गोनिटरिंग एवं पर्यावरण
हेतु त्रि-पक्षीय समिति (प्रोपर्टीहाउटर/प्रतिनिधि, साम पंचायत के
पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण सरकार मण्डल
के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही रीड्डीआर एवं
बृक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत गठित त्रि-पक्षीय समिति से
सत्यापित कराया जाना आवश्यक है।
5. माननीय एन.जी.टी., प्रिसेपल बैच, नई दिल्ली द्वारा सत्येंद्र पाण्डुरंग विस्तृद्व भारत
सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन नियंत्रण, नई दिल्ली एवं अन्य
(ओरिजनल एप्लिकेशन नं. 186 औफ 2018 एवं अन्य) में दिनांक 13/09/2018
को पारित आदेश में मुख्य रूप से निम्नानुसार निर्दिष्ट किया गया है:-
- Providing for EIA, EMP and therefore, Public consultation for all areas from 5 to 25 ha, falling under category B-2 at par with category B-1 by SEAC / SEIAA as well as for cluster situation where ever it is not provided.
 - If a cluster or an individual lease size exceed 5 ha, EIA / EMP be made applicable in the process of grant of prior environment clearance.

समिति द्वारा विचार दिमांड उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया:-

- खदान की रीता से 500 मीटर की परिधि में स्थीकृत/संभालित खदानों का पूरा
क्षेत्रफल 5 हेक्टेयर या उससे कम होने के कारण यह खदान चौ-2 शेषी की गामी
गयी।
- आयोग - मेरासी लोहराकोट डोलोमाइट माइन (प्रो- श्री द्वारिका गुप्ता) को
आम-लोहराकोट, तहसील-झीलौपुर, जिला-सरकी के खासरा क्रमांक 406, 407/1,
407/2, 407/3, 408, 411, 413, 414/2, 415/1, 415/2, 416, 417, 418,
419, 420, 421/1, 421/2, 423/1, 423/2 एवं 423/3 में स्थित डोलोमाइट

Recommending
गौण खनिज स्वादान कुल क्षेत्रफल-4.747 हेक्टेयर, क्षमता-2,00,014 प्रतिवर्ष हेतु परिवहन-03 में वर्धित रातों के अधीन पर्यावरणीय स्वीकृति दिए जाने की अनुशासा की गई।

राज्य सत्र पर्यावरण समाधान निधारण प्राधिकरण (एसईआईएए), छत्तीसगढ़ को तदानुसार सूचित किया जाए।

9. नेशनल काशर स्टोन लियारी (प्रो.- श्री हरकौश तिवारी), ग्राम-डोमनापारा, तहसील-मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया (वर्तमान में जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिही-भरतपुर) (संचयितालय का नमस्ती क्रमांक 2156)

ऑनलाईन आवेदन - प्रपोजल नम्बर - एसआईए/ सीजी/ एमआईएन/ 400731/2022, दिनांक 21/09/2022 द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत आवेदन में समियों होने से ज्ञापन दिनांक 10/10/2022 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु निर्दिष्ट किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा घोषित जानकारी दिनांक 21/10/2022 (तकनीकी खाताबी होने के कारण ऑनलाईन साईट में 17/11/2022 को प्रदर्शित) द्वारा ऑनलाईन प्रस्तुत की गई।

प्रस्ताव का विवरण - यह पूर्व से संघालित पत्थर (गौण खनिज) स्वादान है। ग्राम-डोमनापारा, तहसील-मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया (वर्तमान में जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिही-भरतपुर) स्थित खासा क्रमांक - 526, कुल क्षेत्रफल-1 हेक्टेयर में है। स्वादान की आवेदित उत्त्खनन क्षमता-17,004 टन प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी-छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 09/12/2022 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठकों का विवरण -

(अ) समिति की 442वीं बैठक दिनांक 16/12/2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री यूष्म मुरारी लियारी, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर पाया गया कि पूर्व में पत्थर काशर (डीलेराईट साधारण पत्थर) स्वादान खासा क्रमांक 526, कुल क्षेत्रफल-1 हेक्टेयर, क्षमता-6,540 घनमीटर प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जिला कर्तरीय पर्यावरण समाधान निधारण प्राधिकरण, जिला-कोरिया द्वारा दिनांक 24/11/2017 को जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष अवधि दिनांक 23/11/2022 तक की अवधि हेतु दीया गया। इस संबंध में समिति का नत ई कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा एकीकृत कीर्तीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, उन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर झटल नगर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाना चाहिएगा है।

साथ ही समिति द्वारा शिकायत का अवलोकन करने पर पाया गया कि उक्त स्वादान के संबंध में श्री गौपत्र युमार गुप्ता, निवासी युरानी बस्ती याड़ क्रमांक 17, मनेन्द्रगढ़, जिला-कोरिया द्वारा "श्री हरकौश तिवारी द्वारा नवीकृत खनिज क्षेत्र को अलावा अधिक भाग में अवैध उत्त्खनन परिवहन य शर्तों का उल्लंघन करने बाबत।" शिकायत दिनांक 19/09/2022 को प्रेषित किया गया है। शिकायत में उल्लेखित तथ्य निम्नानुसार है:-

1. "पट्टेदार द्वारा क्षेत्र के अलाया पास के जासकीय भूमि पर अवैध ब्लास्टिंग करना कर अवैध उत्थनन कराया जाता है, जबकि अवैध ब्लास्टिंग का नून अपराध की ओर में जाता है, पट्टेदार के कंशर पर ब्लास्टिंग होल में उपयोग किया जाने वाला कम्पेशर एवं बालूद एवं ब्लास्टिंग सामर्थी जाच कर प्राप्त की जा सकती है।
2. पट्टेदार द्वारा सीमांकन क्षेत्र से अधिक क्षेत्र में अवैध खनन किया गया है एवं NGT नियमानुसारी के अनुसार अधिक गहराई में भी खनन का कार्य किया गया है।
3. पट्टेदार द्वारा अवैध खनिज का परिवहन किया जाता है, जिसका चीन सरकार के बिजली बिल का मिलान काटी मरी रायल्टी से करने पर प्राप्त किया जा सकता है।
4. पट्टेदार के पास पर्यावरण द्वारा जारी अनापति प्रमाण पत्र लगभग दो वर्षों से नहीं है, परन्तु क्लेशर का संचालन लगातार जारी है।
5. CSR मद में प्रतिवर्ष 50,000 रुपये ज्यादा करने वे जो कि आज दिनांक तक नहीं किया गया है जबकि खदान घिलते 10 वर्षों से स्वीकृत हैं।
6. मौके जाच पर खदान एवं क्लेशर क्षेत्र में रखे गए खनिज का मिलान दस्तावेज अनुसार नहीं है।
7. पट्टेदार द्वारा जारी की गई रायल्टी से अधिक उत्थनन किया गया है।
8. माहगिंग प्लान के अनुसार उत्थनन कार्य नहीं किया गया है, एवं सीमा से अधिक उत्थनन कर दिली किया जा चुका है।
9. पर्यावरण विभाग से प्राप्त सम्मति अनुसार खदान क्षेत्र के परिषिय में साढ़े सात (7.5) बीटर की छोड़ी छोड़ दृश्यानुपयोग किया जाना था। जिसे उत्थनन कर देखा जा चुका है।
10. नियमानुसार दृश्यानुपयोग नहीं किया गया है।
11. खदान क्षेत्र में शगिको के लिये आवास, पैदल एवं चिकित्सा इत्यादि की सुविधा नहीं है।
12. नियमानुसार 100 पेड़ प्रतिवर्ष लगायाना था किन्तु एक भी पेड़ नहीं लगाया गया है।"

समिलि द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से नियमानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. उपरोक्त तथ्यों के परिमेह्य ने शिकायत पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं की जीव संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकाम, इंदायती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर से कहाये जाने एवं तथ्यालम्बक जानवरी / जीव प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने उपरोक्त प्रकरण पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। राष्ट्रीय कार्यालय क्लेशर (खनिज शाखा), जिला-मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर को सूचित किया जाए।
2. एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत तत्काल, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन भौमिकी, रायपुर से पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।

तदानुसार एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 17/01/2023 के माइयम से शिकायत पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं की जीवंत हेतु सचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रायती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर को पत्र प्रेषित किया गया है। साथ ही एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 02/02/2023 द्वारा एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, दन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर को पत्र प्रेषित किया गया है। बहुमान मे परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 07/12/2023 को जानकारी/तथ्य प्रस्तुत किया गया है।

(ब) समिति की 510वीं कैठक दिनांक 30/01/2024:

समिति द्वारा नवीनी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर पाया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत जानकारी मे उल्लेखित तथ्य निम्नानुसार है:-

- शिकायत पत्र मे उल्लेखित बिन्दुओं की जीवंत सचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रायती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला – रायपुर से कराये जाने एवं तथ्यात्मक जानकारी / जीवंत प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के संबंध मे भागीदार एन.जी.टी. को ओ.ए. क्रमांक 117 और 2023, दिनांक 12/07/2023 द्वारा पारित आदेश की प्रति प्रस्तुत की गई है, जिसके अनुसार E. Action Takes Report के बिन्दु क्रमांक 1 मे "The report of the Revenue Department and Mining Department did not find any encroachment and illegal mining beyond the lease area in other two stone quarry's i.e. M/s Krishan Murari Tiwari (Khasra No. 15, area 2.0 Ha Village Hastinapur) and M/s Hrikesh Tiwari (Khasra No. 525, area 1.0 ha. Village, Domnapara)." तथा बिन्दु क्रमांक 4 मे "Accordingly, in compliance of Environmental Rules, no further action is required." का उल्लेख है।
- एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, दन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर से पूर्व मे जारी पर्यावरणीय रक्षीकृति का पालन प्रतिवेदन प्राप्त किये जाने हेतु ई-मैल के माइयम से अनुरोध किया गया है, जिसके परिमेल मे जानकारी आज दिनांक तक अप्राप्त है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक को पूर्व मे याही गई वाचित जानकारी एवं समर्त सुझाव जानकारी / दस्तावेज सहित प्रस्तुतीकरण दिये जाने हेतु निर्दिष्ट किया जाए।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 27/05/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(स) समिति की 533वीं कैठक दिनांक 30/05/2024:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा कोई अनुरोध पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा विचार विमर्श उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा वाचित जानकारी एवं अनुरोध पत्र प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 18/10/2024 एवं 05/03/2025 को प्रस्तुत किया गया है। एस.ई.ए.सी. छत्तीसगढ़ के एजेंडा पत्र

दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(द) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025:

प्रस्तुतीकरण हेतु भी हरकेश तिवारी, प्रोप्रोफेटर उपरिख्यत हुए। समिति द्वारा नहीं, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाई गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति संबंधी घोषणा—

- I. पूर्व में पर्यावरण काशर (डोलेराइट साधारण पर्यावरण) द्वारा खादान खासा क्रमांक 525, कुल क्षेत्रफल— 1.0 एक्टेयर, कमता— 6,540 घनमीटर (17,004 टन) प्रतिरक्षण हेतु पर्यावरणीय स्थीकृति जिला स्तरीय पर्यावरण समाधान नियांरण प्राप्तिकरण, जिला—कोरिया द्वारा दिनांक 24/11/2017 को जारी की गई। यह स्थीकृति जारी दिनांक से पौंच दर्थों की अवधि हेतु वैध थी।

भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवाया परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 18/01/2021 अनुसार—

"9A. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्थीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक 23/11/2023 तक रही थी।

- II. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के शर्तों के पालन में को गई कार्यवाही की रद्द—प्रमाणित जानकारी प्रस्तुत की गई है।
- III. नियांरित शान्तानुसार फूलानीपण नहीं किया गया है।
- IV. कार्यालय कलेक्टर (खंडिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमीरी—भरतपुर के ज्ञापन क्रमांक /03/खंडिज/उ.प./2022, मनेन्द्रगढ़—चिरमीरी—भरतपुर, दिनांक 17/10/2022 द्वारा विगत दर्थों में वित्ते गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है—

| वर्ष | उत्खान (घनमीटर) |
|------|-----------------|
| 2017 | 1,172 |
| 2018 | 680 |
| 2019 | 150 |
| 2020 | निर्दिष्ट |
| 2021 | 57 |

2. ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन के संबंध में द्यान पंचायत भलीक का दिनांक 16/07/2022 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

  

3. उत्तराखण्ड योजना – मॉडिफाईड क्यारी प्लान एलीग विषय क्यारी ब्लॉजर प्लान विषय इन्हायरोगमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है जो खानि अधिकारी, जिला कार्यालय—सूरजपुर के ज्ञापन क्रमांक 3588/खनिज/ 2017 सूरजपुर, दिनांक 14/11/2017 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान – कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला—कोरिया—बैकुण्ठपुर के ज्ञापन क्रमांक /438/खनिज/स.प. /2022 कोरिया—बैकुण्ठपुर, दिनांक 25/08/2022 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित 01 खदान, कुल क्षेत्रफल—1.0 हेक्टेयर है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक थोक/संरचनाएँ – कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला— कोरिया के ज्ञापन क्रमांक /439/खनिज/स.प. /2022 कोरिया—बैकुण्ठपुर, दिनांक 25/08/2022 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक थोक जैसे बंदिर, मस्तिष्क, मरघट, अस्पताल एवं रेस लाईन आदि प्रतिबंधित क्षेत्र निर्मित नहीं है। स्वीकृत उत्तराखण्डटा के परिवारी भाग में लगभग 150 मीटर पर शाज्यमार्ग जारीरखत है।
6. भूमि एवं लीज ढीड़ का विवरण – यह शासकीय भूमि है। लीज श्री हरकेश शिवारी के नाम पर है। लीज ढीड़ 05 वर्षी अर्थात् दिनांक 13/12/2012 से 12/12/2017 तक की अवधि हेतु पैद थी। उत्पश्चात् लीज ढीड़ 25 वर्षी अर्थात् दिनांक 13/12/2017 से 12/12/2042 तक की अवधि हेतु पिस्तारित की गई है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत भी नहीं है।
8. बन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय बनमण्डलाधिकारी (सा.) बनमण्डल, मनेन्द्रगढ़ के ज्ञापन क्रमांक /मा.धि./2012/637 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 30/05/2012 को जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित थोक निकटतम बन थोक से 1.5 कि.मी की दूरी पर है।
9. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटतम आवादी ग्राम—डोमनापारा 1.0 कि.मी., स्कूल ग्राम—डोमनापारा 1.5 कि.मी. एवं अस्पताल ग्राम—सारोला 1.6 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 160 मीटर एवं शाज्यमार्ग 170 मीटर दूर है। हल्देय नदी 3.5 कि.मी. की दूरी पर है।
10. पारिस्थितिकीय / जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक हारा 10 कि.मी. की परिधि में अतराज्जीवी सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अमरारण्य, लोन्दीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा घोषित क्रिटिकली पौल्युटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना चाहियेदित किया है। सोनहारी रिंजव फारेस्ट 3 कि.मी. एवं हल्देय रिंजव फारेस्ट 4 कि.मी. दूर है।
11. खानन संघर्षा एवं खनन का विवरण – जियोलॉजिकल रिजर्व 3,25,561 टन, माईनेबल रिजर्व 1,60,837 टन एवं रिकवरेबल रिजर्व 1,52,786 टन है। लीज की 7.5 मीटर ऊँची सीमा पहाड़ी (उत्तराखण्ड के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 2,900 वर्गमीटर है। ओपन कार्ट सेमी मैकोनाइज़ विधि से उत्तराखण्ड किया जाता है। उत्तराखण्ड की प्रस्तावित अधिकारी गहराई 13 मीटर (7 मीटर हिललीक एवं 6 मीटर

गहराई) है। लीज क्षेत्र में कमरी निटटी की गहराई 0.5 मीटर है। बेच की कमाई 3 मीटर एवं चौड़ाई 3 मीटर है। खदान की संभावित आयु 10 वर्ष है। लीज क्षेत्र में जलाधार उत्पादित किया जाना प्रस्तावित नहीं है। जैक हैमर की डिलिंग एवं कंट्रोल बलास्टिंग किया जाता है। खदान में वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का छिकाव जाता है। वर्षाधार प्रस्तावित उत्खनन का विवरण निम्नानुसार है—

| वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) | वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) |
|---------|------------------------|-------|------------------------|
| प्रथम | 13,065 | पाटम | 15,990 |
| द्वितीय | 13,650 | सप्तम | 16,263 |
| तृतीय | 14,235 | अष्टम | 16,536 |
| चौथ | 14,820 | नवम | 16,809 |
| पंचम | 15,405 | दशम | 17,004 |

12. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 10 घनमीटर प्रतिदिन होगी। जल की आपूर्ति ग्राम पंचायत हारा ईकर के मध्यम से ही जाएगी। इस बाबत ग्राम पंचायत भलीर का अनाधित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
13. शूकारोपण कार्य – लीज क्षेत्र की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी में 50 नग शूकारोपण किया जाएगा। इस संबंध में समिति का मत है पीछो की सख्ता में बुद्धि कर शूकारोपण कार्य हेतु प्रस्तावित पीछो का रोपण, फैसिंग, खाद एवं सिंचाई उत्पात्कृति-रखाव के लिए 5 वर्षों का घटकावर व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
14. खदान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्खनन – लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्खनन कार्य नहीं किया गया है।
15. गैर माईनिंग क्षेत्र – 336 वर्गमीटर क्षेत्र 3 मीटर की गहराई तक गैर माईनिंग क्षेत्र रखा गया है।
16. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रवर्तावक हारा रीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति को सम्पूर्ण विस्तार से चर्चा उपरांत निम्नानुसार विस्तृत प्रवर्ताव प्रस्तुत किया गया है—

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 15 | 2% | 0.30 | Following activities at, Govt. Primary School Village- Khutapara | |
| | | | Rain water harvesting | 0.65 |
| | | | Potable drinking water facility | 0.30 |

| | | | |
|--|--|-----------------------------------|------|
| | | Running water facility for toilet | 0.15 |
| | | Plantation in school | 0.15 |
| | | Total | 1.25 |

सी.ई.आर का विस्तृत प्रस्ताव एवं प्रस्तावित स्कूल के प्राचार्य (Principal) का तहमति पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

17. आवेदित खदान हेतु प्रस्ताव अनुसार राशि का उपयोग करते हुए युक्तारोपण किया जाएगा। शोधित गौधो का 5 वर्ष तक संबंधित देशभाल व रक्षा-संचाल करते हुए व्यूनिट 90 प्रतिशत जीवन संरक्षित सुनिश्चित किया जाएगा। इस आवश्यक का शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
18. पर्यावरणीय स्थीरता प्राप्त हो जाने के पश्चात् प्रथम बार्ष के अन्दर सी.ई.आर प्रपोजल की राशि का प्रस्तावित कार्य में उपयोग करते हुए माननीय सभिति के समान प्रस्तुत किये गए प्रपोजल में ही खर्च किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
19. ब्लास्टिंग का कार्य डी.जी.एम.एस. हस्त अधिकृत विस्कोटक लाईसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
20. छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत् स्थानीय लोगों को रोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
21. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से फटुजिटिव ड्रेट उत्तराधिन होगा, उन स्थलों पर नियमित जल पिंडकाब की संरक्षण किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
22. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहत् बातचीड़ी गिल्लासे द्वारा सीमांकन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
23. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रयाह प्राकृतिक जल स्त्रील, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
24. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवश्यक वा अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनकी विरुद्ध इस खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लंबित नहीं है।
25. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आवश्यक का नोटरी से सत्यापित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण वन और जलयाम परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना का आ 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लंबित नहीं है।
26. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा। इस वाले अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

27. मानवीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 की writ petition (S) Civil No. 114/2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

28. शिक्षायत पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं की जीव संचालक, संचालनालय, भीमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर से कराये जाने एवं तथ्यात्मक जानकारी/ जीव प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा विचार विभासी उपरात सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया:-

1. शिक्षायत पत्र में उल्लेखित बिन्दुओं की जीव संचालक, संचालनालय, भीमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर से कराये जाने एवं तथ्यात्मक जानकारी/ जीव प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाये। इस संबंध में संचालक, संचालनालय, भीमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर को पत्र लेखा किया जाए।
2. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के शर्तों के अनुसार निर्धारित शतानुसार वृक्षारोपण इसी मानसून में करते हुए पौधों में संख्यांकन (Numbering) एवं पौधों के नाम का उल्लेख किया जाकर फोटोग्राफ्स तहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
3. वर्ष 2021 के उपरात किए गए उत्तरानन की बारतीय मात्रा की जाऊतन जानकारी खनिज विभाग से प्रमाणित जाकर प्रस्तुत किया जाए।
4. आवेदित क्षेत्र से निकटतम राष्ट्रीय उद्यान, बन्यजीव अभयारण्य तथा घोषित जीव विविहता क्षेत्र की दूरी जानकारी, संबंधित बन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
5. उपरी मिट्टी/ ओर्हरबर्डन की मात्रा एवं प्रकारन योजना प्रस्तुत किया जाए।
6. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु स्कूल परिसर में वृक्षारोपण हेतु पौधों का रोपण, कॉलेज, स्कूल एवं सिंचाई तथा रख-पखाव के लिए 5 वर्षों का घटकाव व्यय का विवरण प्रस्तृत प्रस्ताव तहित प्रस्तुत किया जाए। साथ ही प्रस्तावित स्कूल के प्राचार्य (Principal) वर सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाधित जानकारी/ दरकावेज प्राप्त होने उपरात आगामी कार्यवाही की जाएगी। परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए। साथ ही संचालक, संचालनालय, भीमिकी तथा खनिकर्म, इंद्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर एवं कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-मनेन्द्रगढ़- छिरमिरी- भरतपुर को पत्र लेखा किया जाए।

10. गैरसार्स सारभोका क्रशर स्टोन क्वारी (प्रो.- श्री अक्षय कुमार चतुर्वेदी), गाम-सारभोका, तहसील-मनेन्द्रगढ़, जिला-मनेन्द्रगढ़-छिरमिरी-भरतपुर (संचिकालय का नस्ती क्रमांक 2459)

ऑनलाइन आवेदन - प्रपोजल नम्बर - एसआईए/ सीजी/ एमआईए/ 428403/ 2023, दिनांक 24/05/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति हेतु आवेदन किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन में कमियों होने से झापन

दिनांक 01/06/2023 द्वारा जानकारी प्रस्तुत करने हेतु मिटेंशित किया गया। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याचिन्त जानकारी दिनांक 18/08/2023 को ऑनलाईन प्रस्तुत की गई।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संधालित साधारण पत्थर (ग्रीष्म खनिज) खदान है। खदान नाम—सारभोका, तहसील—मनेन्द्रगढ़, ज़िला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिशी—भरतपुर रिक्षत सूखसरा क्रमांक 215/1, कुल क्षेत्रफल—0.405 हेक्टेयर में है। खदान की आवेदित उत्पादन समता—3,646 टन प्रतिवर्ष है।

भारत सरकार के पर्यावरण बन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस मेमोरेंडम दिनांक 28/04/2023 जारी किया गया है, जिसके पैरा 4 में निम्न प्रावधान है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A.142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त ऑफिस मेमोरेंडम के तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा ज़िला सतरीय पर्यावरण समाधात निर्धारण प्राधिकरण से जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनः अनुशासन (re-appraisal) हेतु एसईएसी, छत्तीसगढ़ के समक्ष ऑनलाईन आवेदन किया गया है।

तबानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 18/10/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु याचिन्त किया गया।

बैठकों का विवरण —

(अ) समिति की 483वीं बैठक दिनांक 28/10/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री एन.एस. परमार, अधिकृत प्रतिनिधि उपरिषद हुए। समिति द्वारा नहीं, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाइ गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—

1. पूर्व में साधारण पत्थर (ग्रीष्म खनिज) खदान नामक 215/1, कुल क्षेत्रफल 0.405 हेक्टेयर, क्षमता—1,402 घनमीटर (3,646 टन) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति ज़िला सतरीय पर्यावरण समाधात निर्धारण प्राधिकरण, ज़िला—कोरिया द्वारा दिनांक 21/03/2017 की जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष अर्थात् दिनांक 20/03/2022 की अवधि तक वैध थी। भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी अधिसूचना दिनांक 18/01/2021 अनुसार—

"9A. Notwithstanding anything contained in this notification, the period from the 1st April, 2020 to the 31st March, 2021 shall not be considered for the purpose of calculation of the period of validity of Prior

Environmental Clearances granted under the provisions of this notification in view of outbreak of Corona Virus(COVID-19) and subsequent lockdowns (total or partial) declared for its control, however, all activities undertaken during this period in respect of the Environmental Clearance granted shall be treated as valid."

उपरोक्त अधिसूचना के अनुसार पर्यावरणीय स्वीकृति की वैधता जारी दिनांक से दिनांक 20 / 03 / 2023 तक दैध थी।

- ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के राती के पालन में की गई कार्रवाई की स्व-प्रमाणित यानकारी प्रस्तुत की गई है।
- iii. निर्धारित शार्टनुसार बुद्धान्वेषण नहीं किया गया है।
- iv. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), ज़िला—एम.सी.बी. के ज्ञापन क्रमांक 18 / खनिज / उ.यो.अनु / 2023 एम.सी.बी., दिनांक 10 / 04 / 2023 द्वारा पिंगल गार्ह में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्ननुसार है—

| वर्ष | उत्पादन (घनमीटर) |
|---------|------------------|
| 2017-18 | निरक |
| 2018-19 | 50 |
| 2019-20 | 175 |
| 2020-21 | 80 |
| 2021-22 | 60 |
| 2022-23 | निरक |

2. ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन के संबंध में ग्राम पंचायत रालभोका या दिनांक 20 / 08 / 2006 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्खनन योजना — लदारी प्लान अलॉग विधि क्षेत्रीय कलौजर प्लान विधि इन्व्हायरोमेंट मैनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा प्रस्तुत अनुमोदित क्षारी प्लान का कार्बरिंग लैटर प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः अनुमोदित क्षारी प्लान के कार्बरिंग लैटर (जावक क्रमांक एवं दिनांक चहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), ज़िला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—भरतपुर के ज्ञापन क्रमांक 18 / खनिज / उ.प. / 2023 एम.सी.बी., दिनांक 10 / 04 / 2023 के अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर के भीतर अवस्थित अन्य खदानों की संख्या निरक है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/संरचनाएँ — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), ज़िला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—भरतपुर के ज्ञापन क्रमांक 18 / खनिज / उ.प. / 2023 एम.सी.बी., दिनांक 10 / 04 / 2023 द्वारा जारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में कोई भी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे भवित, नस्तिजद, मरघट, पुल, नदी, रेल लाईन, अस्पताल, रक्षा, एमीकॉट बांध एवं जल आपूर्ति आदि प्रतिबंधित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं।
6. भूमि एवं लीज का विवरण — यह शासकीय भूमि है। लीज श्री अकाय चतुर्वेदी के नाम पर है। लीज डीड 10 वर्ग अर्धात दिनांक 20 / 12 / 2006 से दिनांक 19 / 12 / 2016 तक की अवधि हेतु दैध थी। तत्पश्चात लीज डीड 20 वर्ग अर्धात

दिनांक 20 / 12 / 2016 से 19 / 12 / 2036 तक की अधिक हेतु प्रस्तावित की गई है।

7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट – वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. वन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र – कार्यालय वनमण्डलाधिकारी (सामान्य) वन मण्डल, मनेन्द्रगढ़ के जापन क्रमांक/मार्गि/2001/198 मनेन्द्रगढ़, दिनांक 03 / 02 / 2001 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। समिलि का मत है कि लौज सीमा से निकटतम वन क्षेत्र की बास्ताविक दूरी का उल्लेख करते हुए वनमण्डलाधिकारी से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
9. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटतम आबादी घाम-रामोका 500 मीटर, हसदेव नदी 8 कि.मी. एवं हल्फली नाला 1 कि.मी. दूर स्थित है। बास्तविक आवक्षित वन 3 कि.मी. एवं चिरईपानी सरक्षित वन 300 मीटर दूर है।
10. पारिस्थितिकीय/जीवविविधता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अतिरिक्तीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण योर्ड द्वारा घोषित किटिकली पॉल्यूटेंड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जीवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिपेदित किया है।
11. खनन संपदा एवं खनन का विवरण – जियोलॉजिकल रिजर्व 70,161 टन, माइनिंगल रिजर्व 26,607 टन एवं रिकवरेबल रिजर्व 23,947 टन है। लौज की 7.5 मीटर और सीमा पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिवर्षित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 2,014.4 वर्गमीटर है। औपन कार्ट सेमी मैटेनाइज्म विधि से उत्खनन किया जाता है। हि-लैंग की औसत कंधाई 1.5 मीटर एवं ग्रू-राल से उत्खनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 6 मीटर है। लौज क्षेत्र में ऊपरी मिट्टी की मोटाई 0.5 मीटर है। धेत्र की कंधाई 1.5 मीटर एवं चौड़ाई 1.5 मीटर है। खदान की रामायित आयु 10 वर्ष है। लौज क्षेत्र में क्रांतर स्थापित नहीं है एवं इसकी स्थापना वन प्रस्ताव नहीं किया गया है। लौज हिमर से ड्रिलिंग एवं जट्टोल स्लारिंग किया जाता है। खदान में जाय प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का प्रियकार किया जाता है। वर्षावर प्रस्तावित उत्खनन का विवरण निम्नानुसार है:-

| वर्ष | उत्खनन (टन) | वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) |
|---------|-------------|-------|------------------------|
| प्रथम | 1,903.2 | षष्ठम | 2,648.1 |
| द्वितीय | 2,069.2 | सप्तम | 2,983.5 |
| तृतीय | 2,145.0 | आठम | 3,307.2 |
| चतुर्थ | 2,265.9 | नवम | 3,646.5 |
| पंचम | 2,369.5 | दशम | 3,456.7 |

12. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 4 घनमीटर प्रतिदिन होती है। जल की आपूर्ति बोरवेल के माध्यम से किया जाएगा। इस बोरल सेन्ट्रल प्रारम्भ घाटर अध्यारिटी का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

13. वृक्षारोपण कार्य – लीज क्षेत्र की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी में कुल 450 नग वृक्षारोपण किया जाना है। प्रस्तुतीकरण के दौरान परियोजना प्रस्तावक द्वारा बताया गया कि वर्तमान में लीज क्षेत्र की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी में 100 नग वृक्षारोपण किया गया है। समिति का मत है कि यहाँ हेतु पीछे, फॉसिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षी (90 प्रतिशत जीवन दर के आधार पर) का घटकवार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव राहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
14. खदान की 7.5 मीटर की चौड़ी सीमा पट्टी में उत्थनन – लीज की 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी (उत्थनन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र) का क्षेत्रफल 2,014.4 वर्गमीटर है, जिसमें से 262.4 वर्गमीटर क्षेत्र 2 मीटर गहराई तक उत्थनन किया गया है, जिसका उत्तेज अनुमोदित माईनिंग प्लान में किया गया है। प्रतिबंधित 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में उत्थनन किया जाना पर्यावरणीय स्थीरकृति की शर्ती का उल्लंघन है। अतः जीव उपरात निम्नानुसार आवश्यक कार्यवाही किया जाना आवश्यक है।
15. उल्लेखनीय है कि भारत लक्ष्यनार, पर्यावरण, यन एवं जलपायु परिवर्तन नियालय, नई दिल्ली द्वारा नींव कोल माईनिंग प्रोजेक्ट्स हेतु मानक पर्यावरणीय शर्तें जारी की गई हैं। शर्त नींव VIII (i) के अनुसार-

"The Project Proponent shall develop greenbelt in 7.5m wide safety zone all along the mine lease boundary as per the guidelines of CPCB in order to arrest pollution emanating from mining operations within the lease. The whole green belt shall be developed within first 5 years starting from windward side of the active mining area. The development of greenbelt shall be governed as per the EC granted by the Ministry irrespective of the stipulation made in approved mine plan."

उक्त मानक शर्त के अनुसार मार्फत लीज क्षेत्र के अंदर 7.5 मीटर चौड़े रोपटी जीव में वृक्षारोपण किया जाना आवश्यक है।

16. गैर माईनिंग क्षेत्र – लीज क्षेत्र ने 326 वर्गमीटर क्षेत्र को संकीर्ण क्षेत्र होने के कारण से गैर माईनिंग क्षेत्र रखा गया है।
17. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय वायित्य (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा शी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के समझ प्रस्ताव से पर्यावरण निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 15 | 2% | 0.30 | Following activities at, Village- Sarbhoka | |
| | | | Pavitra Van Nirman | 2.98 |
| | | | Total | 2.98 |

18. सीईआर के अंतर्गत "परिच वन निर्माण" के तहत (आवला, बढ़ पोपल, नीम, आम, अंगूष्ठ, गैल आदि) वृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 200 नग पीढ़ी के लिए राशि 4,000 रुपये, फॉसिंग के लिए राशि 40,000 रुपये, खाद के लिए राशि 3,000 रुपये, सिंचाई एवं रख-रखाव के लिए राशि 48,000 रुपये, इस प्रवाह प्रवायम वर्ष में कुल राशि 95,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 2,03,800 रुपये हेतु घटकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। सीईआर के तहत परिच वन हेतु ग्राम पंचायत सभोंका को सहमति उपलब्ध थायीम्य स्थान (छासरा क्रमांक 215/4, केन्द्रफल 0.548 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

समिति द्वारा तत्त्वमय सर्वेसमति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. अनुमोदित क्षारी प्लान के काफरिंग लेटर (जापक क्रमांक एवं दिनांक सहित) की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
2. स्थान से महत्वपूर्ण सहजना जीस-अस्पताल, स्कूल, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं राजमार्ग आदि की दूरी संबंधी जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
3. लीज सीमा से निकटतम वन क्षेत्र की पास्तविक दूरी का तरलेख करते हुए वनमण्डलाधिकारी से जारी अनापति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
4. ऊपरी मिट्टी की भाजा एवं प्रबंधन योजना प्रस्तुत किया जाए।
5. लीज क्षेत्र की सीमा में आरो और 7.5 मीटर की पट्टी में वृक्षारोपण हेतु पीढ़ी, फॉसिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षी (90 प्रतिशत चौप्य दर की आधार पर) वन घटकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत किया जाए।
6. लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में किये गये उत्तरान्तर क्षेत्र का मुनाफावाल किये जाने हेतु रेस्टोरेशन प्लान प्रस्तुत किया जाए।
7. भाईन लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर चौड़े सेप्टी जोन के कुछ भाग में किये गये तत्त्वमय के कारण इस क्षेत्र की उपचारी उपायी (Remedial Measures) के संबंध में तथा लीज क्षेत्र के अंदर माईनिंग क्रियाकलापों के कारण उत्पन्न प्रदूषण नियंत्रण हेतु आवश्यक उपायी यथा वृक्षारोपण आदि के लिये समुचित उपायों को क्रियान्वित कराने वाला संचालक, संचालनालय, भौगोलिक तथा खानिकी, इंद्रानी भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) को लेख किया जाए।
8. कार्यालय क्लेक्टर (छनिज शाखा), जिला-कोरिया को भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ऑफिस मेमोरेंडम दिनांक 28/04/2023 के तहत परियोजना प्रस्तावक पत्र सूची में जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के पुनः अनुशंसा (re-appraisal) हेतु संबंधित नस्ती को इस कार्यालय में अदित्तम प्रेसिल किये जाने हेतु पत्र सेंख किया जाए।
9. भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 28/04/2023 को जारी जीकिस मेमोरेंडम में दिये गये निर्देश का विन्दुवार पालन किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
10. प्रतिबंधित 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में अवैध तत्त्वमय किया जाना थाये जाने पर परियोजना प्रस्तावक के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाही किये जाने हेतु

संचालक, संचालनालय, भौमिकी तथा खानिकम् को एवं पर्यावरण को कहते पहुँचाने हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण उन्नताण मण्डल, नवा रायपुर अटल नगर को नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही किये जाने हेतु लेख किया जाए।

11. ब्लास्टिंग का कार्य हीजीएमएस द्वारा अधिकृत विस्फोटक लाईरेन्स भारत (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 12. उत्तीर्णगढ़ आदर्श पुनर्वास नीलि के तहत स्थानीय सोगों को रोजगार दिये जाने हेतु शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 13. परियोजना शो जिन-जिन रस्तों से पश्चिमिय उत्तर उत्तराखण होगा, उन रस्तों पर नियमित जल छिड़काव की व्यवस्था किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा सामिज नियमों के तहत बालण्डी पिल्लर्स द्वारा सीधाकंन का कार्य सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 15. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रयाह प्राकृतिक जल स्रोत, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संबंध में विवरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है।
 16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विरुद्ध इस खदान से संबंधित बजेंडु न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं है।
 17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नीटरी से सत्यापित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके विरुद्ध भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन भवालय की अधिसूचना कांडा 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण संदिग्ध नहीं है।
 18. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
 19. माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No.114/2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस बाबत अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया जाए। उपरोक्त वाहित जानकारी / दस्तावेज प्राप्त होने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी। तदानुसार एस.ई.ए.सी., उत्तीर्णगढ़ की ज्ञापन दिनांक 22/12/2023 के परिषेक्षण में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 01/05/2024 को जानकारी / दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(१) समिति की ५३७वीं बैठक दिनांक २४ / ०६ / २०२४:

पूर्व में एसाईएसी, छत्तीसगढ़ की 53वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 को डॉ. वी.पी. मोनहरे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हो गई थी। भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं

जलकायु परिवर्तन भवालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 06/07/2024 के माध्यम से एसईएसी, छत्तीसगढ़ को अध्यक्ष ही रीटी नोन्हरे की पद से मुक्त किया जाकर विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर बौद्धिमत कराया गया। तदोपरात छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पञ्च दिनांक 16/07/2024 के माध्यम से उक्त की सूचना सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, नवा रायपुर अटल नगर को दी गई। एसईएसी, छत्तीसगढ़ की 539वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 का कार्यबाही विवरण पद मुक्त करने की सूचना की अवधि तक अनुमोदन हेतु विचारचीन था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में प्रस्तुतीवारण को दौरान समर्त दस्तावेज एवं जानकारी प्रस्तुत की गई थी। एसईएसी, छत्तीसगढ़ के एजेण्टा पञ्च दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रक्खा गया है।

(स) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न लिखित पाइ गई:-

1. अनुमोदित यारी पतान को कलहिंग लेटर (जापक क्रमांक एवं दिनांक सहित) की प्रति प्रस्तुत किये जाने के संबंध में कार्यालय कलेक्टर, खगड़ी अधिकारी, जिला-सुरजपुर के झापन क्रमांक/खनिज/2017 सुरजपुर दिनांक 02/02/2017 द्वारा जारी पञ्च की प्रति प्रस्तुत की गई है।
2. खदान से अस्पताल 500 मीटर, स्फूर्ति 550 मीटर, राष्ट्रीय राजमार्ग 3 कि.मी. एवं राजमार्ग 5 कि.मी. की दूरी पर है।
3. लौज सीमा से निकटतम घन क्षेत्र की वास्तविक दूरी का उल्लेख करते हुए घनमण्डलाधिकारी से जारी अनापत्ति प्रमाण पञ्च की प्रति प्रस्तुत किये जाने के संबंध में परियोजना प्रस्तावक का कथन है कि वर्ष 2006 में ही घन विभाग द्वारा एनओसी, जारी कर दिया गया है। यह कि घन विभाग द्वारा एनओसी, इसलिए जारी की गई है कि लौज क्षेत्र से घन भूमि कई किलोमीटर दूर है। इसी आधार पर एनओसी, जारी किया गया है। यह कि हूसी, जारी होने के उपरांत यदि यह पाया जाता है कि घन विभाग को यह अधिकार होगा कि जारी हूसी, एवं लौज दोनों निरस्त कर दिया जाये इसके लिए मुझे कोई आपत्ति नहीं होगा। समिति का मत है कि अद्यतन लिखित में लौज सीमा से जारी अनापत्ति प्रमाण पञ्च की प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
4. ऊपरी मिट्टी की मत्रा एवं प्रवाहन योजना प्रस्तुत नहीं किया गया है।
5. लौज क्षेत्र की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी में वृक्षारोपण हेतु पौधों, फॉसिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों (90 प्रतिशत जीवन दर

के आधार पर) का घटकवार व्यय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव सहित प्रस्तुत नहीं किया गया है।

6. लीज होम के घारों और 7.5 मीटर बीड़ी सीमा पट्टी में किये गये उत्थनित होम का पुनर्माय किये जाने हेतु रेस्टोरेशन प्लान प्रस्तुत नहीं किया गया है।
7. भारत सरकार की पर्यावरण, बन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 28/04/2023 को जारी ऑफिच मेमोरांडम में दिये गये निर्देश का विन्दुवाप पालन किये जाने वाला वाक्त शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. ब्लास्टिंग का कार्य डी.जी.एम.एस. द्वारा अधिकृत विस्फोटक लाइसेंस धारक (Explosive License Holder) द्वारा कराये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के तहत स्थानीय लोगों को रोजगार दिये जाने हेतु शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. परियोजना से जिन-जिन स्थलों से प्रयुक्तिटिय ड्रेट उत्पार्जन होगा, उन स्थानों पर नियमित जल छिड़काय की व्यवस्था किये जाने वाला वाक्त शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खनिज नियमों के तहस बातुण्डी पिल्लाने द्वारा सीमान्न का कार्य सुनिहित किये जाने वाला वाक्त शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल जल प्रवाह प्राकृतिक जल स्त्रीत, लालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संबंध में न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लकित नहीं है।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके पिल्लह इस खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लकित नहीं है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा इस आशय का नोटरी से सत्यापित अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उनके विलहू भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिकृतना का.आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई सल्लाधन का प्रकरण लकित नहीं है।
15. मानवीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 की common cause vs. Union of India writ petition (C) 114 of 2014 में दिये गये निर्देश का पालन किया जावेगा। इस वाक्त अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
16. मानवीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस वाक्त अंडरटेकिंग (Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।

समिति द्वारा विवार विभार उपर्युक्त सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. अद्यतन रिप्पलि में लीज सीमा से निकटतम घन क्षेत्र की वास्तविक दूरी का उल्लेख करते हुए चन्नमण्डलाधिकारी से जारी अनापल्टि प्रमाण पत्र की इति प्रस्तुत किया जाए।

2. उपरी मिट्टी की भाँति एवं प्रवर्धन योजना प्रस्तुत किया जाए।

3. लीज क्षेत्र की सीमा में चारों ओर 7.5 मीटर की पट्टी में वृक्षारोपण हेतु पीघों, फेसिंग, खाद एवं सिंचाई तथा रख-रखाव के लिए 5 वर्षों (90 प्रतिशत जीवन दर के आधार पर) का घटकावार आय का विवरण विस्तृत प्रस्ताव राहित प्रस्तुत किया जाए।

4. लीज क्षेत्र के चारों ओर 7.5 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी में किये गये उत्तमभित्ति क्षेत्र का पुनर्माय किए जाने हेतु रेस्टोरेशन फान प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाहिता यानकारी/प्रस्तावित प्राप्त होने उपरात आगामी कार्यवाही की जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए।

11. मैसरी मौज्बालामुखी स्टोन क्रशर (प्रौ.- श्री कमलेश कुमार गुप्ता), शाम-सिंगरीली, तहसील-भरतपुर, जिला-कोरिया (साधिवालय का नम्बर ३८८० क्रमांक २५४६)

मारत रारकार के पर्यावरण, घन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा ऑफिस मेमोरेंडम दिनांक २८/०४/२०२३ जारी किया गया है, जिसको पैरा ४ में जिस प्रबंधान है—

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAA shall be reappraised through SEAC/SEIAA in compliance to the order of the Hon'ble N.G.T in O.A.142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त ऑफिस मेमोरेंडम के तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा जिला स्तरीय पर्यावरण समाचार नियांत्रण प्राधिकरण रो जारी पर्यावरणीय स्थीकृति के पुनः अनुशासा (re-appraisal) हेतु एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के समक्ष ऑनलाइन आवेदन किया गया है।

ऑनलाइन आवेदन — प्रपोजल नम्बर — एसआईए.सी.ए. /एमआईएन / 433314 / 2023, दिनांक 30/06/2023 द्वारा पर्यावरणीय स्थीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से संचालित पल्लव (गीण चानिज) खदान है। खदान शाम-सिंगरीली, तहसील-भरतपुर, जिला-कोरिया स्थानक्रमांक ८०१, जल क्षेत्रफल-३.९ हेक्टेयर में है। खदान की आवेदित ऊल्यनन कमता-६८,६७९ टन प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 17/08/2023 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठकों का विवरण –

(अ) समिति की 484वीं बैठक दिनांक 25/06/2023:

प्रस्तुतीकरण हेतु कोई भी प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा कोई अनुरोध पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

समिति द्वारा तत्समय संवैसम्मति से निर्णय लिया गया था कि परियोजना प्रस्तावक द्वारा घोषित जानकारी एवं अनुरोध पत्र प्राप्त होने पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

लदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसड़ेसी. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 24/06/2024 द्वारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

(ब) समिति की 539वीं बैठक दिनांक 28/06/2024:

पूर्व में एसड़ेसी. छत्तीसगढ़ की 539वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 को डॉ. बी.पी. नोन्हरे वी. अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी। भारत सरकार, पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 06/07/2024 के माध्यम से एस.डॉ.सी. छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. बी.पी. नोन्हरे को पद से मुक्त किया जावार पिंडिया संवित, छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर को अवगत कराया गया। तदीपशत छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पत्र दिनांक 16/07/2024 के माध्यम से उक्त वी. सूचना सदस्य संवित, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संकाण मण्डल, नवा रायपुर अटल नगर को दी गई। एसड़ेसी. छत्तीसगढ़ की 539वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 का कार्यवाही विवरण पद मुक्त करने की सुनिना की अवधि तक अनुमोदन हेतु पिंडिया दीन था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में प्रस्तुतीकरण के दौरान समस्त दस्तावेज एवं जानकारी प्रस्तुत की गई थी। साथ ही परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 25/02/2025 को अतिरिक्त जानकारी प्रस्तुत की गई है। एसड़ेसी. छत्तीसगढ़ के एजेंट्स पत्र दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(स) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री दीपक कुमार गुप्ता, अधिकृत प्रतिनिधि उपस्थित हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाई गई—

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी विवरण—

- i. पूर्व में खादन खाना क्रमांक 801, कुल हॉटफल-3.9 हेक्टेयर, क्षमता-26,415 घनमीटर (58,670 टन) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जिला सतरीय पर्यावरण समाधान निर्धारण प्राधिकरण, जिला-कोरिया द्वारा दिनांक 27/09/2016 को जारी की गई। यह स्वीकृति दिनांक 31/03/2026 तक की अवधि हेतु पैम है।
- ii. परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के लक्षी के पालन में की गई कार्यवाही की स्व-प्रमाणित जानकारी प्रस्तुत की गई है।

- iii. निर्धारित शार्टनुसार वृक्षारोपण किया गया है।
- iv. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—मरतपुर के झापन झामाक ७७/खनिज/उप/2023 एम.बी.सी., दिनांक ०२/०६/२०२३ द्वारा विगत वर्षों में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है—

| वर्ष | उत्पादन (घनमीटर) |
|---------|------------------|
| 2018-19 | 1,360 |
| 2019-20 | 3,428 |
| 2020-21 | 2,619 |
| 2021-22 | 9,369 |
| 2022-23 | 4,155 |

2. शाम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र — उत्खनन एवं कृषक के संबंध में शाम पंचायत सिंगरीली का दिनांक २५/०५/२०१५ का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
3. उत्खनन योजना — यदारी पतान एलांग विथ यदारी क्लौजर प्लान विथ इन्हारीमैट मेनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है जो शानि अधिकारी, जिला—कोरिया के झापन झ. 1049/खनिज/रथा/2015/कोरिया वैकुण्ठपुर, दिनांक २१/०८/२०१५ द्वारा अनुमोदित है।
4. ५०० मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—मरतपुर के झापन झामाक ७७ ए/खनिज/उप/2023 एम.बी.सी., दिनांक ०२/०६/२०२३ के अनुसार आवेदित खदान से ५०० मीटर की भीतर अवशिष्ट अन्य खदानों की ताल्या निरक है।
5. २०० मीटर ली. परिधि में स्थित सार्वजनिक होज़/संरचनाएँ — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—मनेन्द्रगढ़—चिरमिरी—मरतपुर के झापन झामाक ७७/खनिज/उप/2023 एम.बी.सी., दिनांक ०२/०६/२०२३ द्वारा जानी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से २०० मीटर की परिधि में भी सार्वजनिक संरचनाएँ छीसे नदी, चांथ, नदिर, मरिजाद, रक्षूल, अरपताल इत्यादि प्रतिबंधित होज़ निर्मित नहीं हैं।
6. गूमि एवं लीज़ डीड संबंधी विवरण — यह जासकीय भूमि है। लीज़ मेसासे गौ ज्वालामुखी रस्टोन कृषक (प्रो.— श्री वनसेश कुमार गुप्ता) के नाम पर है। लीज़ डीड ३० वर्षों अर्थात् दिनांक २०/०१/२०१७ से १९/०१/२०४७ तक की अवधि हेतु कैध है।
7. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट — वर्ष २०१९ की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
8. बन विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र — कार्यालय बनमंडलाधिकारी, (रा.) मनेन्द्रगढ़ बनमंडल, जिला—मनेन्द्रगढ़ के झापन झामाक/मा.चि./२०१४/१००७ मनेन्द्रगढ़, दिनांक ०९/०७/२०१४ से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र के अनुसार आवेदित होज़ बन होज़ ली शीमा रो ३७० मीटर ली दूरी पर है। आवेदित स्थल पर पेंड की ताल्या है।

9. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटसम पाम-सिंगरीली 2 कि.मी. एवं अस्पताल पाम-हरखोका 15 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राज्यमार्ग 5 कि.मी. दूर है। बनास नदी 5 कि.मी. दूर स्थित है।
10. पारिस्थितिकीय/जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिधि में अंतर्राष्ट्रीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण और द्वारा घोषित विटिकली पॉल्युटेड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
11. खनन रूपदा एवं खनन का विवरण – जियोलॉजिकल रिजर्व 12,16,800 टन, माझनेवल रिजर्व 10,60,254 टन एवं रिक्वरेबल रिजर्व 9,54,228 टन है। लीज की 7.5 मीटर ऊँड़ी सीमा पट्टी (उत्खनन के लिए प्रतिवेदित होता) का क्षेत्रफल 3,700 वर्गमीटर है। ऊपर कास्ट सेमी गेकेनाइज्ड विधि से उत्खनन किया जाता है। उत्खनन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई (हिलरीक) 6 मीटर है। हिलरीक होने के कारण ऊपरी मिट्टी नहीं है। बेच की ऊँड़ाई 1.5 मीटर एवं ऊँड़ाई 1.5 मीटर है। खदान की संभावित आयु 21 वर्ष है। लीज क्षेत्र में क्रशर स्थापित है, जिसका क्षेत्रफल 1,500 वर्गमीटर है। जैक हेमर से हिलिंग एवं कटौल ब्लास्टिंग किया जाता है। खदान में बायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु जल का शिक्कायत किया जाता है। वर्षावार प्रस्तावित उत्खनन का विवरण निम्नानुसार है:-

| वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) | वर्ष | प्रस्तावित उत्खनन (टन) |
|---------|------------------------|-------|------------------------|
| प्रथम | 26,223.60 | पहला | 52,644.80 |
| द्वितीय | 37,284.00 | सप्तम | 56,992.00 |
| तृतीय | 39,815.10 | अष्टम | 61,058.40 |
| चतुर्थ | 43,017.00 | नवम | 65,590.20 |
| पंचम | 49,575.50 | दशम | 68,679.00 |

12. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 10 घनमीटर प्रतिदिन होगी। जल की आपूर्ति टैकर के नाल्यम से की जाएगी। इस बाबत पाम व्यायाम का अनापूर्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
13. यूक्तारोपण कार्य – लीज क्षेत्र की सीमा में तारों और 7.5 मीटर की पट्टी में 1,525 रुपये यूक्तारोपण किया जाएगा। प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार यूक्तारोपण के लिए राशि 1,52,500 रुपये, खाद की लिए राशि 85,000 रुपये, सिचाई के लिए राशि 25,000 रुपये, फॉर्सिंग तथा रस्ता-रखाव आदि के लिए राशि 80,000 रुपये तथा अन्य खर्च के लिए राशि 25,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 3,67,500 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,96,000 रुपये हेतु घटकबार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है।
14. खदान की 7.5 मीटर की ऊँड़ी सीमा पट्टी में उत्खनन – लीज क्षेत्र के तारों और 7.5 मीटर की सीमा पट्टी में उत्खनन कार्य नहीं किया गया है।
15. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सी.ई.आर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के समझ विकास से चर्चा चापरांत निम्नानुसार विस्तृत प्रस्तुत किया गया है:-

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 20 | 2% | 0.40 | Following activities at, Village-Singroll | |
| | | | Pavitra van Niran | 4.56 |
| | | | Total | 4.56 |

सीईआर, जो अंतर्गत याम-सिंगरीली के शासकीय भूमि में बृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 1,000 नग घीघो के लिए राशि 1,00,000 रुपये, खाद के लिए राशि 65,000 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 26,000 रुपये, फेंसिंग तथा रख-रखाव आदि के लिए राशि 75,000 रुपये तथा अन्य खर्च के लिए राशि 25,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 2,90,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 1,66,000 रुपये हेतु घटकायार रूप से यह प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम पश्चायत रिंगरीली के सहमति उपरात शायायोग्य स्थान (खासरा क्रमांक 781, क्षेत्रफल 4.27 हेक्टेयर में से 0.4 हेक्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

16. परियोजना से संबंधित शापथ पत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा पर्युजिटिव डस्ट उत्तरसर्जन नियंत्रण संघन बृक्षारोपण एवं 90 प्रतिशत जीवन स्तर सुनिश्चित, ही जी एमएस, द्वारा कन्ट्रोल ब्लॉकिंग, सीईआर के लहर प्रस्तावित कर्त्तव्य एवं संबंधित शाखा से कर्त्तव्य पूर्ण प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने, छल्लीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति के लहर रोजगार, खनिज निवासों के लहर सीमांकन, प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन आदि बाबत शापथ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
17. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शापथ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया कि उनके विशद्द इस परियोजना/खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकारण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय ने लबित नहीं है।
18. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शापथ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया कि उसके विशद्द भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय वरी अधिकारीय कांडा, 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकारण लबित नहीं है।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शापथ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 02/08/2017 को Common Cause vs. Union of India Writ Petition (C) 114 of 2014 में दिए गए दिशा निर्देशों का मेरे द्वारा पालन किया जायेगा।
20. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शापथ पत्र (Notarized Undertaking) प्रस्तुत किया गया कि माननीय सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिनांक 08/01/2020 को writ petition (S) Civil No.114 /2014 common cause vs. Union of India & Ors. में दिये गये दिशा निर्देशों का पालन किया जाएगा।

(Signature)
समिति हारा विचार विमर्शी उपरांत सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. आवेदित केव से निकटतम राष्ट्रीय खदान, बन्सजीय अभयारण्य तथा घोषित जैव विविधता क्षेत्र की दूरी बाबत जानकारी, संबंधित दन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाहित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने उपरांत आगामी कार्यवाही बीमा जाएगी।

परियोजना प्रस्तावक को तदानुसार सूचित किया जाए।

12. मेसार्ट तलवापारा लिक्स अर्थक्ले क्षारी एण्ड फिल्स लिमिटेड प्लाट (प्रो.— श्री गुभाष चन्द्र साहू), याम—तलवापारा, तहसील—बैकुण्ठपुर, ज़िला—कोरिया (साधिवालय का नस्ती क्रमांक 1887).

ऑनलाइन आवेदन — प्रपोजल नम्बर — एसआईए/ सीरी/ एमआईएन/ 247313/2021, दिनांक 25/12/2021 हारा पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु आवेदन किया गया है।

प्रस्ताव का विवरण — यह पूर्व से समर्पित मिट्टी उत्खनन (गौण खनिज) खदान है। खदान याम—तलवापारा, तहसील—बैकुण्ठपुर, ज़िला—कोरिया स्थित खासरा क्रमांक 31/53, 31/55 एवं 31/56, कुल क्षेत्रफल—0.89 हेक्टेयर में है। खदान की आवेदित उत्खनन क्षमता — 750 घनमीटर (इंट निमोण इकाई 5,00,000 नग) प्रतिवर्ष है।

तदानुसार परियोजना प्रस्तावक को एसईएसी, छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 12/04/2022 हारा प्रस्तुतीकरण हेतु सूचित किया गया।

बैठकों का विवरण —

(अ) समिति की 404वीं बैठक दिनांक 19/04/2022:

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री गुभाष चन्द्र साहू, प्रौपराईटर उपस्थित हुए। समिति हारा नस्ती प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाइ गई—

- i. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति संबंधी डिक्रेशन—

- i. पूर्व में मिट्टी खदान खासरा क्रमांक 31/53, 31/55 एवं 31/56, कुल क्षेत्रफल — 0.89 हेक्टेयर, क्षमता — 750 घनमीटर (इंट उत्पादन 5,00,000 नग) प्रतीक्षित हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति जिला स्तरीय पर्यावरण समाधान निर्धारण प्राप्तिकरण, ज़िला—कोरिया हारा दिनांक 18/03/2017 जो जारी की गई। यह स्वीकृति जारी दिनांक से 5 वर्ष तक की अवधि हेतु जारी की गई।
- ii. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति को शर्तों के पालन में वर्ण गई कार्यवाही की जानकारी अपूर्ण प्रस्तुत की गई है। समिति का मत है कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों को पूर्ण कर प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
- iii. निर्धारित शर्तानुसार युक्तारोपण नहीं किया गया है।
- iv. बनायालय कलेक्टर (खनिज शाखा), ज़िला—कोरिया के ज्ञापन क्रमांक /1801/ खनिज/ चप./2021 कोरिया, बैकुण्ठपुर, दिनांक 18/11/2021 हारा दिग्त यांत्री में छिये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है—

| वर्ष | उत्पादन (नग) |
|------|--------------|
| 2017 | 3,01,000 |
| 2018 | 5,00,000 |
| 2019 | 5,00,000 |
| 2020 | 4,50,000 |
| 2021 | 3,50,000 |

समिति द्वारा नोट किया गया कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-कोरिया द्वारा प्रस्तुत उत्पादन आँकड़ों में कैपल हीटी की संख्या का उल्लेख है। इससे यह स्पष्ट नहीं है कि विगत वर्षों में किलनी मात्रा में मिटटी उत्थानन किया गया है। समिति का मत है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) से विगत वर्षों में किये गये मिटटी उत्थानन की मात्रा की जानकारी परियोजना प्रस्तावक से मंगाया जाना आवश्यक है।

2. नगर पालिका परिषद का अनापस्त प्रमाण पत्र — उत्थानन के संबंध में नगर पालिका परिषद बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया का दिनांक 27/02/2013 का अनापस्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। यानि पंचायत वा अनापस्त प्रमाण पत्र की अद्यतन प्रति प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
3. उत्थानन योजना — ज्ञारी प्लान एलॉग विधि क्षारी कलोजर प्लान एलॉग इन्हायरीमेट मेनेजमेंट प्लान प्रस्तुत किया गया है, जो खानि अधिकारी, जिला-सूरजपुर के ज्ञापन क्रमांक 435/खनिज/2017 सूरजपुर, दिनांक 14/02/2017 द्वारा अनुमोदित है।
4. 500 मीटर की परिधि में स्थित खदान — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-कोरिया के ज्ञापन क्रमांक 1602/खनिज/लप/2021 कोरिया, बैकुण्ठपुर, दिनांक 18/11/2021 को अनुसार आवेदित खदान से 500 मीटर की भीतर अवस्थित अन्य खदानों की संख्या निरक है।
5. 200 मीटर की परिधि में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र/सरबनाए — कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-कोरिया के ज्ञापन क्रमांक 1603/खनिज/लप/2021 कोरिया, बैकुण्ठपुर दिनांक 18/11/2021 द्वारा ज्ञारी प्रमाण पत्र अनुसार उक्त खदान से 200 मीटर की परिधि में छोड़ जी सार्वजनिक क्षेत्र जैसे रेललाइन, नहर, भवन, स्कूल, मरिजद, मरघट एवं अप्यताल आदि प्रतिबन्धित क्षेत्र निर्मित नहीं हैं।
6. लीज का विवरण — लीज जी सुमाप चन्द्र साहु के नाम पर है। लीज जीड 05 वर्षी अर्थात् दिनांक 18/08/2009 से 17/08/2014 तक जी अवधि हेतु दी थी। तत्पश्चात् लीज जीड में 25 वर्षी जी, दिनांक 18/08/2014 से 17/08/2039 तक जी अवधि दी जाएगी।
7. गृह-स्थानित्व — गृही संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया है।
8. डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट — वर्ष 2019 की डिस्ट्रीक्ट सर्वे रिपोर्ट (District Survey Report) की प्रति प्रस्तुत की गई है।
9. बन विभाग का अनापस्त प्रमाण पत्र — कार्यालय बनमण्डलाधिकारी, कोरिया बनमण्डल, बैकुण्ठपुर के ज्ञापन क्रमांक/माधि./168 बैकुण्ठपुर, दिनांक 06/02/2009 से ज्ञारी अनापस्त प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।

10. महत्वपूर्ण संरचनाओं की दूरी – निकटतम ग्रामीण साम-तलवापारा 1 कि.मी., पक्का ग्राम-तलवापारा 1.5 कि.मी. एवं अस्पताल बैकुण्ठपुर 3 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 2.5 कि.मी. दूर है।
11. पारिसिध्दिकीय/जैवविविधता क्षेत्र – परियोजना प्रस्तावक द्वारा 10 कि.मी. की परिभि में अंतर्राज्ञीय सीमा, राष्ट्रीय उद्यान, अभयारण्य, कैन्दीय प्रदूषण विशंखण बोर्ड द्वारा घोषित क्लिटिकली पॉल्यूटेंट एरिया, पारिसिध्दिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं होना प्रतिवेदित किया है।
12. खनन संपदा एवं स्थगन का विवरण – अनुमोदित माइनिंग प्लान अनुसार जियोलीजिकल रिजर्व 17,800 चम्मीटर एवं माइनेबल रिजर्व 9,325 चम्मीटर है। यहांगान में माइनेबल रिजर्व 5,123 चम्मीटर है। लीज की 1 मीटर औड़ी तीमा पटटी (उत्थानन के लिए प्रतिबंधित होत्र) का क्षेत्रफल 350 वर्गमीटर है। औपन कास्ट मैन्युअल विधि से उत्थानन किया जाता है। उत्थानन की प्रस्तावित अधिकतम गहराई 2 मीटर है। बेच की ऊंचाई 1 मीटर एवं चौड़ाई 1 मीटर है। लीज क्षेत्र की भीतर 0.12 हेक्टेयर में क्षेत्र ईंट निर्माण हेतु भृता स्थापित है। ईंट निर्माण हेतु गिट्टी के साथ 25 प्रतिशत फलाई ऐश का उपयोग किया जाता है। स्थान की समावित आयु 10 वर्ष है। खदान में वायु प्रदूषण विशंखण हेतु जल का छिङ्काव किया जाता है। वर्षावार प्रस्तावित उत्थानन का विवरण निम्नानुसार है:-

| वर्ग | प्रस्तावित उत्थानन (चम्मीटर) | उत्पादन (नग) |
|---------|------------------------------|--------------|
| प्रथम | 750 | 5,00,000 |
| द्वितीय | 750 | 5,00,000 |
| तृतीय | 750 | 5,00,000 |
| चतुर्थ | 750 | 5,00,000 |
| पंचम | 750 | 5,00,000 |

13. जल आपूर्ति – परियोजना हेतु आवश्यक जल की मात्रा 6.6 चम्मीटर प्रतिदिन होगी। जल की आपूर्ति टैंकर द्वारा ग्राम पंचायत के नाम्यम से किया जाएगा। इस बाबत साम पंचायत का अनापत्ति प्रभाग जल प्राप्त प्रस्तुत किया गया है।
14. बृक्षाशोषण कार्य – लीज क्षेत्र की सीमा में जारी बार 1 मीटर की पटटी में 170 नग बृक्षाशोषण किया जाएगा।
15. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के समक्ष विस्तार से बद्दो उपरात निम्नानुसार विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है:-

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 23 | 2% | 0.46 | Following activities at Village- Talvapara | |

| | | | | |
|--|--|-------------------|-----|------|
| | | Pavitra Nirman | Van | 2.24 |
| | | Total | | 2.24 |

16. श्री.ई.आर के अतर्गत "पवित्र वन" के लहल (अंगिला, बड़ी पीपल, नीम, आम, अर्जुन, बेल आदि) बृक्षारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 200 नग पीढ़ी के लिए राशि 600 रुपये, कॉरिंग के लिए राशि 40,000 रुपये, खाद के लिए राशि 700 रुपये एवं रख-रखाव के लिए राशि 36,000 रुपये, इस प्रकार कुल राशि 2.24,100 रुपये, 5 पर्क हेतु घटकावार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा ग्राम पंचायत तलवापारा के सहमति उपरांत यथायोग्य रथान (त्यसरा क्रमांक 51 / 3, क्रमांक 0.405 हेल्टेयर) के संबंध में जानकारी प्रस्तुत की गई है।

समिति द्वारा तत्समय सर्वसम्मति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया था:-

- पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की जानकारी पूर्ण कर प्रस्तुत की जाए।
- कार्यालय कलेक्टर (खनिज दाखि) से विगत वर्षों में किये गये निम्नी उत्खनन की मात्रा की जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
- ग्राम पंचायत का अनापत्ति प्रमाण पत्र की अद्यतन प्रति प्रस्तुत किया जाए।
- लीज सीमा से निकटतम बन होड़ की वास्तविक दूरी संबंधी जानकारी हेतु बन विभाग से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र की प्रति प्रस्तुत किया जाए।
- भू-स्थानिक संबंधी दस्तावेज की प्रति प्रस्तुत की जाए। साथ ही उत्खनन हेतु भूमि स्थानी का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाए।
- जिम-जैग किल्न की निर्माण हेतु झाइंग, लिजाइंग एवं विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
- इंट निर्माण हेतु उपयोग में लाए गए कोयले की मात्रा एवं उससे पनिल ऐश की मात्रा एवं रिजेक्ट ब्रिक्स (Rejected bricks) / ब्रोकन ब्रिक्स (Broken bricks) को उपयोग की जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए। साथ ही इंट निर्माण हेतु स्थानिक किल्न विभागी की कुचाई संबंधी जानकारी प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वाचित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने तकरात आगामी कार्यवाही की जाएगी। तदानुसार एसडॉ.ए.सी. छत्तीसगढ़ के ड्वापन दिनांक 01 / 06 / 2022 के परिपेक्ष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 18 / 04 / 2023 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(ब) समिति की 464वीं बैठक दिनांक 11 / 05 / 2023:

समिति द्वारा मर्स्टी, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न रिपोर्ट पाइ गई:-

- परियोजना प्रस्तावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की जानकारी पूर्ण कर प्रस्तुत किया जाना बताया गया है। समिति का मत है कि उक्त की पुष्टि हेतु एकीकृत सेवीय कार्यालय, भारत सरकार, प्रशासन,

वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पालन प्रतिवेदन मंगाया जाना आवश्यक है।

2. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) से विगत बारी में किये गये मिट्टी उत्खनन की मात्रा की जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत नहीं किया गया है।
3. ग्राम पंचायत सत्रवापार का दिनांक 14/05/2022 का अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
4. कार्यालय यन्मण्डलाधिकारी, कोरिया यन्मण्डल, बैकूण्ठपुर के ज्ञापन इमारत/तक.क. / 1466 बैकूण्ठपुर, दिनांक 24/03/2023 से जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र अनुसार आवेदित होते वन होते की सीमा से 6.41 कि.मी. की दूरी पर है।
5. भूनि खसरा इमारत 31/53, 31/55 एवं 31/56 श्री रमेश चन्द्र साहू एवं आवेदक के नाम पर है। उत्खनन हेतु श्री रमेश चन्द्र साहू का सहमति पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।
6. जिग-जीग किल्न के निर्माण हेतु हाईग डिजाईन एवं विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।
7. परियोजना प्रस्तावक हारा बताया गया कि एक लाख ईंट निर्माण हेतु । इन कोयले की आवश्यकता होगी। समिति हारा पाया गया कि उक्त प्रस्ताव उपयुक्त नहीं है। अतः कोयले की आवश्यकता एवं उससे जनित फलाई ऐश के संबंध जानकारी गणना सहित प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।
8. रिजेक्ट ब्रिक्स (Reject bricks)/ब्रोकन ब्रिक्स (Broken bricks) का उपयोग पहुंच मार्ग के संशोधन में किया जाएगा। लौज दोज के भीतर फिल्स चिननी की लंबाई 33 मीटर रथापिल है।

समिति हारा उत्समय सर्वसम्मति से निमानुसार निर्णय लिया गया था:-

1. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन में की गई कार्यवाही की पुष्टि हेतु एकीकृत होतीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर से पालन प्रतिवेदन मंगाया जाए।
2. कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) से विगत बारी में किये गये मिट्टी उत्खनन की मात्रा की जानकारी प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।
3. उत्खनन हेतु श्री रमेश चन्द्र साहू का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाए।
4. कोयले की आवश्यकता एवं उससे जनित फलाई ऐश के संबंध जानकारी गणना सहित प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वासित जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने तकरात आगामी कार्यवाही की जाएगी। तदनुसार एस.इ.ए.री. छत्तीसगढ़ के ज्ञापन दिनांक 22/06/2023 के परिपेक्ष्य में परियोजना प्रस्तावक हारा दिनांक 29/04/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

(स) समिति की 538वीं बैठक दिनांक 28/06/2024:

पूर्व में एस.इ.ए.री. छत्तीसगढ़ की 538वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 को डॉ. वी.पी. नौन्हरे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी। भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं

जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 05/07/2024 से मात्रमें एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. शी.पी. नोन्हरे को पद से मुक्त किया जाकर विधायक सभिय, छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानंदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर को अवगत कराया गया। तदोपरात छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानंदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पत्र दिनांक 16/07/2024 के मात्रमें से उक्त की सूचना सदस्य सभिय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, नवा रायपुर अटल नगर को दी गई। एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ की 53वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 का कार्यवाही विवरण पद मुक्त करने की सूचना की अधिक तथा अनुमोदन हेतु विद्यालयीन था।

एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ ने एजेंट्स पत्र दिनांक 26/02/2025 के मात्रमें 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

(द) समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025

समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अवलोकन एवं परीक्षण करने पर निम्न स्थिति पाइ गई:-

- परियोजना प्रत्यावक द्वारा पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों के पालन के संबंध में स्व-प्रमाणित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है। भारत सरकार पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ओफिस में प्रेस्ट्रिडम दिनांक 08/06/2022 में कामता विस्तार के प्रकल्पों हेतु सी.सी.आर की जावश्यकता के संबंध में दिशा निर्देश जारी किया गया है। समिति द्वारा पाया गया कि आवेदित प्रकल्प कामता विस्तार का नहीं है। अतः आवेदित प्रकल्प हेतु सी.सी.आर की जावश्यकता नहीं है।
- कार्यालय कलेक्टर (छनिज शाखा) बैकुण्ठपुर, जिला-कोरिया के ज्ञापन क्रमांक /790/छनिज/उ.प./2023 बैकुण्ठपुर, कोरिया, दिनांक 22/03/2024 द्वारा दिग्दं वर्षों में किये गये उत्खनन की जानकारी निम्नानुसार है:-

| वर्ष | उत्पादन नग/घनमीटर में |
|---------|------------------------|
| 2021-22 | 4,90,000 नग/980 घनमीटर |
| 2022-23 | मिस्रक |

- समिति द्वारा नोट किया गया कि पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में कामता 750 घनमीटर (इंट निमाण ईकाई 5,00,000 नग) का उल्लेख है, जबकि परियोजना प्रत्यावक द्वारा दिग्दं वर्षों में किये गये उत्खनन की नात्रा के संबंध में प्रस्तुत जानकारी में वर्ष 2021-22 में 980 घनमीटर (4,90,000 नग) उत्खनन किया गया है। समिति का मत है कि उपरोक्त नात्रा से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में उल्लेखित कामता 750 घनमीटर के अनुसार वर्ष 2021-22 में की गई मिट्टी उत्खनन की नात्रा अधिक है, परन्तु इंट निमाण की सरक्का 5,00,000 नग से कम है। उपरोक्त विस्तारियों के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुये व्यावर्तिक जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।



4. पूर्व में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-कोरिया द्वारा दिनांक 18/11/2021 को जारी प्रमाण पत्र में उत्पादन आवधों में केवल ईटों की संख्या का उल्लेख है, इससे यह स्पष्ट नहीं है कि विगत वर्षों में कितनी मात्रा में मिट्टी उत्खनन किया गया है। समिति का मत है कि कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) से विगत वर्षों में किये गये मिट्टी उत्खनन की मात्रा की जानकारी परियोजना प्रस्तावक से मंगाया जाना आवश्यक है।
5. मुमी खनन क्रमांक 31/53, 31/55 एवं 31/56 भी रमेश चन्द्र साहू श्रीमती गुलाब वर्ती एवं आयोदक के नाम पर हैं। उत्खनन हेतु भी रमेश चन्द्र साहू एवं श्रीमती गुलाब वर्ती का सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है।
6. प्रत्येक 1 लाख नग ईट बनाने में 12 टन कोयले की मात्रा की लागत आती है। अतः इस उद्योग में प्रति वर्ष 3,75,000 नग ईट उत्पादन किया जाता है फलस्वरूप प्रति वर्ष 45 टन कोयला लगता है एवं उससे जनित पलाई ऐस की मात्रा 5-6 प्रतिशत होता है।

समिति द्वारा विचार विषयी उपरोक्त सर्वसम्मति से मिमान्सार निर्णय लिया गया:-

1. जारी पर्यावरणीय स्वीकृति में उल्लेखित शमता 750 मानमीटर के अनुसार वर्ष 2021-22 में की गई मिट्टी उत्खनन की मात्रा अधिक है, परन्तु ईट निर्माण की संख्या 5,00,000 नग से कम है। उपरोक्त विसंगतियों के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत करते हुये वापतविक जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया जाए।
2. पूर्व में कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-कोरिया द्वारा दिनांक 18/11/2021 को जारी प्रमाण पत्र में उत्पादन आवधों में केवल ईटों की संख्या का उल्लेख है, इसारी यह स्पष्ट नहीं है कि विगत वर्षों में कितनी मात्रा में मिट्टी उत्खनन किया गया है। अतः कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) से विगत वर्षों में किये गये मिट्टी उत्खनन की मात्रा की जानकारी प्रस्तुत किया जाए।

उपरोक्त वापत जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने उपरोक्त आगामी कार्यवाही की जाएगी। परियोजना प्रस्तावक की लदानुसार सुधित किया जाए। साथ ही कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला-कोरिया को पत्र लेख किया जाए।

13. मेसर्स चनाडोंगरी बिल्स अर्थ क्वारी (प्रो.- श्री कौमल प्रसाद पांडे), ग्राम-चनाडोंगरी, तहसील-तथातपुर, जिला-बिलासपुर (सचिवालय का नस्ती क्रमांक 2641) भारत सरकार के पर्यावरण वन एवं जलवायु मंत्रालय नई दिल्ली द्वारा औपिस मेमोरेण्डम दिनांक 28/04/2023 जारी किया गया है, जिसके पैरा 4 में निम्न प्रावधान है-

"The matter has been examined in the Ministry and accordingly it has been decided that all valid ECs issued by DEIAAs shall be reappraised through SEAC/SEIAAs in compliance to the order of the Hon'ble NGT in O.A.142 of 2022. In view of above, it is hereby directed that all concerned SEACs shall re-appraise the ECs issued by DEIAAs between 15.01.2016 and 13.09.2018 (including both dates) and all fresh ECs in this regard shall be granted only by SEIAAs based on such appraisal. The exercise shall be completed within a time period of one year from the date of issue of this OM. DEIAAs shall transfer all such files where ECs have



been granted to concerned SEIAA within a time period of one month from issue of this OM."

उक्त ऑफिस मेमोरांडम के तहत परियोजना प्रस्तावक द्वारा जिला स्तरीय पर्यावरण समाधान निधारण प्राधिकरण से जारी पर्यावरणीय स्वीकृति के पुनः अनुशंसा (re-appraisal) हेतु एस.ई.ए.सी. उत्तीर्णगढ़ के समक्ष ऑनलाईन आवेदन किया गया है।

| विषय वस्तु | आवेदित प्रकरण से संबंधित विवरण | समिति द्वारा नोट किया गया कि |
|--|--|--|
| ऑनलाईन आवेदन | ई.सी. - 440206 एवं 18 / 08 / 2023 ई.सी.एस. जारी दिनांक - 13 / 09 / 2023 पानकारी प्राप्ति दिनांक - 21 / 10 / 2023 | |
| खदान का प्रकार | मिट्टी (गोण शानिज) | संचालित |
| होत्रफल एवं क्षमता | 2.152 हेक्टेयर एवं 2,200 घनमीटर प्रतिवर्ष | |
| खसारा कमांक | 891, 892, 893, 894, 911, 915, 918, 919 एवं 920 | |
| मू-स्वामित्व | निजी मूमे खसारा कमांक 911, 915 और तीसरा पाड़ खसारा कमांक 891, 893, 919 श्री बरीलाल पाड़ खसारा कमांक 892, 894, 920, 918 - श्री योगत प्रसाद पाड़ (आवेदक) के नाम पर है। | सहमति पत्र प्राप्त |
| बैठक का विवरण | 603वीं बैठक दिनांक 20 / 12 / 2023 | प्रस्तुतीकरण हेतु सूचना दिनांक 16 / 12 / 2023 |
| प्रस्तुतीकरण हेतु सुप्रिधित प्रतिनिधि | | श्री बरीलाल पाड़, अधिकृत प्रतिनिधि सुप्रिधित हुये। अधिकृत प्रतिनिधि का सहमति पत्र प्रस्तुत किया गया है। |
| पूर्व में जारी ई.सी. | खदान का प्रकार - मिट्टी (गोण शानिज) खदान खसारा कमांक - 891, 892, 893, 894, 911, 915, 918, 919 एवं 920 होत्रफल - 2.152 हेक्टेयर क्षमता - 2,200 घनमीटर/वर्ष दिनांक - 31 / 01 / 2018 | श्री.ह.आई.ए.ए., जिला-जिलासपुर पर्यावरणीय स्वीकृति की ऐधता दिनांक 22 / 02 / 2038 तक है। |
| पूर्व में जारी ई.सी. का पालन प्रतिवेदन | स्व-प्रगाथित - ही | निर्धारित सत्रानुसार मृशारोपण 250 नग किया गया है। |
| छिंगत वर्षों में किये गये उत्खनन | कार्यालय कलेक्टर (शानिज शास्त्रा) जिलासपुर द्वारा उत्पादन आंकड़े हेतु जानकारी निम्नानुसार है— वर्ष 2018–19 में 2,200 घनमीटर वर्ष 2019–20 में 2,063 घनमीटर | |

| | | |
|---|--|---|
| | वर्ष 2020–21 में 2,019 घनमीटर वर्ष 2021–22 में 2,180 घनमीटर वर्ष 2022–23 में 2,198 घनमीटर | |
| ग्राम पंचायत एन.ओ.सी. | ग्राम पंचायत चनाडोगारी दिनांक 18 / 10 / 2007 10 वर्ष हेतु पारित की गई थी। | ग्राम पंचायत का अद्यतन अनापॉक्सि प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है। |
| सत्खनन योजना अनुमोदन | दिनांक 26 / 10 / 2017 | |
| 500 मीटर | दिनांक 04 / 08 / 2023 | अन्य लादानी की सख्त नियंत्रक है। |
| 200 मीटर | दिनांक 04 / 08 / 2023 | पकड़ी सड़क - 1.5 कि.मी. आवादी सेत्र - 1.5 कि.मी. |
| लीज लैन | लीज भारक - श्री कोमल प्रसाद यादे अवधि-23 / 02 / 2008 से 22 / 02 / 2038 | |
| वन विभाग एन.ओ.सी. | वनमढ़ताधिकारी, बिलासपुर वनमढ़त बिलासपुर छात्र जारी दिनांक - 10 / 10 / 2023 | वन क्षेत्र से दूरी - 15.03 कि.मी. अधानकमार टाइगर रिजर्व - 20.4 कि.मी. |
| महरशपूर्ण संरक्षनात्मक की दूरी | आवादी ग्राम - चनाडोगारी 1.5 कि.मी. स्वतृत ग्राम - चनाडोगारी 1.5 कि.मी. अस्पताल - राकरी 11 कि.मी. राष्ट्रीय राजमार्ग - 3 कि.मी. राज्यमार्ग - 3.50 कि.मी. | घोषा नाला - 70 मीटर नहर - 250 मीटर तालाब - 2.5 कि.मी. एनीकर - 2.0 कि.मी. |
| पारिस्थितिकीय/ जैवविविधता संवेदनशील क्षेत्र | 5 कि.मी. की परिमिति में अतराज्जीवी सीना, राष्ट्रीय उद्यान, अभयासण्य, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड हारा घोषित किटिकली पील्स्ट्रीड एरिया, पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्र या घोषित जैवविविधता क्षेत्र स्थित नहीं है। | |
| खनन संपदा एवं खनन का विवरण | सत्खनन विहि - औपन कास्ट मेनुआल रिजर्व्स - जियोलॉजिकल 22,209 घनमीटर माईनेशल 20,362 घनमीटर प्रस्तावित गहराई 1.5 मीटर बैच की ऊंचाई 0.5 मीटर बैच की चौड़ाई 0.5 मीटर संभागित आयु 10 वर्ष मिट्टी के साथ उपयोग हेतु फ्लाई ऐस का प्रतिशत - 40% एक लाख इंट निर्माण हेतु आवश्यक कोयला की मात्रा - 12 टन | वर्षायार प्रस्तावित सत्खनन प्रथम 2,000 घनमीटर द्वितीय 2,100 घनमीटर तृतीय 2,200 घनमीटर चतुर्थ 2,200 घनमीटर पचम 2,200 घनमीटर षष्ठम 2,095 घनमीटर सप्तम 1,810 घनमीटर अष्टम 1,785 घनमीटर नवम 1,690 घनमीटर दशम 1,550 घनमीटर |
| उत्खनन के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र | लीज के 1 मीटर चौड़ी सीमा पट्टी का क्षेत्रफल - 625 वर्गमीटर | उत्खनित - नहीं। |

| | | |
|--------------------------------------|---|--|
| लौज क्षेत्र के भीतर मठ्ठा स्थापित | ही, क्षेत्रफल - 3,418 वर्गमीटर फिरसे गिमनी की न्यूनतम लंबाई - 33 मीटर | |
| जल आपूर्ति | मात्रा - 7 घनमीटर स्रोत - ग्राम पचासत | |
| वृक्षारोपण कार्य | लौज क्षेत्र के 1 मीटर के बाहर और युक्तारोपण - 300 नग बत्तमान युक्तारोपण - 250 नग शेष प्रस्तावित युक्तारोपण - 50 नग | प्रस्तावित कार्य हेतु 5 वर्ष की राशि - 1,12,000 रुपये |
| अधीक्षणी | बी-2 | आवंटित खदान का क्षेत्रफल 2.152 हेक्टेयर है। |

1. कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) – परियोजना प्रस्तावक द्वारा सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु समिति के सम्बन्धितावार से चर्चा उपरान्त प्रस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत नहीं किया गया है। अतः सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपयुक्त प्रिस्तुत प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

समिति द्वारा उत्तमय संवेदनश्वरी से निर्माननुसार निर्णय लिया गया था—

1. ग्राम पंचायत को अद्यतन अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए।
2. सीईआर (Corporate Environment Responsibility) हेतु उपयुक्त प्रिस्तुत प्रस्ताव (सीईआर) प्रस्तुत किया जाए।
3. इट निर्माण हेतु जिंग-बींग लकड़ीक का उपयोग किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
4. लौज के 1 मीटर चौड़ी नीमा पट्टी ने शेष 50 नग पौधों का निर्देशानुसार युक्तारोपण कर (पौधों में संख्याकान (Numbering) एवं नाम) फोटोग्राफ्स सहित जानकारी प्रस्तुत किया जाए।
5. भारत सरकार के पर्यावरण मन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 28/04/2023 को जारी आंकित मेनोरेक्ट्यून में दिये गये निर्देश का विन्दुवार पालन किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) किया जाए।
6. छल्तीसंग्रह आदर्श पुनर्वास नीति के तहत रक्षानीय लोगों को रोजगार दिये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
7. नाईनिंग लौज क्षेत्र को अदर सप्तन युक्तारोपण किये जाने एवं रोपित पौधों का सरकाईवल रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
8. पर्युजिटिव डर्स्ट उत्सर्जन के नियंत्रण हेतु नियमित जल छिक्काव किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा गिरनी भी प्रकार का दूषित जल का प्रवाह प्राकृतिक जल स्रोत, तालाब, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।

10. सीईआर के तहत तय की गई राशि का उपयोग गाव के द्वारा दी गई भूमि में कॉलिंग कराकर युक्तार्थपण किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
11. इट निर्माण हेतु 50 प्रतिलाल पलाई ऐश वा उपयोग किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
12. इट निर्माण से निकलने वाले लिंगट डिवस का उपयोग पहुंच मार्ग के रख-रखाय एवं बंड निर्माण में किये जाने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
13. परियोजना प्रस्तावक के चिरद्व इस परियोजना/खदान से सम्बित कोई न्यायालय प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं होने वाले शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया जाए कि उसके चिरद्व भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिकृतना काओआ 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है।

उपरोक्त सांकेत जानकारी/दस्तावेज प्राप्त होने उपरात आगामी कार्यवाही की जाएगी। तदानुसार एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ की 503वीं बैठक दिनांक 20/12/2023 के परिपेक्ष में परियोजना प्रस्तावक द्वारा दिनांक 01/01/2024 एवं दिनांक 05/03/2024 को जानकारी/दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।

समिति की 639वीं बैठक दिनांक 28/06/2024:

पूर्व में एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ की 639वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 को श्री बी.पी. नोम्हरे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई थी। भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन नंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 05/07/2024 के माध्यम से एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष डॉ. बी.पी. नौनहर को पद से मुक्त किया जाकर विशेष समिति, छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर को अवगत कराया गया। तदीपरात छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा पत्र दिनांक 16/07/2024 के माध्यम से उक्त वी सूचना सदस्य सचिव, छत्तीसगढ़ पर्यावरण सरकार मण्डल, नवा रायपुर अटल नगर को दी गई। एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ की 639वीं बैठक दिनांक 28/06/2024 का कार्यवाही विवरण पद मुक्त करने की रूचना की अवधि तक अनुमोदन हेतु विचाराधीन था।

परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्तानुसार जानकारी दिनांक 01/01/2024 एवं दिनांक 05/03/2025 को प्रस्तुत किया गया है। एस.ई.ए.सी., छत्तीसगढ़ के एजेण्टा पत्र दिनांक 28/02/2025 के माध्यम से 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025 को रखा गया है।

समिति की 584वीं बैठक दिनांक 05/03/2025

प्रस्तुतीकरण हेतु श्री बड़ी लाल थारू, अधिकृत प्रतिनिधि उपरिख्यत हुए। समिति द्वारा नस्ती, प्रस्तुत जानकारी का अबलोकन एवं पत्रिकाण करने पर निम्न रिप्टि पाई गई—

1. उत्तर्खनन के संबंध में यानि पंचायत बनाडोंगरी का दिनांक 06/10/2023 का अनावलित प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया गया है।
2. परियोजना प्रस्तावक द्वारा कॉर्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व (C.E.R.) का निम्नानुसार प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है—

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|--|---|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 20 | 2% | 0.40 | Following activities at Nearby Government Primary School Village-Chanadongari | |
| | | | Environmental Library Establishment for the School | 0.50 |
| | | | Running Water Facility for Toilet | 0.15 |
| | | | Plantation in School and Community Health center premises | 0.15 |
| | | | Total | 0.80 |

श्रीईआर. के अतर्गत स्कूल एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के परिसर में बुकारीपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार थोड़ी के लिए राशि 800 रुपये, पेंसिंग के लिए राशि 1,600 रुपये, खाद के लिए राशि 1,000 रुपये, शिवाई के लिए राशि 5,000 रुपये तथा स्ख-स्खाय एवं अन्य कार्य के लिए राशि 6,800 रुपये, इस प्रकार कुल राशि 15,000 रुपये हेतु घटकवार व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया है। समिति द्वारा प्रस्तुत प्रस्ताव में रेन गार्टन हार्डवेटिंग का समावृत्त करते हुये साशोधित प्रस्ताव प्रस्तुत करने हेतु परियोजना प्रस्तावक को निर्देशित किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा उपरोक्त कार्यों हेतु सहमति पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है।

3. खदान में विद्यमान धिमनी किल्न को 2 वर्ष के भीतर भारत सरकार, पर्यावरण, चन और जलवायु परिवर्तन बोर्ड द्वारा दिनांक 22/02/2022 के परिपेक्ष में आवश्यक परिवर्तन खराकार जिग-जैग तकनीक का उपयोग करते हुये ईट का निर्माण कार्य किये जाने वाला शपथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
4. हीज़ को 1 मीटर छोड़ी सीमा पट्टी में शेष 50 नग पीढ़ी का निर्देशानुसार बुकारीपण कर (पीढ़ी में संख्यांकन (Numbering) एवं नाम) कौटीयाप्त साहित जानकारी प्रस्तुत किया गया है।

5. भारत सरकार के पर्यावरण, बन एवं जलवायु मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 28/04/2023 को जारी ऑफिस मेमोरेंडम में दिये गये निर्देश तथा विनियुक्त यातान किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) किया गया है।
6. छत्तीसगढ़ आदर्श युनिवर्स नीति के तहत इथानीय लोगों को रोजगार दिये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
7. गार्डनिंग लीज ईव के अंदर सधन वृक्षारोपण किये जाने एवं रोपित फौंडो का सरकारी रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत सुनिश्चित किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
8. पर्यावरण बैंक उत्तरजन के नियंत्रण हेतु नियमित जल छिड़काता किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
9. परियोजना प्रस्तावक द्वारा किसी भी प्रकार का दूषित जल का प्रवाह प्राकृतिक जल स्रोत, सालाय, नदी, नाला में नहीं किये जाने एवं इसके संरक्षण किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
10. सीईआर के तहत प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण उपरात संबंधित ग्राम पंचायत/स्वूत्र के प्राचारी से कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर जियोटेंग फोटोग्राफर सहित जानकारी अधिकार्यिक रिपोर्ट में समाप्ति करते हुये प्रस्तुत किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
11. ईट निर्माण हेतु 60 प्रतिशत पत्ताई ऐसा का उपयोग किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
12. ईट निर्माण से निकलने वाले रिकैप्ट डिक्स का उपयोग पहुंच मार्ग के रख—रखाय एवं बंड निर्माण में किये जाने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
13. परियोजना प्रस्तावक को विलद्ध इस परियोजना/खदान से संबंधित कोई न्यायालयीन प्रकरण देश के अंतर्गत किसी भी न्यायालय में लघित नहीं होने वाले शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है।
14. परियोजना प्रस्तावक द्वारा शापथ पत्र (Notarized undertaking) प्रस्तुत किया गया है कि उसके विलद्ध भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना का, आ. 804(अ), दिनांक 14/03/2017 के अंतर्गत कोई उल्लंघन का प्रकरण लघित नहीं है।

समिति द्वारा विचार विषय उपरात सर्वसमति से निम्नानुसार निर्णय लिया गया—

1. विचार वर्ष 2023–24 के उत्पादन आकड़े की जानकारी खनिज विभाग से प्राप्त कर प्रस्तुत किया जाए।

2. सी.ई.आर. के तहत प्रस्तावित रक्कूल में ऐन थाटर हार्डेटिंग का समायोजन करते हुये प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाए।
3. सी.ई.आर. के तहत संविधित संरचनाओं का सहमति पत्र प्रस्तुत किया जाए। उपरोक्तानुसार जानकारी / दस्तावेज़ प्राप्त होने के उपरांत प्रकरण पर आगामी कार्यवाही की जाएगी। परियोजना को तदानुसार सूचित किया जाए।

थैटक धन्यवाद ज्ञापन यो साथ संपन्न हुई।

| | | |
|-------------------------|--------------------------------------|--|
| डॉ. प्रकाश चन्द्र पाठि. | अध्यक्ष एस.ई.ए.सी.-1 छत्तीसगढ़ | |
| डॉ. रवि प्रकाश मिश्र | सदस्य एस.ई.ए.सी.-1 छत्तीसगढ़ | |
| श्री किशन सिंह धुप | सदस्य एस.ई.ए.सी.-1 छत्तीसगढ़ | |
| डॉ. मोहन लाल अग्रवाल | सदस्य एस.ई.ए.सी.-1 छत्तीसगढ़ | |
| श्री सुरेश चंदा साही | सदस्य एस.ई.ए.सी.-1 छत्तीसगढ़ | |
| श्री कलादियुस तिकी | सदस्य सचिव एस.ई.ए.सी.-1 छत्तीसगढ़ | |

मेहसुस इयान कुमार प्रजापति लिक्स (प्रो.— जी इयान कुमार प्रजापति) को खसरा दिनांक 5 / 2
एवं 6 / 7, प्रान—लोरमी, तहसील—लोरमी, ज़िला—गुरुग्राम, कुल हीज क्षेत्र 1.532 हेक्टेयर,
मिट्टी उत्खनन (गौण खनिज) क्षमता — 21,000 घनमीटर (इंट उत्पादन इकाई 10,00,000
नग) प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरण स्वीकृति में दी जाने वाली शर्त

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जा रही है। अतः इन शर्तों को बहुत ध्यान से पढ़ा जाये तथा कझाई से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यदि खदान खनिज विभाग द्वारा अधिसूचित किसी वलस्टर में है, तो पर्यावरण स्वीकृति मान्य नहीं होगी।
2. उत्खनन क्षेत्र 1.532 हेक्टेयर से अधिक नहीं होगा। इसी प्रकार खदान से अधिकलम मिट्टी उत्खनन (गौण खनिज) क्षमता — 21,000 घनमीटर (इंट उत्पादन इकाई 10,00,000 नग) प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा। लीज क्षेत्र की सीमाओं का सीमाकून कराकर यक्के मुनारे लगाया जाए। लीज क्षेत्र के आसी और तार से धोशबद्दी किया जाए।
3. लीज क्षेत्र के बाहर कोई गतिविधि (Activity) नहीं किया जाए। लीज क्षेत्र के बाहर की गतिविधि (Activity) शर्तों का उल्लंघन करना जाएगा। उल्लंघन हेतु नियमानुसार कार्रवाही की जाएगी।
4. पर्यावरण प्रभाव गूल्याकान (ईआईए) अधिसूचना 2006 और उसके संशोधन के अनुसार पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) की वैधता खदान के जीवनकाल तक या उनमें पहुँच के निष्पादन से 30 वर्ष तक, प्लो भी पहुँच हो, तक होगी।
5. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज क्षेत्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर सूचना पटल (लीज घारक का नाम, खदान का होत्रफल, आवंश एवं देवातर सहित, उत्खनन की मात्रा, स्वीकृति अवधि) लगाया जाए।
6. भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलपायु परिवर्तन, मंजालय द्वारा जारी और एम दिनांक 24 / 06 / 2013 के अनुसार किसी सिविल स्ट्रक्चर से कम से कम 15 मीटर की दूरी छोड़कर उत्खनन क्षेत्र की परिधि सुनिश्चित किया जाए। भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलपायु परिवर्तन, मंजालय द्वारा जारी और एम दिनांक 24 / 06 / 2013 एवं जारी अधिसूचना दिनांक 22 / 02 / 2022 में मिट्टी उत्खनन हेतु नियमानुसार गाइड—लाइन का पालन सुनिश्चित किया जाए।
7. उत्खनन की अधिकतम गहराई 2 मीटर से अधिक नहीं होगी। उत्खनन प्रक्रिया भू—जल स्तर के सुपर असंतुष्ट प्रभाग में की जाएगी एवं उत्खनन प्रक्रिया भू—जल स्तर की नीचे किसी भी परिवर्तन में नहीं किया जाए।
8. खदान से उत्पन्न जल एवं घरेलू दूषित जल (यदि कोई हो), के उपचार की उचित एवं पर्याप्त व्यवस्था किया जाए। औरोगिक प्रतिश्या एवं खदान से उत्पन्न किसी भी प्रकार से दूषित जल को किसी नहीं अथवा सतही जल स्तरों में किसी भी परिस्थिति में नियमानुसार नहीं किया जाए, अथितु हस्त प्रक्रिया में अवश्य गुणारोपण हेतु पुनर्चारणों

किया जाए। घरेलू दृष्टित जल के उपचार के लिये सौकार्यीट की व्यवस्था किया जाए एवं किसी नदी अथवा सतही जल स्रोतों में किसी भी परिस्थिति में निरसारित नहीं किया जाए। दृष्टित जल एवं वर्षाकरण का जल आपस में न मिलने देने हेतु भी व्यवस्था की जाए। उपचारित दृष्टित जल की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण बन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय द्वारा अधिसूचित मानक अथवा उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अधिसूचित मानक (जो भी कठोर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. भू-जल के उपयोग हेतु केन्द्रीय भू-जल बोर्ड से उत्थनन आरम्भ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त किया जाए। (यदि आवश्यक हो)
10. खनिज उत्थनन के विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न क्षयजितिय डर्ट उत्सर्जन का नियन्त्रण प्रभावी एवं नियमित रूप से किया जाए। पहुंच मार्ग, रेष्य, संचाहन क्षेत्र, भराई एवं अन्य डर्ट उत्सर्जन विन्दुओं पर जल छिपकाव की व्यवस्था किया जाकर इसका नियन्त्रण / संचालन सुनिश्चित किया जाए।
11. माहनी एवं अन्य प्रक्रिया से उत्पन्न वायु प्रदूषण की पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण) अधिनियम, 1981 के तहत विनियिंग्ट मानकों (जो भी कठोर हो) के अनुसार रखा जाएगा। उत्थनन क्षेत्र में परिवेशीय वायु की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय द्वारा अधिसूचित मानकों से अधिक नहीं होनी चाहिये।
12. होस अपशिष्ट के काम में उत्पन्न ईट को टुकड़ों आदि को भू-भरण एवं रोड के संधारण हेतु उपयोग किया जाए।
13. पलाई ऐश को उड़ने से बचाने के लिए समय-समय पर आस-पास के क्षेत्रों में फैलकर पर्यावरण को प्रदूषित न करे, जिससे कि आस-पास के रहवासी पर विपरीत प्रभाव न पड़े।
14. उत्थनन के दौरान हटाई गई उपरी मिट्टी (टाप सॉर्टिल) का उपयोग ईट निर्माण में उपयुक्त नहीं होने पर उत्थनन हेतु उपयोग में नहीं आने वाली भूमि के पुनः उद्धार हेतु अथवा बाहरी ओवरबैन को स्थिर (स्टेचिलाइज) करने में किया जाए। जहाँ पर उपरी मिट्टी (टाप सॉर्टिल) को उत्थनन प्रक्रिया के साथ-साथ (कॉनकरेटली) उपयोग किया जाना सम्भव न हो, तब इसे पृथक से भण्डारित कर भविष्य में उपयोग हेतु रखा जाए।
15. ओवरबैन एवं अनुपयोगी मिट्टी को उचित प्रकार से सुरक्षित रखा जाए ताकि भण्डारित पदार्थी आस-पास की भूमि पर विपरीत प्रभाव म ढाल सके एवं उत्थनन के पश्चात बने गड्ढों में पुनःभरण (विक फिलिंग) हेतु भूमि का गूल उपयोग अथवा बाहित वैकल्पिक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके। भण्डारित डम्प की ऊँचाई 03 मीटर तथा स्थिरता 45 डिग्री से अधिक न हो। ओवरबैन डम्प का सारण रोकने हेतु पैदानिक तरीके से दृक्षारोपण किया जाए।
16. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि उत्थनन प्रक्रिया से उत्पन्न सिल्ट लीज क्षेत्र के आस-पास के नाहाई जल स्रोतों से प्रयाहित न हो। इसे रोकने हेतु माईन फीट, डम्प क्षेत्र, ईट भट्टा क्षेत्र में रिटेनिंग बॉल / गारलोन्ड डैन की व्यवस्था की जाए।

17. मिट्टी, पलाई ऐश एवं इंट का परिवाहन तारपोलिन आधारा अन्य उपयुक्त माध्यम से इके हुये बाहन से किया जाए ताकि मिट्टी अच्छा इंट बाहन से बाहर नहीं गिरे। सुनिज जा. परिवहन कर रहे वाहनों की कमता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।

18. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर कार्य पर्यावरण प्रबंधन योजना के अंतर्गत किया जाए—

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|-------------------------------------|--|--|---|--------------------------------------|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 55 | 2% | 1.10 | Following activities at, Nagar panchayat - Lormi | |
| | | | Pavitra Van Niman | 8.51 |
| | | | Total | 8.51 |

19. सी.ई.आर. के तहत निर्धारित कार्यवाही 06 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। सी.ई.आर. के उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण उपरात संबंधित याम बंधायत से कामपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर अद्यार्थिक रिपोर्ट में समाप्ति करते हुये प्रस्तुत किया जाए। सी.ई.आर. कार्य वर्ती सफलता सुनिश्चित करना आपका उत्तराधारित्व होगा। यूक्तारोपण असफल होने पर पर्यावरण स्पीकूलि निरस्त की जावेगी।

20. सी.ई.आर. के अंतर्गत "परिवर्त यन निर्माण" के तहत यूक्तारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 850 नग पीछों के लिए राशि 64,600 रुपये, फॉसिंग के लिए राशि 85,000 रुपये, खाद के लिए राशि 6,390 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 1,20,000 रुपये एवं रखड़-रखाव के लिए राशि 1,46,000 रुपये, इस प्रकार प्रथम वर्ष में कुल राशि 3,91,990 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 4,59,620 रुपये हेतु घटवन्वार व्यव का विवरण प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा नगर बंधायत लोटमी लाभमति उपरात यथायोग्य रूपान (खासरा क्रमांक द्वारा 2 / 1, होत्रफल 0.34 हेवटेयर) के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव पूर्ण करें।

21. सी.ई.आर. एवं यूक्तारोपण कार्य को मोनिटरिंग एवं पर्यावरण हेतु त्रि-पक्षीय समिति (प्रोपराइटर/प्रतिनिधि, याम बंधायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या एकीकरण विभाग एवं संस्कारण भूमिका के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। जाथ ही सी.ई.आर. एवं यूक्तारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरात गठित त्रि-पक्षीय समिति से सत्यापित कराया जाए।

22. जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु रथल पर आये, तब उन्हें खादान/उद्योग/भट्टा के भिरीक्षण के साथ-साथ सी.ई.आर. के तहत आपके द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से कराना आपकी जिम्मेदारी होगी।

23. परियोजना प्रस्तावक द्वारा उत्तरान हेतु निषिद्ध लेज (चारों तरफ 01 मीटर चौड़ी बैल्ट), होल चोड़, ओवररैफर्न डम्प जादि में स्थानीय प्रजाति के 160 घृती वर्ग संघन यूक्तारोपण

किया जाए। हरित पट्टी का विकास केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की गार्डलिंग के अनुसार किया जाए।

24. प्राथमिकता के आधार पर खदान प्रबंधन द्वारा वर्ष 2025-26 में बाम से कम 310 नग पीढ़े लौज क्षेत्र के अनुसार बड़, गीपल, नीम, करंज, सीसु, आग, इमली, अर्जुन, सीरस आदि अन्य स्थानीय प्रजातियों के पीढ़ों का शोपण 3 पवित्रों में खदान के खुले क्षेत्र में किया जाए। शोपण को सुरक्षित रखने के लिये उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था (थाकूंटेदार तार के बाहु अथवा ढूँ गाढ़ का उपयोग) किया जाए। स्थल उपलब्ध नहीं होने की दशा में संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा यिन्हींत शेत्र में उपरोक्तानुसार वृक्षारोपण किया जाए। 5 फीट से 6 फीट ऊंचाई वाले पीढ़ों का ही शोपण किया जाए। उपरोक्त वृक्षारोपण प्रथम वर्ष में पूर्ण किया जाए। वृक्षारोपण नहीं करने पर जारी पर्यावरणीय स्वीकृति निरस्त की जा सकती है।
25. शोपित किये जाने वाले पीढ़ों में संख्यांकन (Numbering) एवं पीढ़ों के नाम का उल्लेख करते हुये फोटोग्राफ्स सहित जानकारी अधिकारिक रिपोर्ट के साथ जमा करें।
26. माईनिंग लौज क्षेत्र के अदर एवं बाहर साथम पृक्षारोपण किये जाने एवं शोपित पीढ़ों का सरकाईवल रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। नाथ ही वृक्षारोपण का रक्त-रक्ताद अन्तमी 5 वर्ष तक सुनिश्चित करते हुए मृत पीढ़ों को प्रतिरक्षापित (Mortality replacement) किया जाए।
27. विद्यु गये वृक्षारोपण की पुष्टी हेतु डी.जी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) सही एवं फोटोग्राफ्स अधिकारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये छत्तीसगढ़ पर्यावरण सरकार नप्हल एवं राज्य सत्रीय पर्यावरण प्रभाग आकलन प्राप्तिकरण (एस.ई.आई.ए.ए.), छत्तीसगढ़ को भेजित किया जाए।
28. परियोजना प्रस्तावका द्वारा 1 मीटर प्रतिवर्ष क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य एवं री.ई.आर. के राहत प्रस्तावित कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति को निरस्त करने की कार्यताही की जाएगी।
29. उत्थनन क्षेत्र में जलनि प्रदूषण न हो, यह सुनिश्चित किया जाए।
30. उत्थनन की प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि यनस्पतियों एवं जीव-जन्तुओं पर दुष्प्रभाव न हो।
31. मिट्टी उत्थनन छत्तीसगढ़ गोण लानिज नियम, 2015 के प्रावधानी, अनुसूचित उत्थनन योजना एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना के अनुसार किया जाए।
32. किसी को जिंग जींग पैटर्न या बर्टिकल रॉफट में रूपातरण सुनिश्चित करें और अधिकूषना दिनांक 22/02/2022 में नियारित मानक का पालन किया जाए।
33. कार्य रथल पर यदि कॉन्प्रिंग अग्नि कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसे अग्निको के आवास उपरित व्यवस्था परियोजना प्रस्तावका द्वारा ही जाएगी। आगासीय व्यवस्था अस्थायी सरचनाओं को रूप में हो सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात हटाया जा सके।
34. अग्निको के लिए खनन स्थल पर स्वाच्छ पेयजल विविलसर्वीय सुविधा, नौवाइल टीयालेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावका द्वारा की जाए।
35. अग्निको का समय-समय पर आक्युपेशनल हेल्प सर्विलेंस कारना आवश्यक है।

36. इस पर्यावरणीय स्वीकृति को जारी करने का आशय किसी व्यक्तिगत अथवा अन्य सम्पत्ति पर अधिकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्वीकृति किसी नियी सम्पत्ति को नुकसान पहुँचाने अथवा व्यक्तिगत अधिकारों के अतिक्रमण अथवा केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय कानूनों/विधियों के उल्लंघन हेतु अधिकृत बनता है।
37. उत्थनन की तकनीक, कार्य केत्र एवं अनुमोदित उत्थनन योजना के अनुरूप वार्षिक योजना, जिसमें मिट्टी उत्थनन समिलित है, में किसी भी प्रकार का परिवर्तन एसईआईएए, छत्तीसगढ़ / पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्ण अनुमति के दिना नहीं किया जाए।
38. एसईआईएए, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कार की दृष्टि से, परियोजना की लपरेखा में परिवर्तन अथवा विनिर्दिष्ट शर्तों के संतोषप्रद रूप से पालन न करने की दशा में किसी भी शर्त में संशोधन/निरस्त करने अथवा नई शर्त जोड़ने अथवा उत्तर्वर्तन / निरस्त को मानकों को और संतुल करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
39. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 02 रथानीय समाधार पत्रों में, जो कि परियोजना केत्र के आम-पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त होने के 07 दिनों के भीतर इस आशय की सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना को पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्वीकृति पत्र की प्रतियों समियालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। साथ ही इसका अवलोकन वेबसाइट parivesh.nic.in पर भी किया जा सकता है।
40. पर्यावरणीय स्वीकृति में दी गई शर्तों के पालन हेतु की गई कार्यवाही की अर्द्ध वार्षिक रिपोर्ट छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल, अटल नगर, कोटीय कार्यालय छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल, विलासपुर, एसईआईएए, छत्तीसगढ़ एवं एकीकृत कोटीय कार्यालय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, रायपुर को प्रेषित किया जाए।
41. एकीकृत कोटीय कार्यालय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति से प्रदत्त शर्तों के पालन की मानिटरिंग की जाएगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किये गये दस्तावेजों एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत कोटीय कार्यालय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर को प्रेषित किया जाए।
42. एसईआईएए, छत्तीसगढ़, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार / एकीकृत कोटीय कार्यालय, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, मारत सरकार, रायपुर / केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड / छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल के वैज्ञानिकों/अधिकारियों को शर्तों के अनुपालन के संबंध में की जाने वाली मानिटरिंग हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विनिर्दिष्ट शर्तों का अनुपालन करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति निरस्त की जा सकती।
43. परियोजना प्रस्तावक छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्कार मण्डल एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई शर्तों का अनिवार्य रूप से पालन करेगा। ये शर्तें जल (प्रदूषण नियायण रथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974, यायु (प्रदूषण नियायण रथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 तथा इनके तहत बनाये गये नियमों, परिसंकटमय और अन्य अपरिषिष्ट (प्रबंध एवं सीमापार संधिलन) नियम, 2016 तथा लोक दायित्व बीमा अधिनियम, 1991 (यथा संशोधित) के अधीन विनिर्दिष्ट की जा सकती है।

44. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में कोई भी विवालन अधिकार परिवर्तन होने की दशा में एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ को पुनर नवीन जानकारी सहित सूचित किया जाए, ताकि एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ इस पर विधार कर शारीरीकी उपयुक्तता अधिकार नवीन शर्त निर्दिष्ट करने बाबत निर्णय ले सके। खदान में कोई भी विस्तार अधिकार उन्नयन एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ / पर्यावरण, जन एवं जलवायु परिवर्तन नंत्रालय, भारत सरकार की गूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
45. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण बफल वर्षीय रखीकृति की प्रति को उनके होत्रीव कार्यालय, जिला-व्यापार एवं उद्योग केंद्र एवं कन्सेक्टर/तहसीलदार कार्यालय में दिवस की अवधि के लिये प्रदर्शित करेगा।
46. पर्यावरणीय रखीकृति के विलक्ष अपील नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल के समक्ष नेशनल ग्रीन ट्रीब्यूनल एवट 2010 की धारा 16 में दिये गये प्राक्षणानो अनुसार 30 दिन की समय अवधि में की जा सकेगी।

(Signature)
संवाद संकेत-एस.ई.ए.सी.

(Signature)
अध्यक्ष, एस.ई.ए.सी.-१

मेसर्स खामरीध कलार स्टोन चारी (प्रो.- श्री राजेश बुमार मिश्र)
को खासरा क्रमांक 717, कूल लीज क्षेत्र 1.75 हेक्टेयर, गाम-खामरीध, तहसील-भरतपुर,
जिला-कोरिया में परखर (गौण खनिज) उत्खनन 7,399.3 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति
में दी जाने वाली जाते

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित जाती के अधीन दी जा रही है। अतः इन जाती को बहुत
ध्यान से पढ़ा जावें तथा कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्वीकृति अधिकतम उत्खनन लीज क्षेत्र (लीज क्षेत्र) 1.75 हेक्टेयर अथवा छत्तीसगढ़ शासन, खनिज शासन विभाग द्वारा स्वीकृत लीज क्षेत्र (टोनों में से जो कम हो) हेतु मान्य होगा। इसी प्रकार खदान से शाधारण पत्थर का अधिकतम उत्खनन 7,399.3 टन प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा। लीज क्षेत्र की सीमाओं का सीमांकन कराकर पकड़े मुनारे लगाया जाए।
2. पर्यावरण प्रभाग मूल्यांकन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 और उसके संशोधन के अनुसार पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) की विवरण खदान के जीवनकाल तक या उत्खनन पर्यावरण के निष्पादन से 30 वर्ष तक, जो भी पहले हो, तक होगी।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज क्षेत्र के मुख्य प्रवेश द्वार पर रक्खना पटल (लीज घारक का नाम खदान का लीजफल, आकृति एवं देशांतर सहित उत्खनन की मात्रा, स्वीकृति अवधि) लगाया जाए।
4. कलरटर हेतु प्रस्तुत वीमन इन्हायरीनेटल मेनेजमेंट प्लान के अनुसार बूकारीपण एवं परिवहन संडकों एवं खदान से परिवहन संडक तक पहुंच मार्गों के संधारण का वार्ष-6 माह में पूर्ण किया जाए।
5. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की जाती के पालन में अपूर्ण पालन किये गये जाती का कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर अधिकारिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये प्रस्तुत किया जाए।
6. मानवीय एमजीटी के आदेश दिनांक 26/02/2021 के अनुसार पट्टेदार द्वारा गाइनिंग प्लान एवं पर्यावरणीय स्वीकृति के जाती का पालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक को पर्यावरण विशेषज्ञ नियुक्त करना है।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान से सुत्पन्न जल एवं घरेलू दूषित जल (यदि कोई हो), के उपचार की उपेत एवं पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
8. ओडिओगिक प्रक्रिया एवं खदान से उत्खनन विस्तीर्णी भी इकार से दूषित जल को किसी नदी अथवा सतही जल स्त्रीलों में किसी भी परिस्थिति में निरसारित नहीं किया जाए, अपितु इसे प्रक्रिया में अथवा बूकारीपण हेतु पुनर्लप्तीम् किया जाए। घरेलू दूषित जल के उपचार के लिए सैटिक टैक एवं रोकपीट की व्यवस्था की जाए एवं जल को किसी नदी अथवा सतही जल स्त्रीलों में किसी भी परिस्थिति में निरसारित नहीं किया जाए। दूषित जल एवं वर्षाजल का जल आपस में न मिलने देने हेतु भी व्यवस्था की जाए। उपचारित दूषित जल की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु

परिवर्तन, भारतीय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित मानक अथवा छल्लीसगढ़ पर्यावरण संस्करण मंडल द्वारा अधिसूचित मानक (जो भी कठोर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. खनि पट्टा घारक खान संचालन बंद करने के उपरात (after ceasing mining operations) खनन क्षेत्र तथा किसी भी अन्य क्षेत्र को कि उनकी खनन गतिविधियों के कारण प्रभावित (disturbed due to their mining activities) हुए हैं, उनकी री-ग्रासिंग (re-grassing) की जाएगी एवं भूमि का पुनर्स्थापन इस स्थिति तक किया जाएगा, जिससे यह घारा, बनस्पतियों, जीवों आदि के उत्पत्ति हेतु सुपरुक्त हो। परियोजना प्रस्तावक द्वारा संक्षम प्राप्तिकरी से अनुमोदित माईन फ्लोजर प्लान एक माह के भीतर प्रस्तुत किया जाए।
10. गृ-जल के उपयोग हेतु केन्द्रीय गृ-जल बोर्ड से उत्खनन आरम्भ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए। साथ ही अन्य नियोग से जल का उपयोग किये जाने की स्थिति में संबंधित विभाग से उत्खनन आरम्भ करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए।
11. किसी विमनी / वेट / प्लाईट सोसी से पार्टिकुलेट मैटर उत्खनन की गत्रा 50 मिलीमीटर / समान्य घनमीटर से कम सुनिश्चित किया जाए। क्षार, सोडान, ट्राराफर प्लाइट्स (यदि कोई हो) से वायु प्रदूषण नियंत्रण हेतु डस्ट एक्सट्रैक्शन सिस्टम के साथ साथ दक्षता का लेंग फिल्टर रखापत किया जाए। खनिज उत्खनन गतिविधियों के विभिन्न स्तरों से उत्पन्न प्रदूषितिव डस्ट उत्खनन का नियंत्रण प्रभावी एवं नियमित रूप से किया जाए। पहुंच गार्ड, रेस्ट, संग्रहण बोर्ड, भराई एवं अन्य डस्ट उत्खनन विन्दुओं डस्ट कंट्रोलेन्ट कम संप्रेषण सिस्टम एवं जल छिड़काव की व्यवस्था की जाकर इसका सतत संचालन / संपादन सुनिश्चित किया जाए। विष्णु बैंकिंग वील का निर्माण सुनिश्चित किया जाए।
12. वाहनों, खनन एवं अन्य प्रक्रिया से उत्पन्न वायु प्रदूषण को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के तहत विनियोग मानकों के अनुसार रखा जाएगा। उत्खनन क्षेत्र में परिवेशीय वायु की गुणवत्ता भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जल वायु परिवर्तन भारतीय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित मानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान के बारे तरफ फैसिंग का कार्य किये जाने के उपरात ही उत्खनन कार्य प्रारंभ किया जाए।
14. लीज बोर्ड के बारे तरफ छोड़ी गई 7.5 मीटर की ऊँची पट्टी में लोहे रेस्ट का ढंप / भण्डाशण नहीं किया जाए तथा इस पट्टी में यूआरोपन किया जाए। ऐसा करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति किसी भी समय तत्काल प्रभाव से निरस्त की जा सकेगी।
15. उत्खनन प्रक्रिया के दीरान हटाई गई उपरी मिट्टी (टॉप सॉर्टिंल) का उपयोग उत्खनन हेतु उपयोग में न आने वाली भूमि के पुनर्ज्ञान हेतु अथवा बाहरी औद्योगिक क्षेत्र स्थिर (स्टैंपिलाईज) करने में किया जाए।
16. ऊपरी मिट्टी को लीज बोर्ड के बाहर प्रस्ताव अनुसार निर्धारित तथा पर भण्डारित तथा संरक्षित रखा जाए। मिट्टी का दुलपयोग, विक्रय एवं अन्य कार्यों में उपयोग नहीं किया जाए। इस मिट्टी का उपयोग खदान के पुनर्निर्माण के लिए किया जाए।

17. ओवरबर्डन एवं अनुपयोगी/विकी अधीन्य स्थनिज (वेस्ट रीक) को पृथक से पूर्ण से छिन्हीत स्थल पर भण्डारित किया जाएगा। इस प्रकार के भण्डारण स्थलों को उपरित प्रकार से सुरक्षित रखे जावें ताकि भण्डारित पदार्थ आस-पास की भूमि पर विपरित प्रभाव न डाल सके। ऊपर की ऊंचाई 3 मीटर तक स्तर 28 डिग्री से अधिक न हो। ओवरबर्डन ऊपर का क्षण रोकने हेतु देशानिक तरीके से युक्तारोपण किया जाए।
18. जहाँ तक संभव हो ओवरबर्डन एवं अन्य अनुपयोगी/विकी अधीन्य स्थनिज (वेस्ट रीक) को खनन के पश्चात बने गड्ढों से पुनर्मरण (विक विलेंग) हेतु उपयोग किया जाए ताकि भूमि का मूल उपयोग असाधा वाहित पैकल्पिक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि खनन प्रक्रिया से उत्पन्न सिल्ट लीज लेज के आस-पास के सातही जल बनोती में प्रवाहित न हो। इसे रोकने हेतु माईन पीट तथा डम्प लेज में रिटेंशन बॉल / गारलेण्ड हेन की व्यवस्था की जाए।
20. स्थनिज का परिवहन गाहड़ वाहन से किया जाए, ताकि स्थनिज वाहन से बाहर नहीं गिरे। स्थनिज का परिवहन बार रहे वाहनों की समता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
21. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर कार्य पर्यावरण प्रबंधन योजना के अंतर्गत किया जाए:-

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | |
|--|--|---|--|---|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) |
| 20 | | Following activities at, Village-Khamroudh | | |
| 20 | 2% | 0.40 | Pavitra van Nirman | 6.23 |
| | | | Total | 6.23 |

22. सी.ई.आर. के तहत निर्धारित कार्यवाही 06 माह में अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। सी.ई.आर. को उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण उपरांत संबंधित ग्राम पंचायत से कार्यपूर्ण प्रतिपेदन प्राप्त कर अधिकारिक रिपोर्ट में समाप्ति करते हुये प्रस्तुत किया जाए। सी.ई.आर. कार्य की सफलता सुनिश्चित करना आपका उत्तरदायित्व होगा। युक्तारोपण असफल होने पर पर्यावरण स्थीरता वीर्यावेगी।
23. सी.ई.आर. के अंतर्गत "युक्तारोपण कार्य" के तहत (आवला, धीपल, नीम, आम, करंज, कदंब, जामुन, अमलतासा, बरगद आदि) युक्तारोपण हेतु प्रस्तुत प्रस्ताव अनुसार 300 नग पीढ़ी के लिए राशि 30,000 रुपये, खाद के लिए राशि 10,000 रुपये, सिंचाई के लिए राशि 15,000 रुपये, फेसिंग तथा रख-रखाय आदि के लिए राशि 50,000 रुपये तथा अन्य खाद के लिए राशि 96,000 रुपये, इस प्रकार प्रत्येक वर्ष में कुल राशि 2,01,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 4,22,000 रुपये हेतु घटकवार व्यय का विवरण

प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम पंचायत खमरीघ के सहनति उपरांत यथायोग्य स्थान (खसरा क्षेत्र 716, क्षेत्रफल 0.12 हेक्टेयर) के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव पूर्ण करे।

24. सी.ई.आर. एवं यूक्सारोपण कार्य के गोनिटरिंग एवं पर्यावरण हेतु त्रि-पक्षीय समिति (प्रौद्योगिकी/प्रतिनिधि, याम पंचायत ले पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण रांगड़ान मण्डल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। साथ ही सी.ई.आर. एवं यूक्सारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरांत गठित त्रि-पक्षीय समिति रो सत्यापित कराया जाए।
25. जब भी निरीक्षण बल/अधिकारी निरीक्षण हेतु स्थल पर आये, तब उन्होंने खदान/उद्योग/भट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ सी.ई.आर. के लहर आपके द्वारा कार्य गये बार्ड का निरीक्षण भी अनिवार्य रूप से करनाना आपकी जिम्मेदारी होगी।
26. उत्तराखण्ड हेतु निषिद्ध क्षेत्र (जारी तरफ 7.5 मीटर चौड़ा क्षेत्र), हील रोड, ओदरबड़न इम्फ आदि में स्थानीय प्रजाति के 700 नग दृक्षों का सघन यूक्सारोपण प्रथम बर्ष में किया जाए। हरित पट्टी का विकास केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण छोर्ह घी मार्गदर्शिका के अनुसार किया जाए।
27. प्राथमिकता के आधार पर खदान प्रबन्धन द्वारा बर्ष 2025-26 में कम से कम 200 नग प्रति हेक्टेयर लौज क्षेत्र के अनुसार बड़, पीपल, नीम, करंज, सीसू, आम, इमली, अर्जुन, सीरस आदि अन्य स्थानीय प्रजातियों के 350 नग पौधों का रोपण (कुल 1050 नग पौधे) खदान के खुले क्षेत्र में किया जाए। रोपण को सुरक्षित रखने के लिये उपशुक्त एवं पर्याप्त व्यवस्था (खदा काटिदार तार के बाड़ अथवा द्वी गार्ड का उपयोग) किया जाए। स्थल उपलब्ध नहीं होने की दशा में सुरक्षित याम पंचायत द्वारा चिन्हीत क्षेत्र में उपरोक्तानुसार यूक्सारोपण किया जाए। उपरोक्त यूक्सारोपण प्रथम बर्ष में पूर्ण किया जाए एवं छोर्ह 4 बर्षों तक रख-रखाव किया जाए। 5 फीट से 6 फीट ऊंचाई वाले पौधों का ही रोपण किया जाए। यूक्सारोपण नहीं करने पर यामी पर्यावरणीय स्थीकृति तात्काल निरस्त की जा सकती है।
28. रोपित किये जाने वाले पौधों में सख्ताकरन (Numbering) एवं पौधे के नाम का चलोख कारते हुये जियोटेग (Geotag) फोटोग्राफ्स भाँति जानकारी यातन प्रतिवेदन के साथ कार्यालय में प्रस्तुत करें।
29. माईनिंग लौज क्षेत्र के अंदर एवं बाहर सघन यूक्सारोपण किये जाने एवं रोपित पौधों का सरगार्डवल रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यूक्सारोपण का रख-रखाव आगामी 6 बर्ष तक सुनिश्चित करते हुये भूत पौधों को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए। आपके द्वारा रोपित पौधों की यूक्सारोपण को सफल बनाना आपकी पूर्ण जिम्मेदारी होगी।
30. किये गये यूक्सारोपण की पुष्टी हेतु डी.जी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) सहे एवं फोटोग्राफ्स अवैज्ञानिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संस्थान मण्डल एवं एस.ई.आई.ए.ए. उत्तीर्णगढ़ को प्रेषित किया जाए।
31. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 7.5 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य एवं सी.ई.आर. के लहर प्रस्तावित कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्थीकृति को निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी।

32. परियोजना प्रस्तावक द्वारा ज्ञानि प्रदूषण के नियंत्रण हेतु आवश्यक उपाय किया जाए। ज्ञानि का स्तर उत्खनन क्षेत्र में दिन के समय 75 DB(A) एवं रात्रि के समय 70 DB(A) से अधिक नहीं होना चाहिए। तीव्र ज्ञानि वाले क्षेत्रों में काम करने वाले अग्निकों को इयरफ्लग / मफ जादि प्रदान किए जाएं एवं समय-समय पर चिकित्सकीय जीव एवं आवश्यकता अनुसार उनका उपचार भी कराया जाए।
33. उत्खनन प्रक्रिया भू-जल स्तर के उपर असतुरा प्रमाण में की जाएगी एवं उत्खनन प्रक्रिया भू-जल स्तर के नीचे किसी भी परिवर्धन में नहीं किया जाए। भू-जल स्तर को क्षति न पहुंचे, इसका समुचित व्यान रखा जाए।
34. उत्खनन की प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि बनस्पतियों एवं जीव-जन्माओं पर कोई दुष्प्रभाव न हो। क्षेत्र में पर्यावरणीय प्रदूषण खोजना एवं जीव-जन्माओं का संगुचित सरकार आपका दायित्व होगा।
35. परियोजना प्रस्तावक द्वारा गौण खनिज का उत्खनन छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 के प्रावधानों, अनुमोदित उत्खनन योजना एवं पर्यावरणीय प्रदूषण खोजना के अनुसार किया जाए। माझे इकट्ठ 1952 के प्रावधानों का पालन किया जाए।
36. कार्य रथल पर यदि वैधिक अग्नि कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसे अग्निकों के आवास एवं सुखा हेतु उचित व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। आवासीय व्यवस्था अस्थायी सरकारों के रूप में हो सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात हटाया जा सके।
37. अग्निकों के लिए खनन रथल पर स्थानीय वैयक्ति सुविधा, मोबाइल टायलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए।
38. अग्निकों का समय-समय पर आवश्युपेशानत हेत्यु नियंत्रण करना आवश्यक है।
39. उत्खनन की तकनीक, कार्य क्षेत्र एवं अनुमोदित उत्खनन योजना के अनुरूप वार्षिक योजना, जिसमें उत्खनन, खनिज की मात्रा एवं अपशिष्ट समिलित है, में किसी भी प्रकार का परिवर्तन एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ / पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मेंशालिय, भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
40. इस पर्यावरणीय स्थीकृति को जारी करने का आशय किसी व्यक्तिगत अधिकारी द्वारा की जान्य सम्भवि पर अधिकार दशाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्थीकृति किसी निजी सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा व्यक्तिगत अधिकारी के अतिक्रमण अथवा केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय कानूनों / विधियों के उल्लंघन हेतु अधिकृत करता है।
41. एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ पर्यावरण सरकार की दृष्टि से, परियोजना की रूपरेखा में परिवर्तन अथवा विर्भिष्ट शर्तों के संतोषप्रद रूप से पालन न करने की दशा में किसी भी शर्ते में संशोधन / निरस्त करने अथवा नई शर्त जोड़ने अथवा उत्सर्जन / निरसाव के मानकों को और सख्त करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
42. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 रथानीय समाचार पत्रों में, जो कि परियोजना क्षेत्र के आस-पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर इस आशय की सूचना प्रसारित करेगा कि परियोजना को पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्थीकृति पर यही प्रतियो संविवालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संस्थान मण्डल में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। याथ ही इसका अवलोकन एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ की वेबसाइट parivesh.nic.in पर भी किया जा सकता है।

43. पर्यावरणीय स्वीकृति में दो नई शर्तों के पालन हेतु की गई कार्यवाही की आई वाचिक शिपोर्ट छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखण मण्डल, डटल नगर, क्षेत्रीय कार्यालय, छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखण मण्डल, अधिकारीपुर, एसड़ेआईएए, छल्लीसगढ़ एवं एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर को प्रेषित किया जाए।
44. एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में प्रदत्त शर्तों के पालन की मौनिटरिंग की जाएगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा समय-समय पर प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर को प्रेषित किया जाए।
45. एसड़ेआईएए, छल्लीसगढ़ पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार/ एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर /केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखण मण्डल के वैज्ञानिकों/अधिकारियों को शर्तों के अनुपालन के संकेत में की जाने वाली मौनिटरिंग हेतु पूर्ण सहयोग द्वारा दिया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा विभिन्न शर्तों का अनुपालन करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति निरस्त की जा सकेगी।
46. परियोजना प्रस्तावक छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखण मण्डल एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई शर्तों का अभिकारी रूप से पालन करेगा। ये शर्तों जल (प्रदूषण नियारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 यायु (प्रदूषण नियारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संखण) अधिनियम, 1986 तथा इनके लक्ष्य बनाये गये नियमों, परिसंकटमय और अन्य अपशिष्ट (प्रबंध एवं सीमापार संचयन) नियम, 2016 तथा लोक दायित्व वीमा अधिनियम, 1991 (यथा संशोधित) के अधीन विनियिष्ट की जा सकती हैं।
47. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एसड़ेआईएए, छल्लीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में कोई भी विघलन अवधा परिवर्तन होने की वशा ने एसड़ेआईएए, छल्लीसगढ़ को पुनः नवीन जानकारी सहित सूचित किया जाए, ताकि एसड़ेआईएए, छल्लीसगढ़ इस पर विद्यार कर शर्तों की उपयुक्तता अवधा नवीन शर्त नियिष्ट करने बाबत निर्णय ले सके। खदान में कोई भी विस्तार अवधा उन्नयन एसड़ेआईएए, छल्लीसगढ़ / पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
48. छल्लीसगढ़ पर्यावरण संखण मण्डल पर्यावरणीय स्वीकृति की इति को उनको क्षेत्रीय कार्यालय, जिला-प्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं कलेक्टर/तहसीलदार कार्यालय में 30 दिवस की अवधि के लिए प्रदर्शित करेगा।
49. पर्यावरणीय स्वीकृति को शिरूद्ध अपील नेशनल रीन ट्रीब्यूनल के समझ, नेशनल रीन ट्रीब्यूनल एकट 2010 की घारा 16 में दिए गए प्रावधानों अनुसार, 30 दिन की समय अवधि में की जा सकेगी।

सदर्य संधिय, एसड़ेआईएएसी।

अध्यक्ष, एसड़ेआईएएसी।

मेसरी लोहराकोट डॉलोमाईट माइन (प्रो- श्री द्वारिका गुप्ता)

को खसरा क्रनांक 406, 407/1, 407/2, 407/3, 408, 411, 413, 414/2, 415/1, 415/2, 416, 417, 418, 419, 420, 421/1, 421/2, 423/1, 423/2 एवं 423/3, छुल लीज होते 4,747 हेक्टेयर, नाम-लोहराकोट, ताहतील-जैजैपुर, जिला-सरकारी में डॉलोमाईट (गौण खनिज) उत्खनन 2,00,014 टन प्रतिवर्ष हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति में दी जाने वाली शर्तें

यह पर्यावरणीय स्वीकृति निम्नलिखित शर्तों के अधीन दी जा रही है। अतः इन शर्तों को बहुत ध्यान से पढ़ा जावे तथा कठाई से पालन करना सुनिश्चित किया जाए।

1. यह पर्यावरणीय स्वीकृति अधिकातम उत्खनन होतकल (लीज होते) 4,747 हेक्टेयर अथवा छत्तीसगढ़ शासन, खनिज शासन विभाग द्वारा स्वीकृत लीज होते (दोनों में से जो कम हो) हेतु मान्य होगा। इसी प्रकार खदान से संबंधित पत्थर का अधिकातम उत्खनन 2,00,014 टन प्रतिवर्ष से अधिक नहीं होगा। लीज होते की सीमाओं का सीमाकान कराकर पक्की गुनारे संगाया जाए।
2. पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) अधिसूचना, 2006 और उसके संशोधन के अनुसार पर्यावरण स्वीकृति (ईसी) की कैप्ता खदान के प्रीवनकल तक या उनमें पहुँच के निष्पादन से 30 वर्ष तक, जो भी पहले हो, तक होगी।
3. परियोजना प्रस्तावक द्वारा लीज होते के मुख्य प्रयोग द्वार पर सूचना पटल (लीज पारक का नाम, खदान का होतकल, आदान एवं देशातर सहित, उत्खनन की मात्रा, स्वीकृति अवधि) लगाया जाए।
4. कलस्टर हेतु प्रस्तुत कौमन इन्वेस्टरोमेटल मेनेजमेंट प्लान के अनुसार वृक्षारोपण एवं परिवहन संकरण एवं खदान से परिवहन संडक तक पहुँच मार्गों वे संधारण का कार्य 6 माह में पूर्ण किया जाए।
5. पूर्व में जारी पर्यावरणीय स्वीकृति की शर्तों के पालन में अपूर्ण पालन किये गये शर्तों का कार्यपूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर अधिकार्यक रिपोर्ट में समाहित करते हुये प्रस्तुत किया जाए।
6. गाननीय एन.जी.टी. को आदेता दिनांक 26/02/2021 के अनुसार पटटेवार द्वारा माईनिंग प्लान एवं पर्यावरणीय स्वीकृति के शर्तों का पालन सुनिश्चित कराये जाने हेतु परियोजना प्रस्तावक को पर्यावरण विभाग नियुक्त करना है।
7. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान से उत्पन्न जल एवं परेलू दृष्टिंत जल (यदि कोई हो), के उपचार की चिन्ता एवं पर्याप्त व्यवस्था की जाए।
8. औद्योगिक प्रक्रिया एवं खदान से उत्पन्न विन्सी भी प्रकार से दृष्टिंत जल को किसी नदी अथवा सतही जल स्रोतों में किसी भी परिस्थिति में निरसारित नहीं किया जाए, अपितु इसे प्रक्रिया में अथवा वृक्षारोपण हेतु पुनरुत्पयीग विन्यास जाए। परेलू दृष्टिंत जल के उपचार के लिए सोप्टिक टैक एवं सोफ्टपीट की व्यवस्था की जाए एवं जल को किसी नदी अथवा सतही जल स्रोतों में किसी भी परिस्थिति में निरसारित नहीं किया जाए। दृष्टिंत जल एवं वर्षाकर्तु का जल आपस में न मिलने देने हेतु भी व्यवस्था की जाए।

उपचारित दूषित जल की गुणवत्ता भारत सरकार, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित मानक अथवा उत्तीर्णगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा अधिसूचित मानक (जो भी कठोर हो) के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

9. खनि पट्टा धारक खान संचालन बंद करने के उपरात (after ceasing mining operations) खनन क्षेत्र तथा किसी भी अन्य क्षेत्र जो कि उनकी खनन गतिविधियों के कारण प्रभावित (disturbed due to their mining activities) हुए हैं, उनकी री-ग्रासिंग (re-grassing) की जाएगी एवं भूमि का पुनर्व्यापन इस रिक्ति तक किया जाएगा। जिससे वह चारा, बनस्पतियों, जीवों आदि के उत्परित हेतु उपयुक्त हो। परियोजना प्रस्तावक द्वारा सकाम प्राधिकारी से अनुमोदित माईन कॉलोजर प्लान एक माह के भीतर प्रस्तुत किया जाए।
10. गू-जल के उपयोग हेतु केन्द्रीय गू-जल बोर्ड से उत्थानन आरम करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए। साथ ही अन्य स्त्रोत से जल का उपयोग किये जाने की रिक्ति में सबकित धिनांग भी उत्थानन आरम करने के पूर्व अनुमति प्राप्त की जाए।
11. किसी धिनांग / केट / बाईंट लोहे से पाटिकुलेट मेटर उत्थानन वी मात्र 50 मिलीग्राम / सामान्य छनमीटर से कम सुनिश्चित किया जाए। करार, स्लीम, ट्रान्सफर प्लांटेस (यदि कोई हो) में यादु प्रदूषण नियंत्रण हेतु डस्ट एक्सट्रैक्शन सिस्टम के साथ उच्च दक्षता का बेग फिल्टर स्थापित किया जाए। खनिज उत्थानन गतिविधियों के विभिन्न त्रौती से उत्पन्न फ्लूजिटिव डस्ट उत्थानन का नियंत्रण प्रभावी एवं नियमित रूप से किया जाए। पहुंच मार्ग, रेम्प, संयोजन ढोत्र, भराई एवं अन्य डस्ट उत्थानन बिन्दुओं डस्ट कॉटन-मैट कम साप्रेशन सिस्टम एवं याल डिक्कतव की व्यवस्था की जाकर इसका सतत संचालन / संचालन सुनिश्चित किया जाए। प्रिल्ड ब्रैकिंग बौल का निर्माण सुनिश्चित किया जाए।
12. बाहनी, खनन एवं अन्य प्रक्रिया से उत्पन्न वायु प्रदूषण को पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 एवं मायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1991 के तहत यिनिर्दिष्ट मानकों के अनुलम रखा जाएगा। उत्थानन क्षेत्र ने परिवेशीय वायु भी गुणवत्ता भारत सरकार के पर्यावरण, बन और जल वायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अधिसूचित मानकों से अधिक नहीं होनी चाहिए।
13. परियोजना प्रस्तावक द्वारा खदान के घारी तत्काल कोसिंग का कार्य किये जाने के उपरात ही उत्थानन कर्तव्य प्राप्तन किया जाए।
14. लीज क्षेत्र के घारी तरफ छोड़ी गई 7.5 मीटर की ऊँची पट्टी में कोई वेस्ट का डर / भयानक नहीं किया जाए तथा इस पट्टी में यूकारीपन किया जाए। ऐसा करन नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति किसी भी समय तत्काल प्रभाव से नियन्त्रित न करेगी।
15. उत्थानन प्रक्रिया के दीर्घन रुटाई नई ऊपरी मिट्टी (टीप रोइल) का उपयोग उत्कर्ष हेतु उपयोग में न आने वाली भूमि को पुनरुद्धार हेतु अथवा बाहरी औदरबढ़न रिक्ति (रेट्रिटिलाइज) करने में किया जाए।

✓
M

16. कापड़ी मिट्टी की लीज सेंच के बाहर प्रस्ताव अनुसार निर्धारित रथाम पर भवारित कर संरक्षित रखा जाए। मिट्टी का दुलपयोग, विक्रय एवं अन्य कार्यों में उपयोग नहीं किया जाए। इस मिट्टी का उपयोग सुदान के पुनर्मान के लिए किया जाए।
17. ओवरबर्डन एवं अनुपयोगी/विक्री अयोग्य खनिज (हिस्ट रीक) को पृथक से पूर्व से चिन्हीत रथल पर भवारित किया जाएगा। इस प्रकार के मण्डारण रथलों को उकित प्रकार से सुरक्षित रखे जावे ताकि भण्डारिल पदार्थ आस-पास की भूमि पर विपरित प्रभाव न ढाल सके। डम्प की सिंधाई 3 मीटर तथा स्तोम 28 दिनी से अधिक न हो। ओवरबर्डन डम्प का आरण रोकने हेतु दृश्यानिक तरीके से दृक्षारोपण किया जाए।
18. जही तक सम्भव हो ओवरबर्डन एवं अन्य अनुपयोगी/विक्री अयोग्य खनिज (वेस्ट रीक) को खनन के पश्चात इन गम्भीरों में पुनर्माण (विक किलिंग) हेतु उपयोग किया जाए, ताकि भूमि का मूल उपयोग अवधार वालित ऐकलिंपक उपयोग सुनिश्चित किया जा सके।
19. परियोजना प्रस्तावक द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि खनन प्रक्रिया से उत्पन्न रिस्ट लौज सेंच के आस-पास के सतही जल स्त्रोतों में प्रवाहित न हो। हसी रोकने हेतु माईन पीट तथा डम्प सेंच में रिटेनिंग बैंल / गारलेण्ड हुम की व्यवस्था दी जाए।
20. खनिज का परिवहन कठहड़ वाहन से किया जाए, ताकि खनिज वाहन ने बाहर नहीं निर। खनिज का परिवहन कर रहे वाहनों को क्षमता से अधिक नहीं भरा जाना सुनिश्चित किया जाए।
21. सी.ई.आर. (Corporate Environment Responsibility) हेतु निम्नानुसार प्रस्ताव पर कार्य पर्यावरण प्रबन्धन योजना के अंतर्गत किया जाए:-

| Capital Investment (in Lakh Rupees) | Percentage of Capital Investment to be Spent | Amount Required for CER Activities (in Lakh Rupees) | Amount Proposed & Details for CER Activities (in Lakh Rupees) | | |
|--|--|--|--|---|--|
| | | | Particulars | CER Fund Allocation (in Lakh Rupees) | |
| 56.95 | | Following activities at Nearby Village- Lohrakot | | | |
| | | Plantation around village pond | | 1.55 | |
| | | Total | | 1.55 | |

सी.ई.आर. के तहत निर्धारित कार्यवाही 06 माह में अनियार्थी रूप से पूर्ण किया जाए। सी.ई.आर. के उपरोक्त प्रस्तावित कार्यों के कार्य पूर्ण उपरांत संवित ग्राम पंचायत से एवं पूर्ण प्रतिवेदन प्राप्त कर आर्थवाचिक रिपोर्ट में समाहित करते हुये प्रस्तुत किया जाए। सी.ई.आर. कार्य की सफलता सुनिश्चित बनना आपका उत्तरदायित्व होगा। ऐपण अनाफल होने पर पर्यावरण स्थीकृति निरस्त की जावेगी।

एवं के अंतर्गत तालाब के बारी और दृश्यारोपण (आम, कटहल एवं जामुन) हेतु प्रस्ताव अनुसार लुप्त 120 नग पौधों के लिए राशि 12,000 रुपये, फौसिंग ले १8,000 रुपये, खाद के लिए राशि 6,000 रुपये, सिंधाई तथा रुद्ध-रुद्धाव

आदि के लिए राशि 15,000 रुपये एवं अन्य कार्य हेतु राशि 8,000 रुपये इस प्रकार प्रधान वर्ष में कुल राशि 59,000 रुपये तथा आगामी 4 वर्ष में कुल राशि 96,000 रुपये हेतु घटकबाट यथा का प्रत्यरूप प्रस्तुत किया गया है। परियोजना प्रस्तावक द्वारा याम पंचायत लोहारकोट के सहमति उपरात यामारोपण स्थान (खासा क्रमांक 245, क्षेत्रफल 0.534 हेक्टेयर) के संबंध में प्रस्तुत पूर्ण करे।

24. श्री.इ.आर. एवं यूक्षारोपण कार्य के मॉनिटरिंग एवं पर्याप्तता के हेतु त्रि-पक्षीय समिति (ओपराईटर/प्रतिनिधि, याम पंचायत के पदाधिकारी/प्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन या छत्तीसगढ़ पर्यावरण रांगड़ान मण्डल के पदाधिकारी/प्रतिनिधि) गठित किया जाना आवश्यक है। ताकि ही श्री.इ.आर. एवं यूक्षारोपण का कार्य पूर्ण किये जाने के उपरात गठित त्रि-पक्षीय समिति से रात्यारित कराया जाए।
25. जब भी निरीक्षण दल/अधिकारी निरीक्षण हेतु रथल पर आये, तब उन्हें खदान/उद्योग/मट्टा के निरीक्षण के साथ-साथ श्री.इ.आर. को ताहत आपके द्वारा कराये गये कार्यों का निरीक्षण भी अनिवार्य काम से करना आपकी जिम्मेदारी होगी।
26. उत्तरान हेतु निषिद्ध लेंब (धारों तरफ 7.5 मीटर बाँड़ा क्षेत्र), हॉल रोड, ओपरेटर्स हम्म आदि में स्थानीय प्रजाति के 1,570 नग दृष्टि का सघन यूक्षारोपण प्रधान वर्ष में किया जाए। हरित पट्टी का विकास केन्द्रीय प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड की मार्गदर्शिका के अनुसार किया जाए।
27. प्राथमिकता के आधार पर खदान प्रबंधन द्वारा वर्ष 2025-26 में कम से कम 200 नग प्रति हेक्टेयर लीज क्षेत्र के अनुसार बड़, पीपल, नीम, करंज, तीसु, आम, इगली, अर्जुन, तीरसा आदि अन्य स्थानीय प्रजातियों के 950 नग पौधों का रोपण (कुल 2520 नग पौधों) खदान के खुले क्षेत्र में किया जाए। रोपण को सुरक्षित रखने के लिये उपयुक्त एवं पर्याप्त व्यावरथा (यथा कॉटेंटर तार के बाढ़ अथवा ट्री मार्ह का उपयोग) किया जाए। रथल उपलब्ध नहीं होने की दशा में संबंधित याम पंचायत द्वारा चिन्हीत क्षेत्र में उपक्रोक्तानुसार यूक्षारोपण किया जाए। उपरोक्त यूक्षारोपण प्रधान वर्ष में पूर्ण किया जाए एवं शेष 4 वर्षों तक रथ-रखाव किया जाए। 5 फीट से 6 फीट कंचाई वाले पौधों का ही रोपण किया जाए। यूक्षारोपण नहीं करने पर यारी पर्यावरणीय स्थीकृति तत्काल निरस्त की जा सकती है।
28. रोपित विद्यु जाने काले पौधों में संख्याकान (Numbering) एवं पौधों के नाम का उल्लेख करते हुये जियोटैग (Geotag) जीटोप्राप्ति सहित जानकारी पालन प्रतिवेदन के साथ यार्यालय में प्रस्तुत करें।
29. माईनिंग लीज क्षेत्र के अंदर एवं बाहर सघन यूक्षारोपण किये जाने एवं रोपित पौधों का सरवाइवल रेट (Survival rate) कम से कम 90 प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यूक्षारोपण का रथ-रखाव आगामी 5 वर्ष तक हुनिश्चित रूप से हुये मृत पौधों को प्रतिस्थापित (Mortality replacement) किया जाए। आपके द्वारा रोपित पौधों का यूक्षारोपण को सफल बनाना आपकी पूर्ण जिम्मेदारी होगी।
30. किये गये यूक्षारोपण की मुख्ती हेतु डी.जी.पी.एस. (Differential Global Positioning System) सर्वे एवं फोटोग्राफ्स अवैधार्यिक रिपोर्ट में समाहित यात्रों हुये छत्तीसगढ़ पर्यावरण रांगड़ान मण्डल एवं एस.ई.आई.ए.प., छत्तीसगढ़ को प्रेषित किया जाए।

31. परियोजना प्रस्तावक द्वारा 7.5 मीटर प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रस्तावित कार्य एवं सीईआर के तहत प्रस्तावित कार्य करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्थीकृति को निरस्त करने की जार्यवाही की जाएगी।
32. परियोजना प्रस्तावक द्वारा घनि प्रदूषण के नियन्त्रण हेतु आवश्यक उपाय किया जाए। घनि तत्त्व सत्रहनन क्षेत्र में दिन के समय 75 DB(A) एवं रात्रि के समय 70 DB(A) से अधिक नहीं होना चाहिए। तीव्र घनि बाले क्षेत्रों में काम करने वाले अभिको वो हथरफलग / मफा आदि प्रदान किए जाएं एवं समय—समय पर चिकित्साकीय जीव एवं आवश्यकता अनुसार उनका उपचार भी कराया जाए।
33. उत्थनन प्रक्रिया भू—जल स्तर के उपर असंतुष्ट प्रभाग में की जाएगी एवं उत्थनन प्रक्रिया भू—जल स्तर के नीचे किसी भी परिस्थिति में नहीं किया जाए। भू—जल स्तर को शाति न पहुँचे, इसका समुचित घ्यान रखा जाए।
34. उत्थनन की प्रक्रिया इस प्रकार सुनिश्चित की जाए कि बनस्पतियों एवं जीव—जन्मुओं पर कोई दुष्प्रभाव न हो। क्षेत्र में पाये जाने वाले प्राकृतिक बनस्पतियों एवं जीव—जन्मुओं का समुचित संरक्षण आपका दायित्व होगा।
35. परियोजना प्रस्तावक द्वारा गोप खनिज का उत्थनन छल्तीसगढ़ गोप खनिज नियम, 2015 को प्राप्तयानी, अनुमोदित उत्थनन योजना एवं पर्यावरणीय प्रबंधन योजना के अनुसार किया जाए। माईन एक्ट 1952 के प्राप्तयानी का पालन किया जाए।
36. कार्य स्थल पर यदि केंद्रिय अभिको कार्य पर लगाये जाते हैं तो ऐसे अभिको के आवास एवं सुरक्षा हेतु उचित व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाएगी। जायासीय व्यवस्था अस्थायी संरक्षणार्थी के रूप में हो सकती है, जिसे परियोजना पूरी होने के पश्चात हटाया जा सके।
37. अभिको को हिए खनन स्थल पर स्वच्छ पेशजल चिकित्साकीय सुविधा, बोराइल टायलेट आदि की व्यवस्था परियोजना प्रस्तावक द्वारा की जाए।
38. अभिको का समय—समय पर आवश्यूपशान्त हेत्थ सर्विस करना आवश्यक है।
39. उत्थनन की साक्षीक, कार्य क्षेत्र एवं अनुमोदित उत्थनन योजना की अनुरूप वार्षिक योजना, जिसमें उत्थनन, खनिज की मात्रा एवं अपशिष्ट समिलित है, में किसी भी प्रकार का परिवर्तन एस.ई.आई.ए.ए. छल्तीसगढ़ / पर्यावरण, यन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्ण अनुमति के दिन नहीं किया जाए।
40. इस पर्यावरणीय स्थीकृति को जारी करने का आशय जिसी व्यक्तिगत अधिकारी अन्य सम्पत्ति पर अधिकार दर्शाने का नहीं है एवं न ही यह पर्यावरणीय स्थीकृति किसी नियमी सम्पत्ति की मुकासान पहुँचाने अथवा व्यक्तिगत अधिकारी के अतिकरण अथवा केन्द्र, राज्य एवं स्थानीय करनूनों / विधियों के उल्लंघन हेतु अधिकृत करता है।
41. एस.ई.आई.ए.ए., छल्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से, परियोजना की रूपरेखा में परिवर्तन अथवा विनियोग शर्तों के संतोषप्रद रूप से पालन न करने की दशा में किसी भी जाति में संशोधन / निरस्त करने अथवा नई जाति जोड़ने अथवा चतुर्वर्जन / निरस्त के मानकों को और सरकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
42. परियोजना प्रस्तावक न्यूनतम 2 स्थानीय समाजार पत्रों ने, जो कि परियोजना क्षेत्र के आस—पास व्यापक रूप से प्रसारित हो, पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त होने के 7 दिनों के नीतर इस आशय की सूखना प्रसारित करेगा कि परियोजना को पर्यावरणीय स्थीकृति प्राप्त हो गई है एवं पर्यावरणीय स्थीकृति पत्र की प्रतियोगी संधियालय, छल्तीसगढ़

- पर्यावरण संरक्षण मण्डल में अवलोकन हेतु उपलब्ध है। साथ ही इसका अपलोकन एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ की वेबसाइट panivesh.nic.in पर भी किया जा सकता है।
43. पर्यावरणीय स्वीकृति में दी गई शहरी के पालन हेतु की गई कार्यवाही की अर्थ सार्विक रिपोर्ट छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, अटल नगर, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, बिलासपुर, एस.ई.आई.ए.ए., छत्तीसगढ़ एवं एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नवा रायपुर अटल नगर को प्रेषित किया जाए।
44. एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर द्वारा पर्यावरणीय स्वीकृति में प्रदर्शन शहरी के पालन की मॉनिटरिंग की जाएगी। इस हेतु परियोजना प्रस्तावक द्वारा समय—समय पर प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों एवं आवेदन का पूर्ण सेट एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर को प्रेषित किया जाए।
45. एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़, पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार/ एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, पर्यावरण, बन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, रायपुर /केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड/छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल को वैज्ञानिकों/अधिकारियों को शहरी वो अनुपालन वो संबंध में की जाने वाली मॉनिटरिंग हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाए। परियोजना प्रस्तावक द्वारा तिनिटिएट शहरी का अनुपालन करना नहीं पाये जाने पर पर्यावरणीय स्वीकृति निररह जी जा सकेगी।
46. परियोजना प्रस्तावक छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल एवं राज्य सरकार द्वारा दी गई शहरी का अनिवार्य संपर्क से पालन करेगा। ये शहरी जल (प्रदूषण नियारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 वायु (प्रदूषण नियारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 तथा इनके तहत बनाये गये नियमों, परिसंकटनय और अन्य अपशिष्ट (प्रबंध एवं शीमापार लंचलन) नियम, 2016 तथा लोक वायित्व हीमा अधिनियम, 1991 (यथा लंबोधित) के अधीन विनियिष्ट की जा सकती है।
47. प्रस्तावित परियोजना के बारे में एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ में प्रस्तुत विवरण में कोई भी विचलन अथवा परिवर्तन होने की दशा में एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ को पुनः नवीन जानकारी सहित सूचित किया जाए ताकि एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ इस पर विचार कार शहरी की उपस्थितता अथवा नवीन शहर नियिष्ट करने वाले नियंत्रण तो सके। छठान में कोई भी विस्तार अथवा उन्नयन एस.ई.आई.ए.ए. छत्तीसगढ़ / पर्यावरण, बन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना नहीं किया जाए।
48. छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रति को उनके क्षेत्रीय कार्यालय, जिला—व्यापार एवं उद्योग केन्द्र एवं कलेक्टर/ तहसीलदार कार्यालय में 30 दिवस की अवधि के लिए प्रदर्शित करेगा।
49. पर्यावरणीय स्वीकृति के विकल्प अधील नीशनल ग्रीन ट्रीड्यूनल के समस्त नीशनल ग्रीन ट्रीड्यूनल एक्ट 2010 की धारा 16 में दिए गए प्रावधानों अनुसार, 30 दिन की समय अवधि में की जाए सकेगी।


सामर्थ्य राजिय, एस.ई.ए.सी.ए.


अध्यक्ष, एस.ई.ए.सी.ए.